शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 17 | गुवाहाटी | गुरुवार, 10 अगस्त, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को 25 वर्ष सश्रम कारावास की सजा — पेज 3
भारत छोड़ो का आह्वान आज अमृत काल में और भी अधिक प्रासंगिक है : उपराष्ट्रपति — पेज 4
पंच प्रण के साथ 2047 तक भारत को आत्मनिर्भर बनाने की प्रत्येक ... — पेज 5
पंजाब में निकल रहा है कानून व्यवस्था का जनाजा : सुनील जाखड़ — पेज 8

पूर्वोत्तर के एकजुट होने से ही मोदी बनेंगे तीसरी बार प्रधानमंत्री : सीएम

गुवाहाटी। राज्य के मुख्यमंत्री और पूर्वोत्तर में भाजपा के मुख्य संकटमोचक हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को कहा कि मणिपुर में जातीय संघर्ष के बावजूद, पार्टी अगले साल के आम चुनाव में राज्य की दोनों लोकसभा सीटें जीतेगी। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए तैयार होने और पूरे क्षेत्र में संगठनात्मक ताकत बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया ताकि वह अधिक से अधिक सीटें जीत सकें। शर्मा ने यहां क्षेत्र की विस्तारक बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि लोग पूछ रहे हैं कि मणिपुर में भाजपा का प्रदर्शन कैसा रहेगा। मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि हम राज्य से दोनों लोकसभा सीटें जीतेंगे। उन्होंने कहा कि हालांकि अभी झड़पें हो रही हैं, लेकिन जब मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने की बात आएगी तो पूरा पूर्वोत्तर एकजुट हो जाएगा। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों के कारण, मणिपुर में आवश्यक वस्तुओं की कीमतें 2012 की तुलना में उतनी नहीं बढ़ी हैं, जब राज्य ने विभिन्न मांगों को लेकर विभिन्न संगठनों द्वारा लंबे समय तक राष्ट्रीय राजमार्ग नाकाबंदी देखी थी। अगर सिलचर-जिरिबाम सड़क नहीं होती, तो आज की स्थिति में पेट्रोल और डीजल की कीमतें 1,000 रुपए प्रति लीटर तक पहुंच जातीं। 2012 में, जहां यह मार्ग नहीं था, इन उत्पादों को इम्फाल तक हवाई मार्ग से ले जाना पड़ता था और कीमतें छू गई थीं। 350-400 रुपए प्रति लीटर। भाजपा नेता ने कहा कि आवश्यक वस्तुओं की कीमतें भी उस हद तक नहीं बढ़ी हैं जितनी 2012 में थीं। (इम्फाल) घाटी में आपूर्ति लाइन को स्पष्ट रखा गया है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से इस क्षेत्र को लोकसभा सीटों के संदर्भ में सामूहिक रूप से देखने का आग्रह किया, जो 25 सीटें हैं और राष्ट्रीय राजनीतिक परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण संख्या है। उन्होंने कहा कि हम आठ राज्यों में हैं और लोकसभा में एक से लेकर 14 तक सीटें हैं। कुल मिलाकर हम 25 हैं, जो एक बड़ी संख्या है। साथ मिलकर हम सकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं। शर्मा ने पार्टी सदस्यों से यह भी अटकलें नहीं लगाने को कहा कि भाजपा किन सीटों पर चुनाव लड़ेगी और कौन सी सीटें वह एनडीए में अपने सहयोगियों के लिए छोड़ेगी। एनडीए एक वास्तविकता है। पीएम ने कहा है कि हमें एनडीए की भावना को बनाए रखना है। उन्होंने कहा कि चाहे हम किसी सीट पर चुनाव लड़ेंगे या कोई सहयोगी लड़ेगा, यह केंद्रीय नेतृत्व तय करेगा। हमारा काम अपने उम्मीदवार की जीत सुनिश्चित करने के लिए तैयार रहना है। पार्टी जिस भी सीट पर चुनाव लड़ने का फैसला करेगी। यहां तक कि उन सीटों पर भी जहां आज के परिदृश्य में भाजपा के पास कोई मौका नहीं है, हमें अपनी ताकत का पता लगाने और उस पर काम शुरू करने की जरूरत है। हमें दीर्घकालिक एजेंडे के साथ काम करना होगा। शर्मा ने कहा कि असम भाजपा के मंत्री और लोकसभा सांसद चुनाव तैयारियों पर चर्चा के लिए गुरुवार को नई दिल्ली में बैठक करेंगे। उन्होंने कांग्रेस पर भी कटाक्ष किया और उस पर सत्ता में अपने लंबे कार्यकाल के दौरान देश के लिए काम नहीं करने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस ने कभी भी सामाजिक उत्थान और अस्पृश्यता जैसी -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर हिंसा में घी का काम किया हाईकोर्ट के फैसले ने : केंद्रीय गृहमंत्री

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव के दौरान बोलते हुए मणिपुर हिंसा पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि यह सच है कि मणिपुर में हिंसा का तांडव हुआ। हिंसक घटनाएं हुई। वहां जो कुछ भी हुआ, वह शर्मनाक है। उस पर राजनीति करना उससे भी ज्यादा शर्मनाक है। यह भ्रांति देश की जनता के सामने फैलाई गई है कि सरकार चर्चा के लिए तैयार नहीं है। उन्होंने कहा कि मैं पहले दिन से ही मणिपुर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार था, लेकिन विपक्ष कभी चर्चा नहीं करना चाहता था। आप मुझे चुप नहीं करा सकते, क्योंकि 130 करोड़ लोगों ने हमें चुना है इसलिए उन्हें हमारी बात सुननी होगी। मैं यह साफ करना चाहता हूं कि सत्र आहूत होने से पहले मैंने स्पीकर को पत्र लिखकर मणिपुर पर चर्चा के लिए कहा था। पहले दिन से मैं यह बात कह रहा हूं। मेरी बात सुनते। अगर मेरी बात से संतुष्ट नहीं होते तो फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से जवाब मांगते। आप देश के गृह मंत्री को मणिपुर मामले पर बोलने नहीं देते, यह किस तरह का लोकतंत्र है। छह साल तक मणिपुर में एक दिन भी हिंसा नहीं हुई। कर्फ्यू नहीं हुआ। उग्रवादी घटनाएं नहीं हुई। हमारी छह साल का यह अनुभव रहा। इसके बाद म्यांमार में -शेष पृष्ठ दो पर

मुकरोह हिंसा : गवाह-दस्तावेज पेश नहीं कर पाई मेघालय सरकार

शिलांग। मेघालय सरकार पिछले साल नवंबर में छह लोगों की जान लेने वाली मुकरोह हिंसा की जांच कर रहे असम के जांच आयोग के समक्ष गवाह और दस्तावेज पेश करने में विफल रही है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि न्यायमूर्ति रूमी कुमारी फुकन (सेवानिवृत्त) की अध्यक्षता वाले एक सदस्यीय आयोग ने यहां असम हाउस में बैठक के दौरान आयोग के समक्ष कोई पेश न होने पर अपनी कार्यवाही बंद कर दी। उन्होंने कहा कि गहरी चिंता के साथ आयोग ने मेघालय में कार्यवाही (सुनवाई) बंद कर दी है और गुवाहाटी लौट आया है। सुनवाई के लिए कोई नहीं आया और यहां तक कि सरकारी अधिकारी भी पेश नहीं हुए। उन्होंने कहा कि आयोग यह सुनिश्चित करने के लिए यहां आया था कि हिंसा पर दस्तावेज और सबूत रखने वाले उसके समक्ष पेश हो सकें। राज्य सरकार को भी सूचित किया गया था और आयोग ने सभी संबंधित -शेष पृष्ठ दो पर

महिला और सिंगल पुरुष कर्मचारी को मिलेगी 730 दिन की छुट्टी

नई दिल्ली। सरकार ने लोकसभा में बुधवार को बताया कि महिला या सिंगल पुरुष सरकारी कर्मचारी को अपने बच्चों की देखभाल करने के लिए छुट्टी लेने का अधिकार है। केंद्रीय कार्मिक राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि महिला और सिंगल पुरुष सरकारी कर्मचारी अपने बच्चों की देखभाल करने के लिए 730 दिनों तक के लिए छुट्टी ले सकते हैं। संघ के मामलों के संबंध में सिविल सेवाओं और पदों पर नियुक्त महिला सरकारी कर्मचारी और सिंगल पुरुष सरकारी कर्मचारी, केंद्रीय सिविल सेवा (छुट्टी) नियम, 1972 के नियम 43-सी के तहत बाल देखभाल अवकाश (सीसीएल) के लिए पात्र हैं। जितेंद्र सिंह ने लोकसभा में एक लिखित उत्तर में कहा कि 18 वर्ष की आयु तक के दो सबसे बड़े बच्चों की देखभाल के लिए पूरी सेवा के दौरान अधिकतम 730 दिन की छुट्टी देने का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि दिव्यांग बच्चे के मामले में कोई आयु सीमा तय नहीं है।

पूर्वाञ्चल কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

मोदी ने सड़कें बदल दीं, तो चल सकता है कोई भी : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा पर स्पष्ट रूप से कटाक्ष करते हुए, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तहत सड़कें बदल गई हैं और अब कोई भी यात्रा कर सकता है। शर्मा ने बुधवार को गुवाहाटी में संवाददाताओं से कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में सड़कों का कायापलट हो गया है। पहले की खराब सड़क की स्थिति बदल गई है। अब कोई भी देश भर में अच्छी सड़कों पर चल सकता है। उन्होंने कहा कि जब सड़कें बनीं तो सिर्फ भाजपा के लोगों के लिए नहीं बनीं। अन्य दलों से जुड़े नेता भी इन सड़कों पर स्वतंत्र रूप से चल सकते हैं। -शेष पृष्ठ दो पर

साइबर अटैक से बचने को रक्षा मंत्रालय ने विकसित की स्वदेशी विंडोज माया

नई दिल्ली (हि.स.)। साइबर अटैक और राष्ट्रीय सुरक्षा के मद्देनजर रक्षा मंत्रालय अपने सभी कम्प्यूटरों में माइक्रोसॉफ्ट विंडोज के स्थान पर स्वदेशी रूप से विकसित एक सुरक्षित ऑपरेटिंग सिस्टम माया ओएस स्थापित करेगा। इस साल के अंत तक पूरे मंत्रालय के कम्प्यूटरों में स्वदेशी ऑपरेटिंग सिस्टम लागू किए जाने से साइबर सुरक्षा बढ़ेगी और विदेशी सॉफ्टवेयर पर निर्भरता कम होगी। भारतीय सेना, नौसेना और वायु सेना भी माया ओएस को अपनाने के लिए तैयार हैं। दरअसल, 2021 में भारत की रक्षा प्रणालियों को कई साइबर हमलों का सामना करना पड़ा था। इसी के बाद रक्षा मंत्रालय ने स्वदेशी माया ओएस का विकास शुरू किया। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ), उन्नत कंप्यूटिंग विकास केंद्र (सी-डीएसी) और राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) सहित विभिन्न सरकारी एजेंसियों के विशेषज्ञों की एक टीम ने ओपन-सोर्स उबंटू प्लेटफॉर्म पर माया ओएस को छह महीने में विकसित किया गया। टीम ने ओएस का परीक्षण और सुधार करने के लिए भारतीय सॉफ्टवेयर कंपनियों और शैक्षणिक संस्थानों के साथ भी सहयोग किया। अब सॉफ्टवेयर तैयार होने के बाद माइक्रोसॉफ्ट विंडोज को बदलने का निर्णय लिया गया है। -शेष पृष्ठ दो पर

Door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

मणिपुरवाली अशांति मिजोरम, नगालैंड में भी फैल सकती है : ललन सिंह

दिल्ली। जनता दल (यूनाइटेड) के सांसद राजीव रंजन सिंह ललन ने मणिपुर में हिंसा पर केंद्र की घेरते हुए कहा कि राज्य में फैली अशांति नगालैंड और मिजोरम तक फैल सकती है और पूरी पूर्वोत्तर सीमा को प्रभावित कर सकती है। भाजपा की पूर्व सहयोगी जदयू के ललन सिंह ने एनडीए सरकार के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव के दौरान कहा कि आप मणिपुर को हल्के में नहीं ले सकते। आज जो घटना मणिपुर में हुई, कल मिजोरम में होगी, परसों नगालैंड में हो सकती है और इसका असर पूरी पूर्वोत्तर सीमा पर पड़ेगा। आप मामले की गंभीरता को नहीं समझ रहे हैं। जदयू नेता ने कहा कि मणिपुर में डबल इंजन सरकार है, फिर भी राज्य के लोग सरकार पर विश्वास खो रहे हैं। दोनों समुदायों के बीच बहुत नफरत है, दोनों समुदायों ने सरकार पर विश्वास खो दिया है। -शेष पृष्ठ दो पर

पीएम को बम से उड़ाने की धमकी

पुणे (हि.स.)। पुणे में रहने वाले एक व्यक्ति को ई-मेल के जरिए धमकी का मैसेज मिला है। एमए मोखीम नाम के इस शख्स ने भारत में कई जगहों पर बम धमाके करने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बम से उड़ाने की धमकी दी है। ई-मेल भेजने वाले मोखिम ने कहा है कि वह कई आतंकी संगठनों को फंडिंग करता हैं। भारत से हिंदू महिलाओं और हिंदुओं को खत्म करने की कोशिश की जा रही है। मोखीम ने भारत में अलग-अलग जगहों पर बम धमाके करने के साथ-साथ प्रधानमंत्री को भी बम से उड़ाने की -शेष पृष्ठ दो पर

ज्ञानवापी से मीडिया को दूर रहने का न्यायालयी निर्देश

वाराणसी (हि.स.)। ज्ञानवापी परिसर में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की टीम ने लगातार छठवे दिन बुधवार को भी कड़ी सुरक्षा के बीच सर्वे प्रक्रिया पूरी की। टीम गुरुवार को सुबह आठ बजे से परिसर में सर्वे करेगी। इसके लिए एएसआई के अधिकारियों ने अपने टीम के सदस्यो को दिशा निर्देश दिया। इस बीच जिला न्यायालय ने मीडिया को ज्ञानवापी से दूर रहने का दिया निर्देश दिया है। छठवे दिन सर्वे में ग्राउंड पेनेट्रेटिक रडार (जीपीआर) सर्वे के लिए आईआईटी कानपुर की टीम नही पहुंची थी। माना जा रहा है कि टीम ने आज पूरे दिन व्यास के तहखाने के साथ, गुंबद उत्तरी और दक्षिणी छोर पर सर्वे का कार्य किया। हिन्दू टीम की वादिनी ने बताया कि कोर्ट के निर्देश के अनुरूप सर्वे का कार्य चल रहा है। सर्वे में दोनो पक्षों का सहयोग है और किसी प्रकार से सर्वे -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात
विचार अथवा मंत्रणा को गुप्त न रखने पर कार्य नष्ट हो जाता है।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

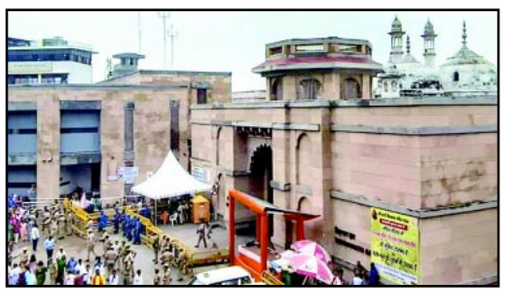

अरुणाचल रंग महोत्सव एक भारत के अनुरूप : पीएम

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और गुवाहाटी सहित भारत के विभिन्न हिस्सों में मनाए जा रहे अरुणाचल रंग महोत्सव पर प्रसन्नता व्यक्त की है। प्रधानमंत्री ने बुधवार को अरुणाचल के मुख्यमंत्री पेमा खांडू के एक ट्वीट को साझा करते हुए लिखा कि अरुणाचल रंग महोत्सव सिर्फ एक कार्यक्रम से कहीं अधिक है। यह अरुणाचल की समृद्ध सांस्कृतिक टेपेस्ट्री का उत्सव है। यह एक भारत, श्रेष्ठ भारत के सिद्धांतों के अनुरूप है। यह कार्यक्रम दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और गुवाहाटी सहित भारत के विभिन्न हिस्सों में आयोजित हो रहा है।

आयुष्मान योजना में एक मोबाइल से 7.5 लाख रजिस्ट्रेशन

नई दिल्ली। भारत सरकार की हेल्थ स्कीम आयुष्मान भारत योजना में बड़ी खामियों को उजागर किया गया है। सरकार के खर्चों का हिसाब करने वाली संस्था कॉम्पट्रॉलर एंड ऑडिटर जनरल ऑफ इंडिया (कैग) ने इस योजना में हुई गड़बड़ियों को सामने रखा है। कैग ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि आयुष्मान भारत योजना के तहत करीब 7.5 लाख लोगों का रजिस्ट्रेशन सिर्फ एक फोन नंबर पर किया गया है। इसके अलावा एक और फोन नंबर है, जिस पर 1.39 लाख रजिस्ट्रेशन दर्ज किए गए हैं। रिपोर्ट में ये बात भी सामने निकलकर आई है कि इस योजना के तहत कई ऐसे लोगों का रजिस्ट्रेशन किया गया है, जो रजिस्ट्रेशन के लिए योग्य नहीं हैं। इन लोगों ने योजना का लाभ भी उठाया है। कैग रिपोर्ट में बताया गया है कि रजिस्ट्रेशन के लिए योग्य नहीं रहने वाले लोगों ने 22 करोड़ रुपए का लाभ लिया है। जिन 7.5 लाख लाभार्थियों ने आयुष्मान भारत का लाभ उठाया है, उनका रजिस्ट्रेशन 9999999999 नंबर से किया गया। मंगलवार को संसद में कैग से जुड़ी रिपोर्ट रखी गई, जिसमें ये जानकारी मिली है। सिर्फ इतना ही नहीं, बल्कि रिपोर्ट में आयुष्मान योजना से जुड़े अस्पतालों की क्वालिटी पर भी सवाल उठाया गया है। कैग रिपोर्ट में इस बात का भी खुलासा किया गया है कि कुछ राज्यों में लाभार्थियों से अलग से पैसे भी वसूले गए हैं। 2017 से 2021 से बीच केंद्र सरकार की इस -शेष पृष्ठ दो पर

फ्रांस में दिव्यांगों के हॉलीडे होम में आग, नौ मरे

पेरिस। फ्रांस में दिव्यांगजनों के अवकाश गृह में बुधवार को आग लग गई, जिसके कारण कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई जबकि दो अन्य लोगों की मौत की भी आशंका जताई जा रही है। बचाव अभियान के प्रमुख ने यह जानकारी दी। अग्निशमन दल की ओर से चलाए जा रहे बचाव अभियान का नेतृत्व कर रहे लेफ्टिनेंट-कर्नल फिलिप हाउविलर ने कहा कि फिलहाल हम शवों की तलाश कर रहे हैं। दो लोगों के शव अब तक नहीं मिले हैं। फ्रांस की प्रधानमंत्री एलिजाबेथ बोर्न ने ट्वीट कर कहा कि -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

AFFIDAVIT

I, Army No. 8029071F, NK (TS) Mr. Bhadar Chandra Baro R/o Vill. & P.O. Rampur, P.S. Mushalpur, Dist. Baksa declare vide an affidavit at Baksa (B.T.R.) Assam that my Wife's name is Bhagyabati Baro instead of Bhagyawati in her all documents. Bhagyabati Baro and Bhagyawati is the same and one person i.e. my wife.

मणिपुर के हजारों बच्चों ने मिजोरम के स्कूलों में लिया दाखिला : शिक्षा मंत्री

एजल। म्यांमार और बांग्लादेश के शरणार्थियों और संघर्षग्रस्त मणिपुर के आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों (आईडीपी) के 8,000 से अधिक बच्चे मिजोरम के स्कूलों में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। इसकी जानकारी स्कूल शिक्षा मंत्री लालचंदामा राल्ते ने दी। उन्होंने कहा कि 8,119 बच्चों में से 6,366 छात्र म्यांमार से, 250 बांग्लादेश से और 1,503 मणिपुर से हैं। राल्ते ने कहा कि छात्रों को स्थानीय विद्यार्थियों की तरह मुफ्त स्कूल यूनिफॉर्म, पाठ्यपुस्तकों के साथ-साथ मध्याह्न भोजन भी मिल रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि मिजोरम सरकार इन बच्चों को शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो (जो जनजातियों) से हैं। राल्ते ने मंगलवार को संवाददाताओं से कहा कि मिजोरम सरकार दुनिया भर की जो जनजातियों को एक मानती है। यह सिद्धांत हमारे शिक्षा क्षेत्र में भी परिलक्षित होता है। हमारी सरकार न केवल जरूरतमंदों को आश्रय, बल्कि शिक्षा भी प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि 44 शरणार्थी बच्चों ने 2022 में कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षाओं के लिए पंजीकरण कराया था और उनमें से 31 इसमें शामिल हुए थे। उन्होंने कहा कि 31 छात्रों में से 28 ने 90.32 प्रतिशत के साथ बोर्ड परीक्षाओं में सफलता हासिल की है। मंत्री ने कहा कि पिछले चार वर्षों के दौरान सरकारी स्कूलों में नामांकन लगातार बढ़ा है, जो सरकार द्वारा संचालित संस्थानों में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार का एक सकारात्मक संकेत है। उन्होंने कहा कि 2019-20 शैक्षणिक सत्र में छात्रों का कुल नामांकन 1,15,005 था, जो 2020-21 में बढ़कर 1,19,133 हो गया और 2021-22 शैक्षणिक वर्ष में बढ़कर 1,28,927 हो गया। उन्होंने कहा कि पाठ्यक्रम में मिजो भाषा सीखने को शामिल करने को प्राथमिकता देने के प्रयास चल रहे हैं। म्यांमार और बांग्लादेश से कुकी-चिन समुदाय के हजारों शरणार्थियों ने मिजोरम में शरण ली है। फरवरी 2021 में पड़ोसी देश में सैन्य तख्तापलट के बाद म्यांमार के नागरिक, ज्यादातर चिन राज्य से, मिजोरम भाग गए, जबकि बांग्लादेश के चटगांव हिल ट्रैक्ट्स (सीएचटी) से शरण चाहने वाले पिछले दिनों एक जातीय विद्रोही समूह के खिलाफ सैन्य हमले के बाद राज्य में आए थे। मई में मेइतीस के साथ जातीय हिंसा भड़कने के बाद मणिपुर से भागे कुकी आईडीपी ने मिजोरम में शरण ली है।

रास में मणिपुर मुद्दे पर चर्चा की मांग को लेकर विपक्षी सदस्यों ने किया वॉकआउट

नई दिल्ली (हि.स.)। विपक्ष मणिपुर मुद्दे पर राज्यसभा में चर्चा की मांग को लेकर सरकार पर लगातार दबाव बना रहा है। विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण बुधवार को राज्यसभा की कार्यवाही कई बार बाधित हुई। सुबह से लेकर दोपहर तक सदन की कार्यवाही दो बार स्थगित करनी पड़ी। सरकार के जवाब से संतुष्ट नहीं होने पर विपक्षी सदस्यों ने सदन से वॉकआउट किया। राज्यसभा की कार्यवाही दोपहर बाद जब पुन: शुरू हुई तो सभापति जगदीप धनखड़ ने नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को अपना पक्ष रखने को कहा। इस दौरान खड़गे ने कहा कि वह चाहते हैं कि सदन में नियम 267 के तहत मणिपुर मुद्दे पर चर्चा हो और प्रधानमंत्री मोदी सदन में जवाब दें। इसके बाद सभापति ने राज्यसभा में सदन के नेता पीयूष गोयल को इस मुद्दे पर सरकार का पक्ष रखने को कहा। गोयल ने सरकार का पक्ष रखते हुए कहा कि मणिपुर का मुद्दा गंभीर है। सरकार ने हमेशा इस मुद्दे पर चर्चा के लिए विपक्ष का सहयोग मांगा है। सरकार चाहती है कि इस मुद्दे पर सदन में चर्चा हो। गृहमंत्री अमित शाह इस मुद्दे पर जवाब देने के लिए तैयार हैं। खड़गे सहित विपक्षी सदस्यों का कहना था कि नियम 267 के तहत मणिपुर मुद्दे पर चर्चा होनी चाहिए और चर्चा के बाद प्रधानमंत्री जवाब दें। इस पर संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने नियमों का हवाला देते हुए विपक्ष को समझाने की कोशिश की। जोशी ने कहा कि हम चर्चा के लिए तैयार हैं। मणिपुर का मुद्दा गंभीर हैं। इसपर चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हम नियम 167 के तहत चर्चा के लिए तैयार हैं। गृहमंत्री हमारी ओर से अपनी बात रखेंगे। संसदीय कार्य मंत्री जोशी के इस बात पर असहमति व्यक्त करते हुए खड़गे ने कहा कि उनकी बात को सदन गंभीरता से नहीं ले रहा है। उनकी मांगों पर सरकार गौर नहीं कर रही है। इसलिए विपक्ष असहमति जताते हिए सदन से वॉकआउट कर रहा है। यह कहते हुए कांग्रेस सहित इंडिया के घटक दलों के सदस्यों ने वॉकआउट किया।

नाबार्ड के सहयोग से पांच राजस्थानी उत्पादों का हुआ जीआई प्रमाणीकरण

जयपुर (हिंस)। राजस्थान की पांच पारंपरिक कलाओं जोधपुर बंधेज कला, उदयपुर की कोफ्तागिरी मेटल शिल्प, राजसमंद की नाथद्वारा पिचवाई शिल्प, बीकानेर उस्ता कला, बीकानेर की हस्त कढ़ाई कला के लिए भौगोलिक संकेतक यानी जीआई टैग को अनुमोदन प्रदान किया गया है। नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक डॉ. राजीव सिवाच ने बताया कि विलुप्त हो रही कलाओं को जीवित रखने के लिए नाबार्ड द्वारा इन पांच उत्पादों के जीआई पंजीकरण परियोजना के लिए सहायता दी गई है। यह परियोजना स्थानीय समुदायों की आय के स्तर को बढ़ाकर उन्हें सशक्त बनाएगी। राज्य के पारंपरिक ज्ञान और सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों के संरक्षण के लिए यह परियोजना पूर्ण रूप से सहयोगी रहेगी। ग्रामीण कृषितर विकास उत्पाद की अलग पहचान बनाने, ब्रांड का निर्माण करने, स्थानीय स्तर पर रोजगार पैदा करने, एक क्षेत्रीय ब्रांड का निर्माण करने, पर्यटन और पाक कला के व्यवसाय को बढ़ावा देने और जैव विविधता का संरक्षण करने में जीआई महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। राजस्थान में कृषि और कृषितर क्षेत्र के विकास को गति प्रदान करने के लिए नाबार्ड कौशल विकास कार्यक्रमों, जीआई, कृषि और कृषितर उत्पादक संगठनों को बढ़ावा देने, किसानों के एक्सपोजर दौरे, राज्य के जनजातीय लोगों के लिए वाटरशेड और वाडी के विकास कार्यक्रमों के माध्यम से विभिन्न विकासात्मक पहले करता आ रहा है।

महिलाओं के साथ हो रहे अपराधों के विरुद्ध न्याय मांग रही अभाविप की न्याय-पदयात्रा

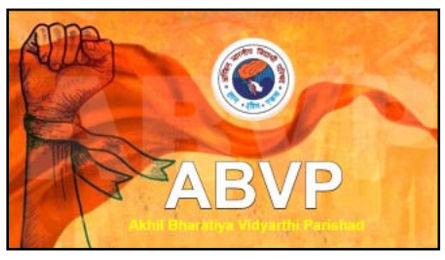

जयपुर (हिंस)। करौली से तीन अगस्त को शुरू हुई अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की न्याय पदयात्रा बुधवार को जयपुर में प्रवेश करेगी। इस न्याय पदयात्रा के माध्यम से अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने राजस्थान सरकार की महिलाओं की सुरक्षा करने में विफलता, पेपर लीक की लगातार घटनाओं व राज्य में फैले भ्रष्टाचार के विरुद्ध आम जनमानस को व्यापक स्तर पर जागरूक किया है। यात्रा में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री याज्ञवल्क्य शुक्ल, राष्ट्रीय मंत्री हुश्यार सिंह मीणा सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों के सैकड़ों युवा शामिल होकर राजस्थान में महिलाओं के लिए सुरक्षा की मांग की। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद शुरू से मांग कर रही है कि प्रदेश में युवाओं का भविष्य उज्ज्वल हो, इसलिए भ्रष्टाचार सहित विभिन्न समस्याओं का शीघ्र निराकरण होना चाहिए। न्याय पदयात्रा में शामिल हुए अभाविप के राष्ट्रीय महामंत्री याज्ञवल्क्य शुक्ल ने कहा कि प्रदेश में महिलाओं का भविष्य गहलोत सरकार की लापरवाहियों के कारण अंधकार में है। लचर कानून व्यवस्था के कारण प्रदेश में कहीं भी महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की न्याय पदयात्रा को लगातार छात्रों व युवाओं के साथ आम जनमानस का समर्थन प्राप्त हो रहा है। अभाविप छात्रों व युवाओं के लिए राजस्थान में बेहतर भविष्य की गारंटी मिलने तथा महिलाओं के लिए भयमुक्त वातावरण सुनिश्चित होने तक अपना संघर्ष जारी रखेगी।

सावन की छठे सोमवार पर होगी भोलेनाथ की विशेष पूजा-अर्चना

जयपुर (हिंस)। श्रीराम-हनुमान मंदिर शिवजी पार्क किंग्स रोड पर सोमवार सेवा समिति एवं समस्त मित्रों की ओर से 14 अगस्त को सावन मास के छठे वन सोमवार की सेवा पूजा अर्चना व भव्य श्रृंगार किया जाएगा। सोमवार सेवा समिति मंडली के अध्यक्ष मुन्ना सामोदिया व प्रमुख सदस्य रामशरण ने बताया कि इस कार्यक्रम में सभी मित्र भगवान शिव शंकर को पंचामृत गन्ने का रस भाग व जल से अभिषेक कर पूजा-अर्चना करेंगे। इस मौके पर कई वर्षों से सेवा में लगे भक्त मुकेश बंसल सब्जी वाले एवं मित्रगणों की ओर से तरह-तरह के सूखे मेवों व फूलों से भोलेनाथ को सजाया जाएगा। इसके बाद मंडली परिवार भोलेनाथ के भजनों की अनेक प्रस्तुति, भजन कीर्तन कर प्रभु को रिझाएगी।

अपोलो प्रोटोन कैंसर सेंटर
चेन्नई
वरिष्ठ कंसलटेंट न्यूरो सर्ज
डॉ. अरविंद सुकुमारन, MCh Neuro (NIMHANS) FFENS, FPNs Felloship in Functionnal Epilepsy Neurosurg Fellowship in Paediatric Neurosurg (Univ, Of Calgeary, Canada)
गुवाहाटी में केवल परामर्श के लिए उपलब्ध होंगे
20 अगस्त, 2023 को
जो मरीज बेहोशी, सेइजर्स, ब्रेन ट्यूमर्स, सेरेब्रेल स्ट्रॉक, पीठ दर्द, गर्दन दर्द, सर्विकल औरलिंबर स्पॉनडीलीसिस फेसियल दर्द, स्टिफ बैक और अन्य न्यूरोलोजिकल समस्याओं से परेशान है वो अपना-अपना नाम रजिस्टर करा सकते हैं।
APOLLO HOSPITAL INFORMATION CENTER
Rajgarh Main Road, Opp-By Lane-10
Ph : 8404037649, 0361-3102669, 0361-3102166

अपोलो हॉस्पिटल्स चेन्नई
चेन्नई
कान, नाक, गला विशेषज्ञ
डॉ. आर बालाजी, MS (ENT)
गुवाहाटी में केवल परामर्श के लिए उपलब्ध होंगे
20 अगस्त, 2023 को
जो मरीज श्रवण (सुनने की) समस्याय, पैच इन ओरल कैविटी, नन-हीलिंग ओरल अल्सर, निगलने में कठिनाइ, आवाज की हार्सेनेस / आवाज में परिवर्तन गर्दन फूलना, नैसल ब्लीडिंग गला दर्द इत्यादि से संबंधित परेशानी है तो अपना-अपना नाम रजिस्टर करा सकते हैं।
APOLLO HOSPITAL INFORMATION CENTER
Rajgarh Main Road, Opp-By Lane-10
Ph : 8404037649, 0361-3102669, 0361-3102166

पृष्ठ एक का शेष

पूर्वोत्तर के एकजुट ...

बुराइयों को खत्म करने के लिए काम नहीं किया। उसने कभी भी देश की आर्थिक आजादी के लिए काम नहीं किया। उसने केवल वंशवादी राजनीति का प्रचार किया। असम के मुख्यमंत्री ने कहा कि यह स्वतंत्रता आंदोलन की विरासत से दूर चला गया। जैसा कि हम आज भारत छोड़ो आंदोलन की शुरुआत का जश्न मना रहे हैं, आइए हम खुद को वंशवादी राजनीति, औपनिवेशिक विरासत, भ्रष्टाचार और ऐसी बुराइयों से मुक्त करें।

मणिपुर हिंसा में ...

मिलिट्री शासन हुआ। इसके बाद वहां कुकी समुदाय पर शिकंजा कसा जाने लगा। फिर वहां से भारी संख्या में मिजोरम और मणिपुर में कुकी आदिवासी लोग आने लगे। वे जंगल में बसने लगे। इसके बाद मणिपुर के बाकी हिस्सों में असुरक्षा की भावना ने जन्म लिया। इसके बाद हमने इसे समझा और बॉर्डर को बंद करने का काम किया। हमने किलोमीटर बॉर्डर की फेंसिंग कर दी है। 600 किलोमीटर का सर्वे जारी है। यह काम कांग्रेस ने कभी नहीं किया। हमने किया। हमने बाहर से लोगों की पहचान काम किया। मैं बताना चाहता हूं कि 2022 में बॉर्डर की फेंसिंग शुरू की थी। इसके बाद हमने जनवरी 2023 से लोगों के थंब इंप्रेशन लेना शुरू किया। इसके बाद जहां कुकी लोग रह रहे थे, उसे अस्थायी जंगल गांव घोषित किया गया। इससे पहले से व्याप्त असुरक्षा की भावना और बढ़ गई। इसमें घी का काम किया हाईकोर्ट के फैसले ने। इसमें कहा गया कि मैतेई को ट्राइबल घोषित कर दिया जाए। महिलाओं से बर्बरता के वायरल वीडियो पर अमित शाह ने कहा कि मणिपुर वायरल वीडियो इस संसद सत्र के शुरू होने से पहले क्यों आया? अगर किसी के पास यह वीडियो था, तो उन्हें इसे डीजीपी को देना चाहिए था और उसी दिन 4 मई को कार्रवाई की गई होती। हमें जिस दिन वीडियो मिला हमने उन सभी 9 लोगों की पहचान कर ली और उन्हें गिरफ्तार कर लिया। मैं वहां 3 दिन रहा और इस अवधि के दौरान हमने कई निर्णय लिए। राज्य में सामान्य स्थिति स्थापित करने के लिए क्षेत्र में अर्धसैनिक बल तैनात किया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर किसी के पास वीडियो था तो उसे पुलिस तंत्र को या संसद को देना चाहिए था। इसे सार्वजनिक करने की क्या जरूरत थी? महिलाओं के सम्मान की चिंता करनी चाहिए। चार तारीख की घटना का वीडियो था, अगर उसे सार्वजनिक करने की जगह डीजीपी तक पहुंचाया जाता तो पांच को ही कार्रवाई हो जाती। अमित शाह ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि उनका मणिपुर जाना अच्छा था। सभी की संवेदनाएं थीं, लेकिन उनका दौरा पूरी तरह से राजनीतिक था। मणिपुर हिंसा अब नियंत्रण में है, लेकिन लोगों को आग में घी नहीं डालना चाहिए। राहुल गांधी की यात्रा के दौरान उन्होंने सड़क मार्ग से चुराचांदपुर जाने पर जोर दिया, जबकि हमने उनके लिए हेलीकॉप्टर की व्यवस्था की थी। देश ने सारा ड्रामा टीवी पर देखा। अगले दिन वह हेलीकॉप्टर का उपयोग करने गए, लेकिन वह पहले ऐसा नहीं कर सके, क्योंकि वह अपना विरोध प्रदर्शित करना चाहते थे। संकट के समय इस तरह की राजनीति नहीं की जानी चाहिए। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मणिपुर में हिंसा के कारणों और राज्य में स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों पर विस्तृत प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि मैं मैतेई और कुकी दोनों समुदायों से बातचीत में शामिल होने की अपील करता हूं, हिंसा किसी भी समस्या का समाधान नहीं है। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि हम राज्य में शांति लाएंगे। इस मुद्दे पर राजनीति नहीं की जानी चाहिए।

मुकरोह हिंसा : गवाह-दस्तावेज ...

गवाहों को पेश करने का अनुरोध किया था। उन्होंने कहा कि पश्चिम खासी जयंतिया हिल्स जिले के उपायुक्त को गवाहों को आयोग के समक्ष पेश होने के लिए नोटिस देने का भी निर्देश दिया गया था, लेकिन इस बारे में कोई जानकारी नहीं है कि आदेशों का पालन किया गया या नहीं। पिछले साल 22 नवंबर को विवादित सीमा पर हुई झड़प में मुकरोह के पांच लोगों और असम के एक वन रक्षक की मौत हो गई थी, जब पड़ोसी राज्य के वन कर्मियों ने कथित तौर पर अवैध रूप से काटी गई लकड़ी ले जाने वाले एक ट्रक को रोका था। मुकरोह गांव उन कई गांवों में से एक है जिस पर दोनों राज्यों के द्वारा दावा किया जाता है। असम और मेघालय ने पिछले साल मार्च में दिल्ली में एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए थे ताकि दोनों राज्यों के बीच मतभेद के छह क्षेत्रों में अंतरराज्यीय विवादों को औपचारिक रूप से हल किया जा सके। मतभेदों के शेष छह क्षेत्रों के लिए बातचीत चल रही है, जिसमें पश्चिम खासी हिल्स जिले में लांगपीह और मुकरोह भी शामिल हैं।

मोदी ने सड़कें बदल...

गुवाहाटी में भाजपा के संगठनात्मक कार्यक्रम में शामिल होते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा ही एकमात्र पार्टी है जिसने पूर्वोत्तर भारत को सामूहिक मान्यता दी। पूर्वोत्तर भारत के आठ राज्यों में लोकसभा की 25 सीटें हैं। भारत में ऐसे कई राज्य हैं जहां 20 से 30 सीटें हैं। उन्होंने कहा कि मैं जब भी पूर्वोत्तर सांसदों से मिलता हूं तो कहता हूं कि दो में से एक सीट के बारे में मत सोचिए। सोचिए हम 25 सांसद हैं और फिर हमारी आवाज सुनी जाएगी और हम भारतीय राजनीति को सकारात्मक रूप से प्रभावित करेंगे। शर्मा ने कहा कि कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे अक्सर कहते हैं कि भाजपा जहां है, वह केवल पूर्वोत्तर भारत के छोटे राज्यों में है। ये नेता हमें हमेशा छोटा महसूस कराने का प्रयास करते रहते हैं। भाजपा के पास पूर्वोत्तर भारत के लिए एक दृष्टिकोण है। जब प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं कि वह राजधानी ट्रेन को पूर्वोत्तर भारत तक ले जाना चाहते हैं तो उनका मतलब केवल गुवाहाटी से नहीं, बल्कि क्षेत्र के आठ राज्यों से है।

साइबर अटैक से ...

मंत्रालय का कहना है कि ओपन-सोर्स उबंटू पर आधारित माया ओएस साइबर खतरों से बचाकर इंटरफेस पेश करता है। रक्षा मंत्रालय को अपने सभी कम्प्यूटरों पर माइक्रोसॉफ्ट के विंडोज की जगह स्वदेशी रूप से विकसित ऑपरेटिंग सिस्टम माया ओएस स्थापित करने से साइबर हमलों से बचने की उम्मीद है। इस ऑपरेटिंग सिस्टम को जल्द ही सशस्त्र बलों के कम्प्यूटरों में भी अपनाया जाएगा। इस साल के अंत तक रक्षा मंत्रालय के सभी कम्प्यूटरों में माया ओएस स्थापित होने की उम्मीद है। ओपन-सोर्स उबंटू प्लेटफॉर्म पर आधारित इस विंडोज का लक्ष्य माइक्रोसॉफ्ट विंडोज के समान इंटरफेस और कार्यक्षमता प्रदान करके साइबर खतरों के खिलाफ एक मजबूत सुरक्षा प्रदान करना है। जानकारों ने बताया कि माया ओएस चक्रव्यूह नामक एक फीचर के साथ आता है, जो एक एंड-पॉइंट एंटी-मैलवेयर और एंटीवायरस सॉफ्टवेयर है, जो हैकर्स को संवेदनशील डेटा तक पहुंचने से रोकता है। उबंटू एक लोकप्रिय ऑपरेटिंग सिस्टम है, जो कंप्यूटर, सर्वर और अन्य उपकरणों पर चलता है। उबंटू को उपयोग में आसान, सुरक्षित और अनुकूलन योग्य बनाया गया है। उपयोगकर्ता उबंटू सॉफ्टवेयर सेंटर से हजारों अन्य एप्लिकेशन भी डाउनलोड कर सकते हैं। उबंटू को नई सुविधाओं और सुरक्षा सुधारों के साथ नियमित रूप से अपडेट किया जाता है। उपयोगकर्ता उबंटू को इसकी आधिकारिक वेबसाइट से मुफ्त में डाउनलोड कर सकते हैं। रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि माया ओएस न केवल उसकी साइबर सुरक्षा में सुधार करेगा, बल्कि विदेशी सॉफ्टवेयर पर उसकी निर्भरता को भी कम करके स्वदेशी नवाचार को बढ़ावा देगा। रक्षा मंत्रालय ने यह भी कहा है कि माया ओएस को जल्द ही भारतीय सशस्त्र बलों की अन्य शाखाओं, जैसे सेना, नौसेना और वायु सेना में भी अपनाया जाएगा, क्योंकि उन्होंने पहले ही ओएस की जांच और मूल्यांकन कर लिया है।

मणिपुरवाली अशांति मिजोरम...

वे मणिपुर की स्थिति के लिए दोनों सरकारों (केंद्र और राज्य) को दोषी ठहरा रहे हैं। ललन सिंह ने इस मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पी पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि मणिपुर जल रहा है और एक भी शब्द नहीं बोला गया है। इतनी बड़ी घटना हुई और पीएम ने एक भी शब्द नहीं बोला। उन्होंने आगे कहा कि आप देश की अन्य घटनाओं से तुलना करके मणिपुर को उचित ठहरा रहे हैं। क्या यह प्रधानमंत्री की जिम्मेदारी नहीं है कि वह इस मामले पर कुछ कहें? जदयू नेता ने हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक में चुनावी हार को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर भी तंज किया। ललन सिंह ने कहा कि अमित शाह ने कहा था कि वे हिमाचल प्रदेश जीतेंगे, लेकिन उनकी भविष्यवाणी विफल रही। इसी तरह, वे कर्नाटक भी हार गए और इसी तरह वे 2024 का चुनाव भी हार जाएंगे।

पीएम को बम...

धमकी दी है। यह ई-मेल मिलने के बाद पुणे शहर पुलिस बल के नियंत्रण कक्ष को इस बारे में सूचित किया गया है। पुणे के अलंकार पुलिस थाने में इस बारे में मामला दर्ज किया गया है। पुणे में पिछले कुछ दिनों से आतंकी गतिविधियों में तेजी आई है। शहर में छिपे कुछ आतंकी गिरफ्तार हुए हैं। एनआईए और आयबी जैसी एजेंसियां इस मामले की जांच कर रही हैं। ऐसे में इस धमकी के ई-मेल को लेकर पुलिस हरकत में आई है।

ज्ञानवापी से मीडिया...

में किसी का हस्तक्षेप नही हो रहा है। एएसआई की टीम अपना काम बखूबी कर रही है। उधर, प्रतिवादी मुस्लिम पक्ष ने बीते मंगलवार को जिला जज की अदालत में आपत्ति दाखिल कर मीडिया रिपोर्टिंग पर रोक लगाने की मांग की थी। प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया कि ज्ञानवापी के सर्वे को लेकर तरह तरह की रिपोर्ट छप रही है। इससे अफवाह फैल रहा है। माहौल भी खराब होने की आशंका है। इस मामले में बुधवार को जिला जज ने सुनवाई की और निर्देश दिया कि मीडिया को ज्ञानवापी से दूर रखा जाय। परिसर में अंदर क्या मिला, क्या नहीं मिला, इस पर मीडिया में कुछ भी नहीं छपना चाहिए। सर्वे वाले स्पॉट पर जाकर किसी प्रकार की रिपोर्टिंग नहीं होगी। जिला जज के निर्देश के बाद जिला प्रशासन ने भी सर्वे की गोपनीयता के लिए सख्त कदम उठाना शुरू कर दिया है। पुलिस कमिश्नर मुथा अशोक जैन, वाराणसी परिक्षेत्र के कमिश्नर कौशल राज शर्मा, जिलाधिकारी एस राजलिंगम ने हिन्दू और मुस्लिम पक्ष के लोगों के साथ अलग-अलग बैठक की । अफसरों ने दोनों पक्षों से सहयोग और मीडिया में बयानबाजी न करने की अपील की। अफसरों ने कहा कि अफवाहों पर रोक लगाए और सोशल मीडिया पर सोच-समझकर बयान देने की भी अपील की।

आयुष्मान योजना में ...

योजना के तहत 2103 लाभार्थी ऐसे थे, जिनकी मौत हो चुकी थी, लेकिन तब भी उन्हें योजना का फायदा मिल रहा था। छत्तीसगढ़, हरियाणा, झारखंड, केरल और मध्य प्रदेश ऐसे राज्ये थे, जहां इस तरह के सबसे ज्यादा केस रिपोर्ट किए गए हैं। ऑडिट में सबसे बड़ी खामी ये उजागर हुई है कि इस योजना के तहत ऐसे मरीज इलाज करा रहे हैं जिन रोगियों को पहले मर गया दिखाया गया था। लेकिन मरने के बाद भी वे इलाज कराते रहे। ज़रूर में मृत्यु के मामलों के डेटा का विश्लेषण करने से पता चला कि आयुष्मान भारत योजना के तहत उपचार के दौरान 88,760 रोगियों की मृत्यु हो गई। इन रोगियों के संबंध में नए इलाज से संबंधित कुल 2,14,923 दावों को सिस्टम में भुगतान के रूप में दिखाया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि उपरोक्त दावों में शामिल करीब 3,903 मामलों क्लेम की राशि का भुगतान अस्पतालों को किया गया। इनमें 3,446 मरीजों से संबंधित पेमेंट 6.97 करोड़ रुपए का था। मरे हुए व्यक्तियों के इलाज का दावे करने के सबसे ज्यादा मामले देश के पांच राज्यों में देखने को मिले हैं। इनमें छत्तीसगढ़, हरियाणा, झारखंड, केरल और मध्य प्रदेश शामिल हैं। कैग रिपोर्ट में कहा गया है कि इस तरह के दावों का सफल भुगतान राज्य स्वास्थ्य एजेंसियों की ओर से अपेक्षित जांचों को सत्यापित किए बिना किया जाना बड़ी चूक की तरफ इशारा करता है। ऑडिट में डेटा एनालाइज करते हुए ये भी पता चला कि इस योजना के एक ही लाभार्थी को एक ही समय में कई अस्पतालों में भर्ती किया गया। जुलाई 2020 में राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण ने भी इस मुद्दे को उजागर किया था। एनएचए ने कहा था कि ये मामले उन परिदृश्यों में सामने आते हैं जहां एक बच्चे का जन्म एक अस्पताल में होता है और मां की पीएमजेएवाई आईडी का उपयोग करके दूसरे अस्पताल में नवजात देखभाल के लिए ट्रांसफर कर दिया जाता है। लेकिन कैग की जांच में सामने आया है कि डेटाबेस में 48,387 मरीजों के 78,396 दावे पाए गए, जिसमें पहले के इलाज के लिए इन मरीजों की छुट्टी की तारीख, उसी मरीज के दूसरे इलाज के लिए अस्पताल में एंट्री की तारीख के बाद की थी। ऐसे मरीजों में 23,670 पुरुष मरीज शामिल हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आयुष्मान भारत योजना को 23 सितंबर, 2018 को झारखंड की राजधानी रांची में लॉन्च किया। आयुष्मान भारत योजना दुनिया में सबसे बड़ी हेल्थ स्कीम है। इसका मकसद हर परिवार को 5 लाख रुपए का हेल्थ कवर मुहैया कराना है। इस योजना के तहत 12 करोड़ गरीब परिवार आते हैं, जिनकी आबादी लगभग 55 करोड़ है। आयुष्मान योजना इस तरह से देश की आबादी का 40 फीसदी कवर करती है।

फ्रांस में दिव्यांगों ...

वह घटनास्थल की ओर रवाना हो रही हैं। हौट-राइन क्षेत्र के स्थानीय प्रशासन ने कहा कि विंटजेनहेम शहर में दिव्यांगजनों के अवकाश गृह में सुबह करीब साढ़े छह बजे आग लग गई, जिसके बाद 17 लोगों को निकाला गया, जिनमें गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति को अस्पताल में भर्ती कराया गया। फ्रांस के अग्निशमन विभाग ने दमकल की चार गाड़ियों के साथ 76 कर्मियों को तैनात किया गया, जिन्होंने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने इस घटना को लेकर ट्वीट किया कि इस हादसे के मद्देनजर मेरी संवेदनाएं मृतकों, घायलों और उनके परिवारों के साथ हैं। हमारे सुरक्षा बलों और आपातकालीन सेवाओं को धन्यवाद।

स्वर्वेद भाष्य

पंचम मंडल **द्वितीय अध्याय**

(मन)

धर्म कर्म संसार में, सो सब मन कर रूप।
जन्म मरण दुख सुख सभी, जीव परे भवकूप॥ 25॥

शब्दार्थ : (भवकूप) संसार आवागमन का प्रवाह।

भाष्य : संसार में जितने धर्म-कर्म हैं, वे सभी मन के स्वरूप हैं। इनके द्वारा ही जीव भवसागर में गिरकर जन्म-मरण एवं समस्त दु:ख-सुख को प्राप्त करना है।

माया जग स्थूल है, सो सब बाहर देख।
सुक्षम माया मनहिं है, अन्तर घट में पेख॥ 26॥

शब्दार्थ : (स्थूल) माया (पेख) देखना (घट) शरीर।

भाष्य : जो बाहर देख रहे हैं, वह सब संसार स्थूल माया है। सूक्ष्म माया मन है, उसे अपने शरीर के अंदर देखें।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को 25 वर्ष सश्रम कारावास की सजा

20 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया

कोकराझाड़ (हिंस)। कोकराझाड़ जिले के गोसाईगांव अनुमंडल के दामरापाड़ा निवासी नारायण दे (42) को कोकराझाड़ जिले की विशेष अदालत ने बुधवार को 25 साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई और 20 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया। इसके अलावा जुर्माने की रकम का भुगतान नहीं करने की स्थिति में सजा एक साल की अतिरिक्त सुनाई गई है। यह सजा न्यायमूर्ति जे कोचर की अदालत ने सुनाई है। पीड़िता की ओर से अदालत में बहस करने वाले वकील मंजीत घोष ने कहा कि आरोपी नारायण दे ने 2019 में अपनी पत्नी की नाबालिग भतीजी को काम करनेवाली के रूप में अपने घर पर रखा था। लेकिन, आरोपी ने नाबालिग लड़की के साथ अवैध संबंध बनाए और परिणामस्वरूप नाबालिग लड़की गर्भवती हो गई। फिर नाबालिग ने एक बच्चे को जन्म दिया। घटना के बाद परिवार ने गोसाईगांव पुलिस स्टेशन में एक प्राथमिकी दर्ज कराई और गोसाईगांव पुलिस स्टेशन में एक मामला (संख्या 118/19) दर्ज किया गया। लंबे समय के बाद आज न्यायाधीश जे कोचर की विशेष अदालत ने आरोपी कारोबारी नारायण दे को पॉक्सो कानून की धारा छह के तहत 25 वर्ष कैद तथा 20 हजार रुपए का जुर्माना लगाया। कोर्ट के इस फैसले से पीड़िता के परिवार वालों ने संतोष व्यक्त की है।

घूस लेते सरकारी कर्मचारी रंगेहाथ गिरफ्तार

बंगाईगांव (हिंस)। भ्रष्टाचार निरोधक शाखा ने बंगाईगांव जिले के बरजान हाई स्कूल के उच्च श्रेणी कर्मचारी आबादत अली अहमद को 1,600 रुपए की रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है। घटना के अनुसार, आबादत अली अहमद ने एनपीएस खाते को स्थानांतरित करने की प्रक्रिया के लिए शिकायतकर्ता एक शिक्षक से 1700 रुपए की मांग की थी। शिकायतकर्ता ने रिश्वत देने से इनकार करने पर रिश्वत को घटाकर 1600 रुपए कर दिया। इसके बाद पीड़ति ने रिश्वत मांगने वाले आबादत अली अहमद के खिलाफ कानूनी कार्रवाई के लिए निदेशालय का दरवाजा खटखटाया। भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय की एक टीम ने बुधवार को शहर के जीएस रोड स्थित मां काली होटल में शिकायतकर्ता को 16 सौ रुपए देने पर सहमति जताई। बुधवार को बंगाईगांव जिले के अभयापुरी शहर में उसे रंगे हाथों पकड़ लिया गया। इस संबंध में एसीबी थाने में केस दर्ज किया गया है।

मुख्यमंत्री से मिले सिद्धगुरु श्री सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षि गुरुदेव

राज्य में शांति व प्रगति पर हुआ विचार विमर्श

गुवाहाटी (विभास)। तिरुपति स्थित श्री ब्रह्मर्षि आश्रम से पधारे सिद्धगुरु श्री सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षि गुरुदेव ने मंगलवार की शाम मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा से मुलाकात की। मुख्यमंत्री आवास पर हुई विशेष मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री व गुरुदेव के बीच अहिंसा, विश्व शांति स्थापित करने के अलावा राज्य की प्रगति सहित धार्मिक व आध्यात्मिक आदि विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। मुख्यमंत्री ने सिद्धगुरु श्री सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षि गुरुदेव से आशिर्वाद लिया एवं तिरुपति स्थित आश्रम आकर दर्शन करने की ईच्छा जाहिर की। मुख्यमंत्री से मुलाकात के दौरान गुरुदेव के साथ गुवाहाटी में संपन्न हुए अमृत महोत्सव आयोजन समिति के पदाधिकारी भी मौजूद थे।

डीजीपी ने की 5 पुलिस अधीक्षकों के साथ विशेष बैठक

तिनसुकिया (हिंस)। तिनसुकिया में आज असम के पुलिस महानिदेशक जीपी सिंह की एक विशेष बैठक आज आयोजित हुई। बैठक में ऊपरी असम के पांच जिला पुलिस अधीक्षकों ने भाग लिया। बताया जाता है कि ऊपरी असम के पांच जिला पुलिस अधीक्षकों के साथ इस बैठक में स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों पर चर्चा की गई। स्वतंत्रता दिवस के साथ ही डीजीपी ने जिला पुलिस अधीक्षकों से कानून व्यवस्था के साथ-साथ उग्रवादी गतिविधियों पर भी चर्चा की। असम पुलिस यह सुनिश्चित करने के लिए विशेष उपाय करेगी कि कोई शरारती तत्व उस दिन कोई शरारत न कर सके।

कार्बी आंग्लांग में ड्रग्स के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

कार्बी आंग्लांग (हिंस)। कार्बी आंग्लांग जिले के एएसपी (एस) के नेतृत्व में एक ड्रग्स विरोधी चलाए गए एक अभियान में पुलिस टीम एक कार से 566 ग्राम हेरोइन बरामद की। इस दौरान दो तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आज बताया कि हेरोइन के साथ कार को भी पुलिस ने जब्त कर लिया है। इस सिलसिले गिरफ्तार किए गए तस्करों की सही पहचान अब तक नहीं हो सकी है। गिरफ्तार तस्करों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले में आगे के कार्रवाई कर रही है।

पूसी रेलवे ने विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया

गुवाहाटी (हिंस)। पूसी रेलवे में विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया गया। इस अवसर पर आज रंगिया रेलवे स्टेशन पर स्तनपान कियोस्क का उद्घाटन किया गया। इस कियोस्क की स्थापना रोटरी क्लब ऑफ गुवाहाटी आइकॉन्स द्वारा पूर्वोत्तर सीमा रेल के सक्रिय सहयोग से की गई। पिछले वर्ष इसी अवसर पर गुवाहाटी रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर एक पर ऐसा ही एक स्तनपान कियोस्क खोला गया था। इस स्तनपान कियोस्क से शिशुवती महिला रेल यात्रियों को काफी लाभ होगा। यह मां को सुरक्षित वातावरण और गोपनीयता में अपने शिशु को ठीक से स्तनपान कराने की भी सुविधा प्रदान करेगा। इसके अलावा, खूबसूरती से डिजाइन किए गए इस कियोस्क में सार्वजनिक जागरूकता के लिए स्तनपान के महत्व और इसके लाभों पर संदेश का भी उल्लेख है। पूसी रेलवे केंद्रीय अस्पताल मालीगांव में विश्व स्तनपान सप्ताह से संबंधित एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। वरिष्ठ चिकित्सकों द्वारा स्तनपान के महत्व और लाभों पर चर्चा की गई। नौकरी-पेशा से जुड़े अभिभावकों को स्तनपान के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए नर्सिंग छात्रों द्वारा एक नाटक का मंचन किया गया।

शिक्षा के क्षेत्र में आमूलचूल परिवर्तन लाने के लिए तत्पर विद्या भारती : दुसी रामकृष्ण राव

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के अध्यक्ष दुसी रामकृष्ण राव दो दिवसीय असम प्रवास के अंतर्गत विभिन्न महत्वपूर्ण बैठकों में सम्मिलित हुए। शिशु शिक्षा समिति द्वारा संचालित शंकरदेव शिशु विद्या निकेतनों के जिला केंद्र में स्थित विद्यालयों के प्रधानाचार्य एवं सचिवों की बैठक असम प्रकाशन भारती गुवाहाटी में आयोजित हुई। बैठक में जिला केंद्र विद्यालयों की गुणवत्ता वृद्धि, प्रभावी शिशु वाटिका, संस्कार केंद्र, मानकीकरण, आदि विषयों के संबंध में चर्चा हुई। इसके साथ ही विद्या भारती उत्तर असम प्रांत के पूर्णकालिक कार्यकर्ता एवं विद्वत परिषद की बैठक में भी राष्ट्रीय अध्यक्ष रामकृष्ण राव सम्मिलित हुए। उन्होंने कहा विद्या भारती छात्रों को शारीरिक दृष्टि से सबल, मानसिक दृष्टि से सद्विचारी एवं सदाचारी, बौद्धिक दृष्टि से सत्यान्वेशी, प्राणिक दृष्टि से संतुलित तथा आध्यात्मिक दृष्टि से सेवाभावी बनाने का कार्य कर रही है। विषय प्रमुखों की बैठक में उपस्थित रहते हुए उन्होंने मार्गदर्शन प्रदान करते हुए बताया विद्या भारती समाज को साथ लेकर विद्यालयों के द्वारा सामाजिक गतिविधियों के माध्यम से समाज में परिवर्तन लाने का कार्य कर रही है। शिशु शिक्षा समिति असम की कार्यकारिणी बैठक को भी उन्होंने संबोधित किया। विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के संगठन मंत्री डॉ. पवन तिवारी, क्षेत्र मंत्री डॉ. जगदीन्द्र रॉयचौधुरी एवं शिशु शिक्षा समिति असम के साधारण संपादक कुलेंद्र कुमार भगवती विभिन्न बैठकों में सम्मिलित रहे।

गुवाहाटी में पुलिस मुठभेड़ में नामी चोर घायल

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी शहर में पुलिस गोलीबारी की घटना फिर से हुई है। राजधानी के नारंगी इलाके में पुलिस द्वारा फिर से एक चोर पर फायरिंग किये जाने की जानकारी प्राप्त हुई है। पुलिस की गोलीबारी में आमीर अली नाम का एक नामी चोर घायल हो गया। घायल चोर आमीर को गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल (जीएमसीएच) में भर्ती कराया जा चुका है। ज्ञात हो कि मंगलवार की आधी रात को नारंगी में हुई इस फायरिंग के बाद अब अहम जानकारी सामने आई है। आमीर अली दो दिन पहले अजंता रोड पर हुई चोरी में शामिल था। चोरी की सारी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी। उस सीसीटीवी के कैमरे की फुटेज के आधार पर आमीर अली को पुलिस ने पकड़ कर दिसपुर पुलिस ने पूछताछ की। आमीर अली ने दिसपुर पुलिस के सामने कबूल किया कि उसने चोरी की थी। चिंटू मेधी नामक एक और चोर चोरी में उसके साथ शामिल था। गौरतलब है कि ये दोनों चोर कथित तौर पर आमीर अली और इस चिंटू मेधी पुरबी डायरी के मैनेजर रंजीत बोरा की हत्या में भी शामिल थे।

ड्रग्स समेत सड़क सुरक्षा और साइबर अपराध पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

रंगिया (विभास)। रंगिया थाना के सौजन्य से रंगिया महाविद्यालय के सभागार में बुधवार को महकमे के विभिन्न शिक्षण संस्थानों के छात्रों के बीच ड्रग्स दुरुपयोग, सड़क सुरक्षा और साइबर अपराध पर एक विशेष जागरूकता बैठक का आयोजन किया गया है। इस मौके पर विभिन्न शिक्षण संस्थानों के लगभग 300 छात्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम में रंगिया महकमा पुलिस अधिकारी सिजल अग्रवाल, रंगिया थाना प्रभारी भास्कर मल्ल पटवारी, रंगिया महाविद्यालय के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष, कामरूप जिला के इंफोर्समेंट अधिकारी, रंगिया महकमा की सहायक आयुक्त कृतांजली काश्यप सहित बहुत से अधिकारियों ने अपना बहुमूल्य भाषण दिया।

शहीद पत्रकार कमला सैकिया की पुण्यतिथि व भवेश सैकिया को दी गई श्रद्धांजलि

नगरबेड़ा (विभास)। आज दिसपुर प्रेस क्लब में असम की पहली शहीद पत्रकार कमला सैकिया की 32वीं पुण्यतिथि और दिवंगत आप्कू के संस्थापक अध्यक्ष भवेश सैकिया की एक स्मारक बैठक का आयोजन आप्कु के कामरूप जिला समिति और असम के पत्रकार संघ (जेएएफएफए) की कामरूप मेट्रोपॉलिटन जिला समिति के बीच एक संयुक्त उद्यम में किया गया था। इस अवसर पर सुबह 11 बजे असम के पत्रकार संघ के केंद्रीय अध्यक्ष शमीम सुल्ताना अहमद और असमिया प्रतिदिन पेपर के वरिष्ठ पत्रकार और असम विधानसभा की प्रेस रिपोर्टर्स कमेटी के अध्यक्ष भबेन दत्ता ने माल्यार्पण, दीप प्रज्ज्वलन और पुष्पांजलि के कार्यक्रम का उद्घाटन किया। जाफा की केंद्रीय समिति के महासचिव कुंजामोहन रॉय द्वारा आयोजित कार्यक्रम में कई प्रतिष्ठित पत्रकार और मीडियाकर्मी मौजूद थे और उन्होंने दोनों पत्रकारों को बड़ी श्रद्धा के साथ याद किया। आज के स्मरणोत्सव समारोह में असम पत्रकार संघ के केंद्रीय अध्यक्ष समीम सुल्ताना अहमद ने अपने संबोधन में शहीद पत्रकार कमला सैकिया और दिवंगत पत्रकार भवेश सैकिया को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए पत्रकारों की एकता पर विशेष बल दिया। उन्होंने सभी पत्रकारों से पत्रकारों की सुरक्षा और हित में एकजुट होने का आग्रह किया। असमिया अखबार के कार्यकारी संपादक विश्वजीत दास ने लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पत्रकारों और समाचार पत्रों की आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के महत्व पर जोर दिया। इस अवसर पर आप्कु की केंद्रीय समिति के कार्यवाहक अध्यक्ष मौसम ज्योति बैश्य ने कहा कि मारे गए पत्रकारों के परिजन दुर्भाग्य से, अभी तक न्याय नहीं हुआ है। इसलिए राज्य सरकार को पत्रकारों की हत्या के मामले में विभिन्न थानों में दर्ज मामलों की फिर से जांच करानी चाहिए और दोषियों को अनुकरणीय सजा देनी चाहिए। इस अवसर पर ऑल असम फोटो जर्नलिस्ट एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष धनीराम कलिता, जफा की केंद्रीय समिति के कार्यकारी अध्यक्ष पंकज डेका और आप्कु के कामरूप जिला समिति के अध्यक्ष हाछानुल अहमद और सचिव निरेन चंद्र माली उपस्थित थे।

पुलिस ने ध्वस्त की देसी शराब की भट्ठी

ग्वालपाड़ा (हिंस)। ग्वालपाड़ा जिले की आमगुड़ी पुलिस स्टेशन के तहत लखीपुर में अवैध शराब के खिलाफ आज जोरदार अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान लगभग 500 लीटर देसी शराब और अन्य उपकरणों के साथ कच्चा शराब बनाने वाली सामग्री को नष्ट किया गया। हालांकि, इस दौरान किसी को गिरफ्तार नहीं किया जा सका। पुलिस के पहुंचने से पहले ही अवैध शराब के कारोबारी लापता हो चुके थे। पुलिस उनकी तलाश में जुटी हुई है। फिलहाल राज्यभर में अवैध शराब भट्टियों को पुलिस द्वारा ध्वस्त कार्यक्रम जोरशोर से चलाया जा रहा है।

अज्ञात महिला का शव मिला

गुवाहाटी। एक अज्ञात महिला का शव गौहाटी मेडिकल कॉलेज अस्पताल को प्राप्त हुआ है। प्राप्त समाचार के अनुसार अज्ञात महिला का शव सात अगस्त को सुबह लगभग नौ सवा नौ बजे मिला। इसकी जानकारी भांगागढ़ ताने को दे दी गई है। शव को मुरदाघर में रखा गया है। अब तक कोई व्यक्ति शव की पहचान करने के लिए उपस्थित नहीं हुआ है।

सम्मेलन की महिला शाखा ने मांगलिक कार्यक्रम से अपने कार्यकाल की शुरुआत की

गुवाहाटी। मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी महिला शाखा की नव निर्वाचित कार्यकारणी ने अपने कार्यकाल की शुरुआत मांगलिक कार्यक्रम शिव श्याम उत्सव से छत्रीबाडी स्थित श्याम मंदिर में की। इस अवसर पर भजनों का कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। नव निर्वाचित अध्यक्ष संतोष शर्मा ने गणेश भजन की प्रस्तुति देकर कार्यक्रम की शुरुआत की। इस अवसर पर अध्यक्ष संतोष शर्मा ने बताया कि नव निर्वाचित कार्यकारिणी ने अपने कार्यकाल की शुरुआत आज भगवान शिव और श्याम बाबा से आशीर्वाद लेकर भजनों के माध्यम से की है। जिसमें 70 से भी अधिक सदस्योंओ ने बड़े उत्साह से भाग लिया है। महिलाओं के उत्साह को देखते हुए यह लगता है कि आगामी सभी कार्यक्रम अपनी सफलता की पायदान को छू लेंगे और इस महिला शाखा को पूर्वोत्तर की सर्वश्रेष्ठ शाखा के पायदान पर स्थापित करेंगे। कार्यक्रम में सरोज मित्तल, मीनाक्षी बुच्चा,संगीत पोद्दार और शोभना लड्ढा ने भी भजन प्रस्तुत किया। शाखा अध्यक्ष व लोक गायिका संतोष शर्मा द्वारा प्रस्तुत धमाल भजन में सभी सदस्याए झूमती हुई नजर आ रही थी। सरोज मित्तल द्वारा प्रायोजित 56 भोग का प्रसाद भी श्याम बाबा को चढ़ाया गया। कार्यक्रम के दौरान श्याम मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित गोपाल शर्मा की धर्मपत्नी कुंज लता शर्मा को बंदना सोमानी ने फुलाम गमछा पहना कर सम्मानित किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में कई सदस्योंओ ने अपना सहयोग दिया। यह जानकारी शाखा जनसंपर्क सचिव संतोष काबरा ने एक प्रेस विज्ञप्ति के द्वारा दी।

विधायक रविराम नार्जारी ने मॉडल आंगनाबाड़ी केंद्र का किया उद्घाटन

कोकराझाड़ (विभास)। कोकराझाड़ जिले के फकीराग्राम थाना अंतर्गत दुरामारी रहमतुला मुंसी प्राथमिक विद्यालय में आज मॉडल आंगनाबाड़ी केंद्र का उद्घाटन गिया गया। मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र का उद्घाटन 29 नंबर कोकराझाड़ के विधायक रविराम नार्जारी ने किया। पचीस लाख रुपए की लागत से बने इस मॉडल आगनाबाड़ी केंद्र के उद्घाटन के बाद एक सभा का आयोजन गिया गया। सभा की अध्यक्षता पूर्व शिक्षक अब्दुल खालेक ने की। इस सभा में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक रबिराम नार्जारी के अलावा सीडीपीओ गीतांजलि इस्लारी, बीपीएफ के केंद्रीय समिति के सांगठनक सचिव राजुल करीम, फकीराग्राम ब्लॉक के सचिव फुल्केश्वर राय, बीपीएफ के माईनोटरी सेल के फकीराग्राम ब्लॉक सचिव अतहर अली खान सहित दुरामारी रहमतुला मुंसी प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक हाफिजूर रहमान उपस्थित थे। इस दौरान उपस्थित सभी अतिथियों को फुलाम गामोछा से स्वागत किया गया। सभा में उपस्थित सभी अतिथियों ने अपना अपना भाषण रखे। अंत में एक साक्षत्कार के दौरान विधायक रबिराम नार्जारी ने कहा कि बहुत ही बढ़िया तरह से इस मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र का निर्माण किया गया है। साथ ही एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि आगामी होने वाले लोकसभा चुनाव में बीपीएफ एकेले ही चुनाव लड़ेगा। उन्होंने कहा कि किसी भी दल के साथ गठबंधन नहीं करेंगे और बीटीएडी के दोनों लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने का निर्णय लिया गया है।

'भारत छोड़ो' का आह्वान आज अमृत काल में और भी अधिक प्रासंगिक है : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली, (हि.स.)। उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने बुधवार को ऐतिहासिक भारत छोड़ो आंदोलन की 81वीं वर्षगांठ पर स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। राज्यसभा में अपने बयान में सभापति ने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि भारत छोड़ो का आह्वान आज हमारे अमृत काल में और भी अधिक प्रासंगिक है, क्योंकि यह आंदोलन इस बात का प्रतीक है कि लोग क्या हासिल करने में सक्षम हैं, अगर वे दृढ़ संकल्प और समर्पण के साथ एक उद्देश्य के लिए मिलकर काम करते हैं। महात्मा गांधी के करो या मरो के आह्वान पर विचार करते हुए धनखड़ ने इस बात पर प्रकाश डाला कि इसने जनता में एक नई ऊर्जा का संचार किया, जिस–ाकी परिणिति हमारे देश को औपनिवेशिक शासन के जुए से आजादी हासिल करने में हुई। उन्होंने संप्रभुता, अखंडता को बनाए रखने और भारत की सेवा के लिए खुद को फिर से समर्पित करने की हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करने का आह्वान किया। धनखड़ ने इसे संसद सदस्यों के लिए आत्मनिरीक्षण करने और अपने नैतिक योगदान पर विचार करने का अवसर बताते हुए उनसे राष्ट्र की सेवा में अधिक जोश के साथ फिर से समर्पित होने, बड़े पैमाने पर लोगों की आकांक्ष–ाओं को साकार करने और गौरव का स्थान स–ुरक्षित करने के लिए कहा। अपने बयान में, राज्यसभा के सभापति ने स्वतंत्रता के बाद गरीबी उन्मूलन, साक्षरता को बढ़ावा देने, भेदभाव को खत्म करने और सामाजिक समावेश को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किए गए प्रयासों का भी उल्लेख किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि देश इन क्षेत्रों में हासिल की गई वृद्धिशील प्रगति पर गर्व करता है, क्योंकि हम 2047 में अपने शताब्दी समारोह की ओर बढ़ रहे हैं। राज्यसभा के सभी सदस्यों ने हमारी आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों के सम्मान में सदन में मौन रखा।

केजरीवाल ने कांग्रेस नेताओं को पत्र लिखकर विधेयक पर समर्थन के लिए दिया धन्यवाद

- विधेयक पर कांग्रेस के विरोध को दशकों तक याद रखा जाएगा : केजरीवाल

अजय त्यागी

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को पत्र लिखकर दिल्ली सेवा विधेयक को खारिज करने और इसके खिलाफ वोट करने में समर्थन देने के लिए धन्यवाद दिया है। कांग्रेस नेताओं को लिखे अपने पत्रों में, केजरीवाल ने कहा कि वह जीएनसीटीडी (संशोधन) विधेयक, 2023 को अस्वीकार करने और उसके खिलाफ मतदान करने में आपकी पार्टी के समर्थन के लिए दिल्ली के दो करोड़ लोगों की ओर से आभार व्यक्त करते हैं। कांग्रेस की सराहना करते हुए उन्होंने आगे कहा कि विधेयक पर कांग्रेस के विरोध को ह्रदशकों तक याद रखा जाएगाह्व। केजरीवाल ने कहा कि वह संविधान को कमजोर करने वाली ताकतों के खिलाफ लड़ाई में निरंतर समर्थन की उम्मीद करते हैं। उन्होंने कहा, मैं संसद के अंदर और बाहर दिल्ली के लोगों के अधिकारों की वकालत करने के लिए हार्दिक सराहना करना चाहता हूं। मुझे यकीन है कि हमारे संविधान के सिद्धांतों के प्रति आपकी अटूट निष्ठा दशकों तक याद रखी जाएगी। कांग्रेस और उसके सहयोगियों के विरोध के बावजूद राज्यसभा ने सोमवार को विधेयक पारित कर दिया। 03 अगस्त को लोकसभा में पारित हुआ यह विधेयक दिल्ली में नौकरशाहों पर केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त उपराज्यपाल को नियंत्रण प्रदान करता है। एक बार जब राष्ट्रपति विधेयक पर हस्ताक्षर कर देते हैं और इसे अधिसूचित कर दिया जाता है, तो यह 11 मई के सुप्रीम कोर्ट के फैसले को प्रभावी ढंग से पलटने के लिए मई में जारी अध्यादेश का स्थान ले लेगा, जिसने पुलिस, सार्वजनिक व्यवस्था और भूमि को छोड़कर नौकरशाही का नियंत्रण दिल्ली सरकार को सौंप दिया था। खराब स्वास्थ्य के बावजूद राज्य सभा में उपस्थित होने के लिए पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की सराहना करते हुए केजरीवाल ने कहा कि राज्यसभा में आपकी उपस्थिति ने उन सभी ताकतों को एक जोरदार और स्पष्ट संदेश दिया जो भारतीय लोकतंत्र को कमजोर करने के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि संविधान के सिद्धांतों के प्रति आपकी दृढ़ प्रतिबद्धता दशकों तक याद रखी जाएगी, और आने वाली पीढ़ियों के सांसदों को गहराई से प्रेरित करेगी।

मेट्रो पुलिस ने स्वतंत्रता दिवस से पहले सुरक्षा की कड़ी

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर दिल्ली मेट्रो में यात्रियों की आवाजाही को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। मेट्रो ड–ीसीपी जी राम गोपाल नाइक ने बताया कि मेट्रो पुलिस ने ऐसी तैयारी की है कि स्वतंत्रता दिवस पर किसी भी मेट्रो स्टेशन को बंद न करना पड़े और भारी भीड़ के बावजूद सेवा सुचारू रूप से चालू रहे। डीसीपी मेट्रो ने कहा कि मेट्रो स्टेशनों पर होने वाले आत्महत्या के मामले न हो इसके लिए दिल्ली मेट्रो ने प्लेटफॉर्म स्क्रीन डोर लगवाए जा रहे हैं। जिन स्टेशन पर ये डोर नहीं हैं उन पर भी प्लेटफॉर्म स्क्रीन डोर लगाने का अनुरोध डीएमआरसी से किया गया है। डीसीपी ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस समारोह के बीच दिल्ली मेट्रो में यात्रा करने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए विशेष सुरक्षा व्यवस्था की गई है। दिल्ली मेट्रो में तैनात करीब एक हजार पुलिसकर्मी हर मेट्रो स्टेशन की सुरक्षा देखेंगे। हमने स्टेशनों पर अधिक सुरक्षा कर्मचारी भी तैनात किए हैं क्योंकि उस दिन केवल मेट्रो सुविधा उपलब्ध होगी। क्योंकि बहुत सारे लोग मेट्रो सुविधा का लाभ उठाएंगे। मेट्रो पुलिस ने सीआईएसएफ और डीएमआरसी समेत अपने सभी हितधारकों के साथ समन्वय किया है। उम्मीद है कि इस साल व्यवस्थाएं अच्छी तरह से बरकरार रहेंगी। सिर्फ मेट्रो पुलिस ही नहीं, हम कुछ बाहरी बल भी लाए हैं और वे दिल्ली पुलिस और सीआ–ईएसएफ के साथ समन्वय में काम करेंगे। डीसीपी के अनुसार सभी स्टेशन समान तरीके से काम करेंगे और कोई भी स्टेशन बंद नहीं किया जाएगा। हालांकि जिन इलाकों में स्वतंत्रता दिवस को लेकर कोई आयोजन होने वाला है, उस इलाके के स्टेशनों पर आवाजाही प्रतिबंधित रहेगी और कहीं-कहीं कड़ी सुरक्षा जांच की जाएगी। वहीं, हाल की कुछ घटनाएं जिसमें मेट्रो कोच के अंदर लोगों के अभद्र और अप्रिय इशारों और व्यवहार के बारे में कई वीडियो वायरल हुए हैं, दोबारा न हों, इसको लेकर कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि न सिर्फ हमारी दिल्ली मेट्रो पुलिस बल्कि सीआईएसएफ स्टाफ भी हर मेट्रो स्टेशन पर सक्रिय रहेंगे और अभद्र इशारे करने वालों पर नजर रखें और उन्हें कुछ भी गलत करने से रोकें। हमारी अपील है कि यदि आप मेट्रो में ऐसी कोई गतिविधि या लोगों के अशोभनीय इशारे देखते हैं तो कृपया हमें तुरंत सूचित करें ताकि हम तुरंत कानूनी प्रक्रिया शुरू कर सकें।

ई-मेल के जरिए मिला सन्देश, प्रधानमंत्री को बम से उड़ाने की धमकी

पुणे के व्यक्ति को विदेश से आया धमकी संदेश

पुणे, (हि.स.)। पुणे में रहने वाले एक व्यक्ति को ई-मेल के जरिए धमकी का मैसेज मिला है। एमए मोखीम नाम के इस शख्स ने भारत में कई जगहों पर बम धमाके करने और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बम से उड़ाने की धमकी दी है। ई-मेल भेजने वाले मोखिम ने कहा है कि वह कई आतंकी संगठनों को फंडिंग करता हैं। भारत से हिंदू महिलाओं और हिंदुओं को खत्म करने की कोशिश की जा रही है। मोखीम ने भारत में अलग-अलग जगहों पर बम धमाके करने के साथ-साथ प्रधानमंत्री को भी बम से उड़ाने की धमकी दी है। यह ई-मेल मिलने के बाद पुणे शहर पुलिस बल के नियंत्रण कक्ष को इस बारे में सूचित किया गया है। पुणे के अलंकार पुलिस थाने में इस बारे में मामला दर्ज किया गया है। पुणे में पिछले कुछ दिनों से आतंकी गतिविधियों में तेजी आई है। शहर में छिपे कुछ आतंकी गिरफ्तार हुए हैं। एनआईए और आयबी जैसी एजेंसियां इस मामले की जांच कर रही हैं। ऐसे में इस धमकी के ई-मेल को लेकर पुलिस हरकत में आई है।

भाजपा का विपक्ष के 'इंडिया' पर हमला, कहा- यह 'घमंडिया' गठबंधन

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने विपक्षी दलों के नए गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव एलायंस' (इंडिया) पर बुधवार को हमला बोला। भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि परिवार का शासन स्वाभाविक रूप से अलोकतांत्रिक और गैरजिम्मेदाराना है। इस गठबंधन को 'घमंडिया' कहना पूरी तरह सही है। वे इसके पूरी तरह हकदार हैं ।लोकसभा में बुधवार को अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा शुरू होने से पहले आयोजित संवाददाता सम्मेलन में प्रसाद ने कहा आज 9 अगस्त है। आज के दिन ही महात्मा गांधी ने अंग्रेजों भारत छोड़ा आंदोलन की शुरूआत की थी। पांच साल बाद अंग्रेजों ने भारत छोड़ दिया था। उन्होंने कहा कि अगर देश में सुचिता लाना है तो तीन अहम बातें अमल में लानी आवश्यक हैं। वे बातें हैं - परिवारवाद भारत छोड़ो, भ्रष्टाचार भारत छोड़ो, तुष्टिकरण भारत छोड़ा। देश की राजनीति में सुचिता को बचाना है तो इन अभिशापों को हटाना होगा। राहुल गांधी पर हमला बोलते हुए उन्होंने सवाल किए कि उनके पास देश का नेतृत्व करने की क्षमता कितनी है?

सरकार ने मणिपुर में हिन्दुस्तान की हत्या की : राहुल गांधी

नई दिल्ली, (हि.स.)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को लोकसभा में मणिपुर की अपनी यात्रा और वहां आए अनुभवों को जिक्र करते हुए कहा कि केन्द्र सरकार ने मणिपुर में हिन्दुस्तान की हत्या की है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आज लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान कहा, इन्होंने मणिपुर में हिन्दुस्तान की हत्या की है। इनकी राजनीति ने हिन्दुस्तान का कत्ल किया है। कांग्रेस नेता ने केन्द्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को निशाना बनाया और उनकी तुलना रावण से की। उन्होंने कहा कि हनुमान ने लंका नहीं जलाई थी। रावण के अहंकार ने लंका जलाई थी। वह केवल दो लोगों की सुनता था कुंभकरण और मेघनाथ और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी दो लोगों की सुनते हैं अडानी और अमित शाह। कांग्रेस नेता ने अपनी भारत जोड़ो यात्रा का भी उल्लेख किया और कहा कि इसकी शुरूआत में उनके मन में अहंकार था। वे अहंकार धीरे-धीरे मिट गया। भेड़िया जो निकला था वे अब चिंटी बन गया था। राहुल गांधी ने सरकार पर नफरत की राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि आप केरोसीन लेकर फेंक रहे हो। आप पूरे देश को जलाने में लगे हो आप पूरे देश में भारत माता की हत्या करने में लगे हो।

राज्यसभा में मणिपुर मुद्दे पर चर्चा की मांग को लेकर विपक्षी सदस्यों ने किया वॉकआउट

नई दिल्ली, (हि.स.)। विपक्ष मणिपुर मुद्दे पर राज्यसभा में चर्चा की मांग को लेकर सरकार पर लगातार दबाव बना रहा है। विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण बुधवार को राज्यसभा की कार्यवाही कई बार बाधित हुई। सुबह से लेकर दोपहर तक सदन की कार्यवाही दो बार स्थगित करनी पड़ी। सरकार के जवाब से संतुष्ट नहीं होने पर विपक्षी सदस्यों ने सदन से वॉकआउट किया। राज्यसभा की कार्यवाही दोपहर बाद जब पुनः शुरू हुई तो सभापति जगदीप धनखड़ ने नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को अपना पक्ष रखने को कहा। इस दौरान खड़गे ने कहा कि वह चाहते हैं कि सदन में नियम 267 के तहत मणिपुर मुद्दे पर चर्चा हो और प्रधानमंत्री मोदी सदन में जवाब दें। इसके बाद सभापति ने राज्यसभा में सदन के नेता पीयूष गोयल को इस मुद्दे पर सरकार का पक्ष रखने को कहा। गोयल ने स–रकार का पक्ष रखते हुए कहा कि मणिपुर का मुद्दा गंभीर है। सरकार ने हमेशा इस मुद्दे पर चर्चा के लिए विपक्ष का सहयोग मांगा है। सरकार चाहती है कि इस मुद्दे पर सदन में चर्चा हो। गृहमंत्री अमित शाह इस मुद्दे पर जवाब देने के लिए तैयार हैं। खड़गे सहित विपक्षी सदस्यों का कहना था कि नियम 267 के तहत मणिपुर मुद्दे पर चर्चा होनी चाहिए और चर्चा के बाद प्रधानमंत्री जवाब दें। इस पर संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने नियमों का हवाला देते हुए विपक्ष को समझाने की कोशिश की। जोशी ने कहा कि हम चर्चा के लिए तैयार हैं। मणिपुर का मुद्दा गंभीर हैं। इसपर चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हम नियम 167 के तहत चर्चा के लिए तैयार हैं। गृहमंत्री हमारी ओर से अपनी बात रखेंगे। संसदीय कार्य मंत्री जोशी के इस बात पर असहमति व्यक्त करते हुए खड़गे ने कहा कि उनकी बात को सदन गंभीरता से नहीं ले रहा है। उनकी मांगों पर सरकार गौर नहीं कर रही है। इसलिए विपक्ष असहमति जताते हिए सदन से वॉकआउट कर रहा है। यह कहते हुए कांग्रेस सहित इंडिया के घटक दलों के सदस्यों ने वॉकआउट किया।

भारतीय नौसेना के दो युद्धपोत 11 अगस्त तक दुबई के रशीद बंदरगाह दौरे पर

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय नौसेना के फ्रंटलाइन युद्धपोत आईएनएस विशाखापत्तनम और आईएनएस त्रिकंड दुबई में रशीद बंदरगाह का दौरा कर रहे हैं। पश्चिमी बेड़े के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग रियर एडमिरल विनीत मैक्कार्टी की कमान के तहत दोनों जहाज 11 अगस्त तक दौरे पर हैं। इस दौरान यूएई नौसेना के साथ द्विपक्षीय अभ्यास 'जायद तलवार' निर्धारित है। नौसेना के कमांडर विवेक मधवाल के मुताबिक आईएनएस विशाखापत्तनम और आईएनएस त्रि-ाकंड की कमान क्रमशः कैप्टन अशोक राव और कैप्टन प्रमोद जी थॉमस संभाल रहे हैं। इस यात्रा के दौरान समुद्री पोत संचालन के विभिन्न मुद्दों पर यूएई नौसेना के साथ पेशेवर वार्तालाप की जाएगी। दोनों नौसेनाओं के बीच सहयोग बढ़ाने एवं संबंधों को मजबूत करने के उद्देश्य से सर्वोत्तम कार्य प्रणालियों को साझा भी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि दोनों नौसेनाओं के बीच अंतर-संचालन और तालमेल बढ़ाने के लिए यूएई नौसेना के साथ द्विपक्षीय अभ्यास 'जायद तलवार' भी निर्धारित है। वर्तमान यात्रा दोनों नौसेनाओं के बीच समुद्री साझेदारी बढ़ाने के साथ ही इस क्षेत्र में सुरक्षा चुनौतियों की समान सूझबूझ को बढ़ावा देगी।

भूस्खलन के कारण अमरनाथ यात्रा हुई रद्द, पवित्र गुफा के नहीं होंगे दर्शन

जम्मू (ईएमएस)। राष्ट्रीय राजमार्ग पर भूस्खलन होने से अमरनाथ यात्रा स्थगित कर दी गई है। मिली जानकारी के अनुसार रामबन जिले में जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर भूस्खलन के कारण रास्ता बंद हो गया है, जिस–ाके चलते जम्मू से श्रीनगर तक अमरनाथ की पवित्र गुफा की वार्षिक तीर्थयात्रा बुधवार को निलंबित कर दी गई। इस बीच, पंथा चौक यात्रा भी स्थगित रहेगी। बताया हा रहा है कि जम्मू के लिए आधार शिविर और यातायात की आवाजाही के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग साफ होने के बाद इसे फिर से शुरू किया जाएगा। जम्मू और कश्मीर यातायात पुलिस ने कहा कि जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग T2 मरोग रामबन में भूस्खलन के कारण अवरुद्ध है। लोगों को सलाह दी जाती है कि वे टीसीयू से पुष्टि के बिना एनएच-44 पर यात्रा न करें। इससे पहले, जम्मू क्षेत्र के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक और जम्मू के मंडलायुक्त ने शुक्रवार को स्वतंत्रता दिवस समा-रोह और शुरू होने वाली बुड्ढा अमरनाथ यात्रा के लिए सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। वहीं जम्मू जोन के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक मुकेश सिंह ने मंडलायुक्त जम्मू रमेश कुमार और डीआइजी राजौरी पुंछ रेंज हसीब मुगल के साथ पुलिस और नागरिक प्रशासन के साथ एक सुरक्षा समीक्षा बैठक बुलाई और सुरक्षा प–रदृश्य का जायजा लिया। इस दौरान एडीजीपी जम्मू और मंडलायुक्त को एसएसपी पुंछ विनय कुमार और डीसी पुंछ यासीन मोहम्मद चौधरी ने सुरक्षा और अन्य संबंधित मुद्दों के बारे में जानकारी दी। बाद में, एडीजीपी जम्मू और मंडलायुक्त ने पुंछ के नागरिक समाज के सदस्यों के साथ एक बैठक बुलाई। इस बैठक में प्रमुख वकीलों और निर्वाचित प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सभी वक्ताओं ने अधिकारियों को स्वतंत्रता दिवस समारोह के सुचारू संचालन और यात्रा के शांतिपूर्ण संचालन के लिए सभी सहयोग से अवगत कराया।

स्मृति का कांग्रेस पर निशाना, 'भारत माता की हत्या की बात पर मेज थपथपा रहें हैं'

अजय कुमार

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सांसद एवं केन्द्रीय मंत्री स्मृति इरानी ने बुधवार को कांग्रेस के शासनकाल में महिलाओं के साथ हुए अत्याचारों की जिक्र करते हुए कहा कि औरत के बलात्कार के विषय पर हंसने वाले और भारत माता की हत्या की बात करने पर मेज थपथपाने वाले अपना असली लक्षण दिखा रहे हैं। विपक्ष की ओर से पेश अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा में भाग लेते हुए केन्द्रीय मंत्री स्मृति इरानी ने कश्मीर पंडितों की हत्या, 84 के सिख विरोधी दंगों और कांग्रेस व अन्य गैर भाजपा शासित राज्यों में महिलाओं की स्थिति पर अपनी बात रखी। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के अविश्वास प्रस्ताव पर भाषण के बाद अपनी बात रखी। उन्होंने राहुल गांधी को सीधे निशाना बनाया और कहा कि वे देशभक्ति की बात करते हैं और विदेशों में जाकर देश की छवि खराब करते हैं। उन्होंने कहा कि विदेश यात्रा के दौरान वे उन लोगों से मिलते हैं जो देश के खिलाफ साजिशें कर रहे हैं। कश्मीर का उल्लेख करते हुए स्मृति इरानी ने कहा कि इनकी भारत जोड़ो यात्रा में धारा 370 वापिस लिए जाने की बात कही गई। उन्होंने कहा कि 370 धारा के कारण ही कश्मीर की महिलाओं को उनका जायज हक नहीं मिला। वहीं तीन तलाक विधेयक में वोट बैंक की राजनीति के कारण सदन की कार्यवाही को त्याग दिया। स्मृति इरानी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस का इतिहास खून से सना हुआ है। वे मणिपुर पर चर्चा से भाग रहे हैं जबकि सरकार शुरू से ही इसके लिए तैयार है। इन्हें डर है कि मणिपुर पर चर्चा होगी तो इनकी परतें खुल जाएंगी। ईरानी ने कहा कि 2005 की रिपोर्ट में कहा गया था कि खुले में शौच महिलाओं के साथ बलात्कार का कारण बन रहा है। इसके बावजूद इस दिशा में कोई प्रयास नहीं किया गया। मोदी सरकार के आने पर देश में 11 करोड़ शौचालय बनाए गए। राहुल गांधी ने अपने भाषण में अडानी का जिक्र किया था और वे अक्सर प्रधानमंत्री पर इसको लेकर निशाना साधते रहते हैं। इस मुद्दे पर केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने अपने शासन काल में अडानी को हजारों करोड़ का लोन दिया। वर्तमान में राज्यों की कांग्रेस सरकारें अपने यहां उद्योग के लिए जमीन और धन मुहैया करा रही हैं। अमेठी से सांसद स्मृति इरानी ने स्थानीय मुद्दों को लेकर भी कांग्रेस नेता राहुल गांधी और उनकी पार्टी पर निशाना साधा। अमेठी से पूर्व सांसद पर स्थानीय लोगों के लिए कुछ नहीं करने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने उनके क्षेत्र को कई सौगात दी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी मुस्लिम लीग को सेक्युलर कहते हैं जबकि मुस्लिम लीग 1980 में हुए मुरादाबाद में हुए दंगों में उसका सीधा हाथ सामने आया है।

मनरेगा में भ्रष्टाचार पर कार्रवाई नहीं हुई तो पैसा रोकेंगे : साध्वी निरंजन ज्योति

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्यमंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने बुधवार कहा कि केंद्र स-रकार के नियम सभी राज्यों के लिए समान हैं। मनरेगा में कहीं भ्रष्टाचार होगा और उसपर कार्रवाई नहीं होगी तो सरकार फंड रोकेगी। साध्वी ज्योति ने अविश्वास प्रस्ताव के बीच में अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में मनरेगा में भ्रष्टाचार हुआ है। यह बात स्थानीय अधिकारियों ने भी स्वीकार की है। केंद्र सरकार ने कार्रवाई करने को कहा, लेकिन राज्य सरकार ने कोई कार्रवाई नहीं की। केंद्र सरकार के नियम सभी राज्यों के लिए समान हैं और भ्रष्टाचार होगा तो केंद्र सरकार फंड रोकेगी।

'मेरी मिट्टी-मेरा देश' अभियान से देश की ऐतिहासिक विरासत को संवारेंगे : शिंदे

मुंबई, (हि.स.)। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि उनकी सरकार 'मेरी मिट्टी-मेरा देश' अभियान से देश की ऐतिहासिक विरासत को संवारने का काम करेगी। उन्होंने कहा कि देश के लिए स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और बलिदान के कारण आज हम स्वतंत्रता के स्वर्णिम क्षण का अनुभव कर रहे हैं। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे बुधवार को मुंबई के अगस्त क्रांति मैदान में राज्य सरकार की ओर से आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मौके पर उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री अजीत पवार मौजूद थे। एकनाथ शिंदे ने कहा कि महात्मा गांधी ने यहीं से अंग्रेजों को 'भारत छोड़ो' का नारा दिया था। भारत छोड़ो आंदोलन को आजादी के दिनों में 'ऑपरेशन जीरो आवर' से दबाने की कोशिश की गयी, लेकिन उनका यह दांव उल्टा पड़ा। बड़े नेताओं के गिरफ्तारी से आम लोगों ने इस आंदोलन को अपने हाथ में ले लिया। उन्होंने कहा कि हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने ब्रिटिश अन्याय के खिलाफ लड़ने का साहस दिखाया। ऐसे अनगिनत शहीदों के बलिदान से हमें आजादी मिली। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में शिव छत्रपतियों की विरासत है। इसके साथ ही महाराष्ट्र ने देश को बड़ी संख्या में संत, समाज सुधारक और क्रांतिकारी भी दिये हैं। किसानों, मजदूरों ने योगदान दिया।

इसलिए न केवल उनके बलिदान को याद कर, बल्कि युवाओं तक उनकी निष्ठा पहुंचाकर भी यह अभियान पूरे देश में चलाया जा रहा है। उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस ने कहा कि 9 अगस्त स्वतंत्रता सेनानियों और शह–ीदों को श्रद्धांजलि देने का दिन है। हमने इस स्थान पर शहीदों को याद करके, पौधरोपण कर-के, राष्ट्रीय तिरंगा फहराकर और अपनी मिट्टी को श्रद्धांजलि देकर शुरूआत की है। आने वाले समय में हम इन पंचप्रणों के माध्यम से एक नागरिक के रूप में देश को विकसित करने के अपने सपनों को जरूर पूरा करेंगे। उन्होंने कहा कि इस अभियान के माध्यम से गुलामी के निशान मिटाने का काम शुरू हो गया है। अगस्त क्रांति मैदान का अपना एक अलग ही महत्व है और इसलिए इस जगह पर उचित व्यवस्था हो, साफ-सफाई हो, शहीदों की स्मृति हो, इसके लिए मुंबई नगर निगम ने अच्छी व्यवस्था की है। उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने कहा कि देश की आजादी के लिए लोगों का आंदोलन अगस्त क्रांति मैदान से शुरू हुआ था। इन स्वतंत्रता सेनानियों, उनके परिवारों ने देश के लिए बलिदान दिया। देशभक्ति और विकास की यह लौ जलती रहेगी और हम सभी को इसे अगली पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए काम करना होगा। कई लोगों ने देश की प्रगति में योगदान दिया है। इस अवसर पर खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल, सांस्कृतिक कार्य मंत्री सुधीर मुनगंटीवार, मुंबई उपनगर संरक्षक मंत्री मंगलप्रभात लोढ़ा, मुख्य सचिव मनोज सौनिक, विधायक मनीषा कायंदे, विधायक आशीष शेलार, विधायक यामिनी जाधव, विधायक सदा सरवणकर, मुंबई नगर निगम के आयुक्त इकबाल सिंह चहल उपस्थित थे

भाजपा को हराने के लिए विपक्षी गठबंधन और पीडीए ने लिया है संकल्प : अखिलेश यादव

- सपा अध्यक्ष ने अगस्त क्रांति दिवस मनाते हुए अमर वीर शहीदों को नमन किया

लखनऊ, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) हमेशा से पिछड़ों, दलितों और अल्पसंख्यकों (पीडीए) को 'शूद्र' समझती आई है। इसके चलते ही भाजपा हमेशा से उनके साथ भेदभाव करती आ रही है। यह आरोप समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बुधवार को सपा मुख्यालय में आयोजित एक पत्रकार वार्ता के दौरान कही। अखिलेश ने कहा कि इस रवैये को देखते हुए इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इनक्लूसिव एलायंस (इंडिया) और पिछड़ों, दलितों और अल्पसंख्यकों (पीडीए) ने मिलकर भाजपा को लोकसभा चुनाव में हराने के लिए 11 संकल्प लिए हैं। अखिलेश यादव ने अगस्त क्रांति दिवस के अवसर पर मां भारती के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले सभी अमर वीर शहीदों को सादर नमन एवं विनम्र श्रद्धांजलि देते हुए पत्रकारों को सम्बोधित किया। उन्होंने कहा कि भारत की आजादी में जिस तरह हिन्दू-मुस्लिम एकजुट होकर ब्रिटिश हुकूमत को देश से भगाया था उसी तरह से विपक्षी दलों का गठबंधन और पीडीए मिलकर लोकसभा चुनाव में भाजपा को हराने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि समाजवादियों ने अपना पूरा जीवन पीडीए को आगे बढ़ाने में खपाने की बात कही। अखिलेश ने कहा कि राज्य के विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति में पीडीए के हिस्सेदारी कितनी है यह सरकार को बताना चाहिए। उल्लेखनीय है कि देश में बुधवार को अगस्त क्रांति दिवस मनाया जा रहा है। इसके चलते देशभर में कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। इसी क्रम में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव सपा कार्यालय के लोहिया सभागार में आयोजित कार्यक्रम में अमर शहीदों को याद कर नमन किया।

पंच प्रण के साथ 2047 तक भारत को आत्मनिर्भर बनाने की प्रत्येक नागरिक लें शपथ : योगी

- मुख्यमंत्री ने काकोरी रेल एक्शन दिवस की वर्षगांठ पर वीरों को किया नमन,'मेरी माटी, मेरा देश' कार्यक्रम का किया शुभारंभ

लखनऊ, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को 'मेरी माटी, मेरा देश' अभियान एवं 'काकोरी रेल एक्शन दिवस' की वर्षगांठ के अवसर पर "वीरों को नमन" कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर प्रधानमंत्री द्वारा आगामी 25 वर्षों के लिए कार्ययोजना बनाने को कहा था। इसको लेकर ही काकोरी में आज यहां हम सभी एकत्र हुए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पंच प्रण के साथ हम सभी शपथ लें कि 2047 तक आत्मनिर्भर भारत बनाने के सपने का साकार करेंगे। गुलामी को जड़ से उखाड़ फेंकेंगे। अपने नागरिक होने का कर्तव्य निभाएंगे। योगी ने कहा कि क-ाकोरी रेल एक्शन की आज वर्षगांठ है और 1942 में ही आज का दिन भारत के इतिहास में स्मरण किया जाता है। प्रधानमंत्री के संकल्प के साथ मेरी माटी मेरा देश का शुभारंभ किया जा रहा है। इस दिन अमर शहीदों, सीमाओं की रक्षा करने वाले जवानों और आंतरिक सुरक्षा करने वाले सैनिकों को याद करते हुए नमन करता हूं। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि 1947 में भारत की आजादी ने हमें एक अलग भारत का अनुभव कराया। ऐसा भारत जो धर्म, जाति, वर्ग में दूर हो। एक ऐसा भारत जिसको आजादी के कर्तव्यों को पूरा करते हुए साम्प्रदायिक सौहार्द के लिए जाना जाए। इसी को लेकर मार्च 2021 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आह्वान किया था कि आजादी के अमृत महोत्सव में एक नया अवसर हर नागरिक को प्राप्त होगा। 75 साल की आजादी के इन अमृत महोत्सव कार्यक्रमों को जोड़कर पूरे भारत में उत्साह के साथ देशवासियों ने काम किया। उन्होंने कहा कि 'पंच प्रण' में जो हमने संकल्प लिया है हम अपने पूरी प्रतिबद्धता के साथ आगे ले जाने का काम करेंगे। देश और प्रदेश में 13 से 15 अगस्त तक इसको लेकर कार्यक्रम चलेंगे, जिसमें हम उसी उत्साह के साथ भाग लेंगे। आज का दिन मेरे लिए अविस्मरणीय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 98 वर्ष पूर्व उन क्रांतिकारियों ने एक संकल्प के साथ जुड़कर आजादी के सपने को आगे बढ़ाने का काम किया था। अगर जज्बा हो, सत्य संकल्प हो, लड़ने की इच्छा शक्ति हो तो किसी को भी झुकाया जा सकता है। पं0 रामकुमार बिस्मल, अशफाक उल्ला खां, चन्द्र शेखर आजाद जैसे अनगिनत क्रांतिकारी ने अपने सर्वस्व न्यौछावर किया और ब्रिटिश हुकूमत को जड़ से उखाड़ने में अपना बलिदान दिया। मातृ भूमि के लिए आज सभी का योगदान होना चाहिए। योगी ने कहा कि जो जिस क्षेत्र में है उसे पूरी ईमानदारी और नागरिक दायित्व को समझते हुए अपना पहला कर्तव्य और राष्ट्रीय दायित्व को निभाना होगा, तभी देश को आगे ले जाने में सफलता मिलेगी। प्रधानमंत्री के 'पंच प्रण' के संकल्प के साथ आज हर नागरिक को अमृत महोत्सव के कार्यक्रम को आगे बढ़ाना होगा। भारत की आजादी के अमृत महोत्सव में आज जी-20 कार्यक्रम का प्रधानमंत्री के नेतृत्व में अध्यक्षता कर रहा है। यह भारत और प्रत्येक भारतीय के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि क-ाकोरी रेल एक्शन की 98वीं वर्षगांठ पर 13 से 15 अगस्त के बीच हर जगह, हर नागरिक धरती पर खड़े होकर वीरों का नमन करें, सेल्फी लें और अपलोड करें। पंच प्रण के संकल्प के साथ जुड़ें। हर घर तिरंगा के साथ हर नागरिक को जोड़ना होगा। 14 अगस्त की तिथि भारत के विभाजन की त्रिसादी का भी दिन है। उस एक भारत के संकल्प के साथ हर नागरिक को जुड़ना होगा। अंतरराष्ट्रीय आदिवासी दिवस भी आज है। इस अवसर पर शिलाफलकम के माध्यम से जुड़कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पंच प्रण के संकल्प के साथ जुड़ने का सभी से आह्वान करता है। जय हिन्द जय भारत। इससे पूर्व सर्वप्रथम मुख्यमंत्री ने शिलाफलकम का बटन दबाकर 'मेरी माटी, मेरा देश' कार्यक्रम का शुरूआत की। इस दौरान वीर बलिदानियों ठाकुर रोशन सिंह, अशफाक उल्ला खां, रामकिशन खत्री, सुनील रंगजी सहित अन्य वीर जवानों के परिवार के सदस्यों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। यहां पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारत की आजादी में अहम भूमिका निभाने और अपने प्राणों को न्यौछावर करने वाले अमर शहीद स्पूतों की प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने काकोरी रेल एक्शन में शामिल क्रांतिकारियों को याद करते हुए कहा कि वो लोग देश को आजाद कराने और बलिदान देकर आजादी को बरकार रखने में जो योगदान दिया उसे भुलाया नहीं जा सकता है। काकोरी काण्ड के स्थान को काकोरी रेल एक्शन नाम दिए जाने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का पर्यटन मंत्री ने आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि आजादी के इन परवानों ने देश की स्वातंत्रता को लेकर जो सपने देखे थे उसे बनाने में जो प्रयास किए जा रहे हैं उसमें प्रधानमंत्री की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता है। अमर शहीद स्पूतों के लिए उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित कर उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने स्वागत उद्बोधन दिया। उन्होंने कहा कि 'मेरी माटी, मेरा देश' को लेकर कहा कि हर जगह पर इसके तहत एक शिलालेख स्थापित की जा रही है। जिन वीरों ने हमारी आजादी को बरकरार रखा उनके लिए इस शिलालेख में जिक्र रहेगा। अमृत वाटिका भी लगाया जा रहा है। इन शिलालेख और अमृत वाटिका के माध्यम से बलिदान सैनिकों से हमेशा-हमेशा याद रखा जाएगा। प्रमुख सचिव ने मौजूद वीर बलिदानियों के परिवारीजनों की उपस्थिति पर बधाई दी। इस अवसर पर बुंदेलखंड से आए कुलदीप चौहान व दिपांशी ने आजादी से ओत-प्रोत देशभक्ति गीत प्रस्तुत किया। गीत के माध्यम से उन्होंने ऐसा समां बांध दिया कि उपस्थित लोगों के जहन में देश की आजादी में शहीद हुए बलिदानियों की याद ताजा हो गई। इसके अलावा विभिन्न मंचन के जरिए कार्यक्रम में भारत की आजादी में योगदान देने अमर शहीदों को याद किया गया। इस मौके पर महापौर सुषमा खर्कवाल, पूर्व मंत्री मोहसिन रजा, भुक्कल नवाब, महेन्द्र सिंह, अवनीश द्विवेदी, राजेश्वर सिंह, योगेश शुक्ला, प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद, मुकेश मेश्राम आदि उपस्थित रहे।

ज्ञानवापी परिसर में एएसआई सर्वे रोकने की मांग, वाराणसी कोर्ट पहुंचा मुस्लिम पक्ष

- हिंदू पक्ष 17 अगस्त को दाखिल करेगा आपत्ति

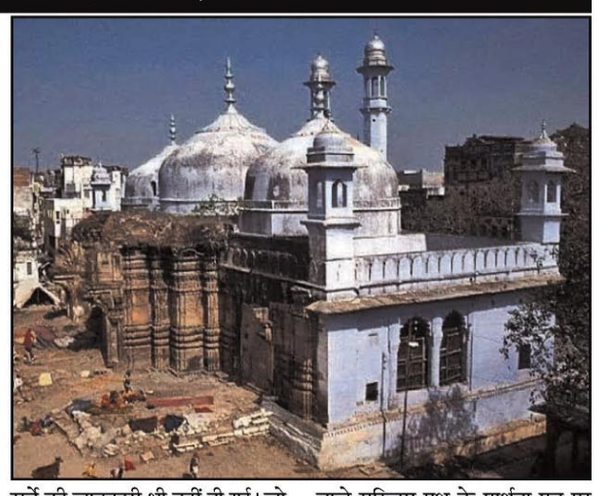

वाराणसी, (हि.स.)। ज्ञानवापी प-रसर में इलाहाबाद हाई कोर्ट के निर्देश पर चल रहे एएसआई सर्वे पर रोक लगाने की मांग को लेकर प्रतिवादी पक्ष अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद कमेटी के सदस्य बुधवार को फिर अदालत पहुंचे। जिला जज की अदालत में याचिका दाखिल की। अदालत ने याचिका को स्वीकार कर लिया। इस याचिका पर वादी हिंदू पक्ष 17 अगस्त को आपत्ति दाखिल करेगा। मुस्लिम पक्ष ने याचिका में पांच बिदुओं को आधार बनाते हुए सर्वे रोकने की मांग की है। याचिका में कहा गया है कि जिन चार महिलाओं की याचिका पर जिला जज ने 21 जुलाई को ज्ञानवापी परिसर के एएस-ाआई सर्वे का आदेश दिया था, उन्होंने सर्वे में आ रहे खर्च की फीस नहीं जमा की है। यह सर्वे बिना फीस जमा किए ही हो रहा है। मुस्लिम पक्ष ने इसे सिविल रूल के खिलाफ बताया। मुस्लिम पक्ष ने याचिका में कहा है कि महिला वादियों को लिखित रूप से सर्वे की जानकारी भी नहीं दी गई। जो सर्वे हो रहा है वह कानूनी प्राविधान के विपरीत है। इस याचिका पर वादी महिलाओं के अधिवक्ता की तरफ से आपत्ति जताई गई है। हिंदू पक्ष के अधिवक्ता सुभाष नंदन चतुर्वेदी ने पत्र-ाकारों को बताया कि जिला अदालत में मीडिया कवरेज और सर्वे की फीस वाले मुस्लिम पक्ष के प्रार्थना पत्र पर सुनवाई हुई। जज ने निर्देश दिए कि सर्वे वाले स्पॉट पर जाकर किसी प्र-कार की रिपोर्टिंग नहीं होगी। एएसआई के लोग ही मीडिया को कोई रिपोर्ट देंगे। ऐसे विषय सोशल मीडिया पर भी नहीं चलने चाहिए, जिससे शांति भंग की आशंका हो।

सरकार की अनुदान वाली ऋण योजनाओं से खुले स्वरोजगार के द्वार

गोरखपुर, (हि.स.)। सरकारी नौकरियों और निजी क्षेत्र में सेवायोजन के साथ सरकार स्वरोजगार को प्रोत्साहित कर आत्मनिर्भरता का मार्ग प्रशस्त करने में जुटी है। स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए गोरखपुर मंडल में अनुदान वाली प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना और ओडीओपी वित्तपोषण सहायता योजना के तहत वर्तमान वित्तीय वर्ष के चार माह में 06 करोड़ 37 लाख 36 हजार रुपये की धनराशि वितरित कर चुकी है। स्वरोजगार ऐसा क्षेत्र है, जो कारोबार या उद्यम शुरू करने वाले युवा के साथ कई और लोगों को रोजगार से संबद्ध करता है। हुनरमंद युवाओं और किसी पारंपरिक शिल्प-उद्यम से जुड़े लोगों के लिए तो इसमें असीम संभावनाएं हैं। इन संभावनाओं को आगे बढ़ाने के लिए सरकार प्रधानमंत्री रोजगार सृजन, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार एवं ओडीओपी वित्तपोषण सहायता जैसी कई ऋण योजनाएं चला रही है, जिसमें खासा अनुदान भी प्राप्त होता है।

एसजीपीजीआई को अपनी विशेषताओं को फोटोग्रॉफ के साथ जोड़ना चाहिए : राज्यपाल

लखनऊ, (हि.स.)। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने राजभवन में संजय गांधी पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, लखनऊ द्वारा नैक के लिए तैयार सेल्फ स्टडी रिपोर्ट की समीक्षा की। बैठक में राज्यपाल ने कहा कि एसजीपीजीआई. प्रदेश का देश-विदेश स्तर पर विख्यात विशेष चिकित्सा संस्थान है। संस्थान अपनी संस्थागत सभी विशेषताओं को रिपोर्ट में समग्रता से हाइलाइट करें। राज्यपाल ने कहा कि एसजीपीजीआई एक विशेष संस्थान है। इसलिए अपनी विशेषताओं को बड़े स्तर पर फोटोग्राफ के साथ जोड़ना चाहिए। राज्यपाल ने इन्फ्रास्ट्रक्चर के बिंदु पर फोटोग्राफ के साथ प्रस्तुतिकरण की कमी को लक्ष्य किया। विश्लेषण के दौरान राज्यपाल ने प्रत्येक क्राइटेरिया में गतिविधि की विविधता को दर्शाने वाले फोटो लगाने तथा कैप्शन में उस-ाका विस्तृत विवरण लगाने को कहा। क्राइटेरिया-1 में उन्होंने संस्थान द्वारा ट्रांसजेंडर हित में सम्पादित कार्यों की सराहना की। उन्होंने इन कार्यक्रमों को विशेषता के साथ एसएसआर में दर्शाने व इनके फोटोग्राफ भी प्रस्तुतीकरण में दर्शाने को कहा। क्राइटेरिया-2 के प्रस्तुतीकरण को देखते हुए राज्यपाल ने प्रस्तुतीकरण फॉर्मेट में एकरूपता रखने, फोटोग्राफ स्पष्ट और दर्शनीय आकार में लगाने को कहा। उन्होंने विद्यार्थियों को नैक की ग्रेडिंग के प्रति जागरूक करके उनको प्रतिभागिता के लिए प्रेरित करने को कहा। यहां बताते चलें कि एसजीपीजीआईएमएस पहली बार राष्ट्रीय स्तर की ग्रेडिंग नैक के लिए अपनी सेल्फ स्टडी रिपोर्ट तैयार कर रहा है। संस्थान को पहले से अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर मूल्यांकनों में उल्लेखनीय स्थान हासिल हैं।

अभी हाल ही की क्यू.एस. वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में 551 से 600 के वर्ग में स्थान प्राप्त किया है, जबकि एन.आई.आर.एफ. में सर्वोच्च दस में प्राथमिकता से सातवां स्थान प्राप्त किया है। आज की समीक्षा बैठक में संस्थान की प्रत्येक विशेषता को नैक के मानकों के अंतर्गत प्रस्तुत कर उच्चतम ग्रेड प्राप्त करने हेतु विश्लेषण किया गया। बैठक में संस्थान के निदेशक डॉ. आर.के. धीमान ने एस.जी.पी.जी.आई.एम.एस की नवीन सुविधाओं पर एक फिल्म भी प्रदर्शित की, जिसमें उन्होंने जानकारी दी कि अब संस्थान में पीडियाट्रिक सेण्टर आफ एक्सीलेंस, डायबिटिक पेशेंट के लिए विशेष सेण्टर, गुर्दा प्रत्यारोपण सेण्टर सहित चार और नए विभाग शीघ्र प्रारम्भ होने जा रहे हैं। राज्यपाल ने इस फिल्म को 2 से 3 मिनट के संक्षिप्त विवरण के साथ प्रस्तुतीकरण में लगाने को कहा। उन्होंने बैठक में दिए गए निदेशों के अनुपालन के साथ सशक्त एस.एस.आर. तैयार करने और नैक में भी उच्चतम ग्रेडिंग हेतु दावेदा-री रखने हेतु तैयारी करने को कहा। बैठक में अपर मुख्य सचिव राज्यपाल डॉ. सुधीर महादेव बोबडे, विशेष कार्याधिकारी शिक्षा पंकज जॉनी, संजय गांधी पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट, लखनऊ के निदेशक डॉ. आरके धीमान, संस्थान की नैक हेतु गठित टीम के सदस्य तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

प्रदेश कांग्रेस ने मनाया अगस्त क्रांति शहीद दिवस

रांची, (हि.स.)। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में बुधवार को कांग्रेस भवन रांची में अगस्त क्रांति शहीद दिवस मनाया गया। प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने वीर शहीदों के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि नौ अगस्त के दिन ही नारा दिया गया था कि अंग्रेजों भारत छोड़ो। इसलिए कांग्रेस पार्टी ने सभी शहीदों को नमन किया। उन्होंने कहा कि आज देश में जिस तरह से हालात बने हैं, ऐसे में देश की आजादी को बचाए रखना हमारा कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि आज हम लोग संकल्प लेते हैं कि जो हम लोगों ने संविधान दिया है उसे बचाए रखेंगे। इस मौके पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष केशव महतो कमलेश प्रवक्ता डॉ एम तौसीफ, युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अभिजीतराज, उज्जवल तिवारी सहित अन्य उपस्थित थे '

रांची के मोरहाबादी मैदान में पुलिसकर्मियों का रिहर्सल

रांची, (हि.स.)। स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर रांची के मोरहाबादी मैदान में बुधवार को पुलिसकर्मियों ने रिहर्सल किया। यहां मंच सहित दर्शकों के बैठने के लिए दीर्घा का निर्माण भी शुरू कर दिया गया है। मोरहाबादी मैदान में बारिश की वजह से जल जमाव हो गया है। यहां से जल निकासी का काम हो रहा है। स्वतंत्रता दिवस पर झारखंड पुलिस के अलग-अलग विंग्स के अलावा यूपी पुलिस, आईटीबीपी और सीआरपीएफ की बटालियन भी परेड में हिस्सा लेंगी। परेड में यूपी पुलिस, झारखंड आर्म्ड फोर्स वन और दस, झारखंड जगुआर, रांची पुलिस की महिला और पुरुष बटालियन, होमगार्ड जवानों के साथ आइटीबीपी, सीआरपीएफ और एनसीसी के जवान हिस्सा ले रहे हैं।

प्रकृति और आदिवासी एक दूसरे के पूरक : रामगढ़ उपायुक्त

रामगढ़, (हि.स.)। विश्व आदिवासी दिवस पर बुधवार को छत्तरमांडू स्थित टाउन हॉल भवन में जिला स्तरीय स-ांस्कृतिक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उपायुक्त चंदन कुमार, विशिष्ट अतिथि वन प्रमंडल पदाधिकारी नीतीश कुमार, उप विकास आयुक्त रोबिन टोप्पो सहित अन्य अतिथियों का पौधा व अंगवस्त्र देकर स्वागत किया गया। डीसी चंदन कुमार ने ही कहा कि आदिवासी समाज हमारे समाज की जड़ की तरह है। मानव सभ्यता के विकास में आदिवासी समाज के योगदान का अहम है। आदिवासी और प्रकृति एक दूसरे के पूरक हैं। आदिवासी समाज का रीति रिवाज, पर्व त्योहार सहित धार्मिक मान्यताएं भी प्रकृति के संरक्षण से जुड़ी हैं। वर्तमान समय में आदिवासी युवाओं पर आदिवासी समाज का विकास सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी है। वन प्रमंडल पदाधिकारी नीतीश कुमार ने सभी से विकास कार्यों के दौरान पर्यावरण संरक्षण का विशेष ध्यान रखने की अपील की। डीडीसी रोबिन टोप्पो ने आदिवासी संस्कृति, जीवन पद्धति तथा देश की स्वतंत्रता में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों यथा भगवान बिरसा मुंडा, सिद्धो कान्हो, चांद भैरव आदि को स्मरण कर उनके आदर्शों से प्रेरणा लेने की अपील की। छात्र-छात्राओं और कलाकारों ने स्वागत गान, नृत्य, नुक्कड़ नाटक सहित अन्य कार्यक्रम प्रस्तुत किए। बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले कलाकारों, छात्र-छात्राओं व विद्यालयों को उपायुक्त सहित अन्य अधिकारियों के ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान स्वागत भाषण जिला कल्याण पदाधिकारी रामेश्वर चौधरी व धन्यवाद ज्ञापन प्रखंड कल्याण पदाधिकारी कृपाल कच्छप ने किया।

एनसीपी ने अगस्त क्रांति दिवस पर केन्द्र सरकार की नीतियों के खिलाफ किया प्रदर्शन

अररिया (हि.स.)। फारबिसगंज में बिहार प्रदेश राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के आह्वान पर फारबिसगंज प्रखंड तथा नगर इकाई द्वारा केन्द्र सरकार की नीतियों के खिलाफ में स्टेशन चौक पर बुधवार को प्रदर्शन किया और केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। पार्टी के प्रदेश महासचिव मनोज जायसवाल के नेतृत्व में स्टेशन चौक स्थित स्वतंत्रता सेनानी पंडित रामदेनी तिवारी द्विजदेनी के स्मारक स्थल पर संकल्प सह आंदोलन का ऐलान किया गया। पार्टी के कार्यकताओं ने प्रधानमंत्री के इस्तीफा और भाजपा हटाओ भारत बचाओ का नारा देते हुए नीतियों के खिलाफ आंदोलन का संकल्प लिया। मौके पर पार्टी के प्र-खंड अध्यक्ष विवेकानंद सिंह, नगर अध्यक्ष मोहम्मद गालिब आजाद ने कहा कि देश में बेरोजगारी दूर करने की प्रधानमंत्री की घोषणा जहां कागजी साबित हुई है। महंगाई इस कदर बढ़ा हुआ है कि गरीबों का जीना मुहाल हो गया है। प्रदेश महासचिव मनोज कुमार जायसवाल ने कहा कि अंग्रेजी हुकूमत से तंग और तबाह भारत के स्वतंत्रता सेनानियों ने 9 अगस्त 1942 को अंग्रेजों भारत छोड़ो का नारा दिया था। आज राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के द्वारा 9 अगस्त 2023 को भारत बचाओ भाजपा हटाओ के नारा के साथ राष्ट्र-वादी कांग्रेस पार्टी ने संपूर्ण भारत में आंदोलन चलाने का निर्णय लिया है। जायसवाल ने कहा कि बेरोजगारी, चरम छू रही महंगाई,किसानों पर हो रहे जुल्म, किसानों के उत्पादित अनाज का उचित मूल्य नहीं मिलना तथा मणिपुर की घटना पर प्रधानमंत्री सहित भाजपा के तमाम नेताओं ने चुप्पी साथ लिया है।जिसके खिलाफ राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी आंदोलन करेगी। महापुरुषों के प्रतिमा स्थल पर एनसीपी कार्यकताओं के द्वारा माल्यार्पण किया गया तथा कार्यकताओं को शपथ दिलाया गया। मौके पर एनसीपी के संतोष साह, एजाज अंसारी, मो. हामिद, सुरेश साह, पितांबर झा,कन्हैया राय, मो. तमन्ना,भोला मंडल,जितेंद्र पासवान, सुनील कुमार,नवीन प्रसाद,जयकांत शर्मा,मो. जलील, मो. शमीम,नईम अहमद आदि मौजूद थे।

छः मछुआरों की जान सामाजिक कार्यकर्ता की सक्रियता से बची

बगहा, (हि.स.)। भारत-नेपाल सीमा पर स्थित वाल्मीकि नगर गंडक नदी में बुधवार की शाम लगभग 4 बजे मछली मारकर एक ही नाव पर सवार होकर वापस लौट रहे छःमछुआरों की नाव पानी के तेज धार के कारण विपरीत दिशा में बहने लगा, तब तक ग्रामीणों कि नजर उस नाव पर पड़ी, तो तेज बारिश और धुंध के कारण दिखाई नहीं देने के कारण ग्रामीणो में घंटो तक हड़कंप मची रही। उक्त घटना की सूचना सामाजिक कार्यकर्ता रंजित सहनी को मिली।उन्होंने सूचना को गम्भीरता से लेते हुए तुरंत गंडक नदी के तेज धार के धुंध में फंसे हुए नाव पर सवार छः मछुआरों को खोजबीन के लिए गंडक नदी में दस नाव को रवाना किया। रंजीत सिंह की मदद से सभी लोगों को सुरक्षित नदी से बाहर लाया गया। इस सन्दर्भ में पूछे जाने पर रंजित सहनी ने बताया कि वो लोग नाव से मछली मार कर वापस लौट रहे थे, तब तक अचानक गंडक नदी के तेज धार के पानी में नाव चला गया और तेज धार तथा बारिश के धुंध के कारण नाव दिखाई नहीं दे पायी।सभी को सुरक्षित निकाल ली गयी है। उक्त सभी लोग वाल्मीकि नगर थाना क्षेत्र के लवकुश घाट निवासी बताये जा रहें हैं।

अपना बूथ जिताएंगे, फिर मोदी को लाएंगे : सुनील ओझा

भागलपुर, (हि.स.)। भाजपा की लोकसभा प्रवास की बैठक बुधवार को स्थानीय भाजपा जिला कार्यालय के सभागार में संपन्न हुई। बैठक में भागलपुर और नवगछिया भाजपा के जिला पदाधिकारी, मोर्चा अध्यक्ष, प्रदेश पदाधिकारी, विधायक, विधान पार्षद सहित लगभग 150 प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक का उद्घाटन बिहार भाजपा के सह प्रभारी सुनील ओझा सहित मंचासीन प्रदेश महामंत्री सुशील चौधरी, भागलपुर जिलाध्यक्ष संतोष क नवगछिया जिलाध्यक्ष मुक्तिनाथ निषाद, विधान परिषद सदस्य डॉ एनके यादव, विधायक पवन यादव, ललन पासवान, ई शैलेन्द्र और जिप अध्यक्ष टुनटुन साह ने संयुक्त रूप से डा श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय के तैल चित्र पर पुष्पांजलि के साथ दीप प्रज्वलित कर किया। बैठक के स्वागत सत्र में भाजपा जिलाध्यक्ष संतोष कुमार ने बिहार भाजपा के सह प्रभारी सुनील ओझा एवं मंचासिन नेताओं का शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया। वन्देमातरम का गान प्रीति शेखर के द्वारा किया गया। बैठक में विषय प्रवेश कराते हुए प्रदेश भाजपा के महामंत्री सुशील चौधरी ने अगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा एवं करणीय कार्य की पूरी जानकारी दी। बैठक को संबोधित करते हुए बिहार भाजपा के सह प्रभारी सुनील ओझा ने कहा कि कोई भी कार्यकर्ता हमारे व्यवहार एवं कार्य से प्रभावित होता है। आप जैसा व्यवहार और कार्य करेंगे कार्यकर्ता वही सीखेंगे। कार्य करके दिखाइए वही आपसे नीचे के कार्यकर्ता के लिए प्रशिक्षण होगा। उन्होंने कहा कि हमारी यात्रा विकट रही है। संघर्षमय रही है। उसकी जितनी भी कल्पना की जाए काफी कठिन है। उस यात्रा के बाद आज जो परिणाम आया है। वह संघर्ष का प्रतिफल है। जिसके लिए न जाने कितने कार्यकर्ताओं ने अपना जीवन खफा दिया तब जाकर हम यहां पंहुचे हैं। उन्होंने कहा कि बिहार में आज हम विपक्ष में हैं। लेकिन हमारी अपेक्षा है कि अगामी 2024 एवं 2025 में भाजपा लोकसभा के 40 का 40 सोटों पर विजय होगी। वहीं विधानसभा के चुनाव में दो तिहाई बहुत से विजयी होंगे। उन्होंने कहा कि बिहार में भ्रष्टाचार एवं अपराध चरम पर है। जनता भाजपा की ओर आशा भरी निगाहों से देख रही है। ऐसे में हमारी जिम्मेदारी है कि जनता की उम्मीद परा खरा उतरें। मंच संचालन विजय कुशवाहा और धन्यवाद ज्ञापन नवगछिया अध्यक्ष मुक्तिनाथ सिंह निषाद ने किया।

संपादकीय

भारत विरोधी चीनी एजेंडा

यदि कोई भारत-विरोधी, देश को खंडित करने और देश के खिलाफ 'धुआं-रहित युद्ध' छेड़ने के अभियानों में संलिप्त है, तो बेशक वह 'देशद्रोही' है। उसके खिलाफ यूएपीए, राजद्रोह के कानून और अन्य धाराओं में केस चलाया जाना चाहिए। यदि भारत के खिलाफ किसी देश का एजेंडा है और वह दुष्प्रचार की साजिशें रच रहा है, तो उसके स्वदेशी दलालों, गद्दारों के खिलाफ भी आपराधिक मामले चलने चाहिए। यह अखबार भारत का हमदर्द भी नहीं है। हमारे देश के खिलाफ बहुत कुछ प्रकाशित होता रहा है, लेकिन अब चीन को नंगा करने वाले आलेख और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी के निष्कर्षों में बहुत कुछ समानताएं हैं, लिहाजा चीन का एजेंडा हमारा चिंतित सरोकार है। छापे की कार्रवाई फरवरी, 2021 में की थी। छापे लगातार 5 दिन तक चले थे और कंपनी के 10 ठिकानों पर छापे मारे गए थे, जिनमें 38 करोड़ रुपए से अधिक की फंडिंग का खुलासा हुआ था। कुछ पैसा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के जरिए आया और अधिकांश राशि हवाला के जरिए भेजी गई। वेबसाइट के संस्थापक एवं संपादक प्रबीर पुरकायस्थ से भी करीब 11 घंटे तक पूछताछ की गई थी। तब वामदलों और कांग्रेस सरीखे दलों ने मीडिया कंपनी का बचाव किया था और ईडी की कार्रवाई को स्वतंत्र मीडिया और अभिव्यक्ति की आजादी पर हमला करार दिया था। आलेख से खुलासा हुआ है कि चीन की कम्युनिस्ट पार्टी अमरीकी उद्योगपति नेविल रॉय सिंघम के जरिए भारत की मीडिया कंपनी को ही नहीं, बल्कि माओवादी गौतम नवलखा, सीपीएम के आईटी प्रकोष्ठ के बप्पादित्य सिन्हा, तीस्ता सीतलवाड़, उनके पति एवं बच्चों तथा ऐसे कई स्वतंत्र पत्रकारनुमा चेहरों को भी फंडिंग कराती रही है। कुछ पत्रकारों की जासूसी के आरोप में गिरफ्तारियां भी की गई हैं। नवलखा भीमा कोरेगांव दंगा केस में अब भी जेल में है। अखबार में छपे आलेख से खुलासा हुआ है कि चीन अफ्रीकी राजनीतिक दलों, गैर लाभकारी संगठनों और तीसरी दुनिया के देशों के कथित पत्रकारों की भी फंडिंग करता रहा है। अमरीकी नेविल रॉय मूलतः श्रीलंका का है और आजकल चीन के शंघाई शहर में रहता है। उसे चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की प्रचार मशीनरी का एक अंतरंग हिस्सा माना जाता है। वह खुद को 'कम्युनिस्ट' कहलाना पसंद करता है। चीन की फंडिंग कुछ अमरीकी कंपनियों और ब्राजील की एक कंपनी के जरिए की गई है, जिसे 'न्यूज क्लिक' में विदेशी निवेश दिखाया गया है। इस नापाक नेटवर्क का सरगना नेविल रॉय ही है। 'न्यूयॉर्क टाइम्स' में ये तमाम खुलासे छपने के बाद भाजपा के लोकसभा सांसद निशिकांत दुबे ने सदन में यह मुद्दा उठाया और सरकार से जांच का आग्रह किया। सूचना-प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने चीन की कम्युनिस्ट पार्टी और कांग्रेस की कथित मिलीभगत और राजीव गांधी फाउंडेशन को मिले चीनी चंदे सरीखे पुराने मुद्दे एक बार फिर खोल दिए। दरअसल चीन अपने दुष्प्रचार के अभियान को चलाए रखने और चीनी एजेंडे की व्यापक कवरेज के लिए यह अवैध फंडिंग करता रहा है। यह भी बताया जा रहा है कि 'न्यूज क्लिक' चीन की कम्युनिस्ट पार्टी का हथियार है। चीन बुनियादी तौर पर हमारा दुश्मन देश है, बेशक उसके साथ लाखों करोड़ रुपए का कारोबार करना हमारी मजबूरी है। यदि देश का मीडिया इस तरह 'बिकाऊ' होने लगा और चीन के गुणगान करने लगा, तो जनता का भरोसा भी उठेगा और देश भी कमजोर होगा। इस नापाक फंडिंग का देशव्यापी विरोध करने के बजाय हम इस बहस में उलझे रहेंगे कि चीन ने हमारी कितनी जमीन कब्जा रखी है, लद्दाख और गलवान में क्या हुआ, चीन ने हमारे सैनिकों को पीट दिया, तो यही दुष्प्रचार चीन चाहता है। चीन इसी तरह भारत को विभाजित करना चाहता है। भारत को वैश्विक स्तर पर बदनाम करना चाहता है। लिहाजा 'काली भेड़ों' को दंडित करें और चीन के षड्यंत्र का माकूल जवाब दें। तभी चीन का एजेंडा नाकाम हो सकता है। सीमा पर भी चीन बार-बार हरकत करता रहता है। उसे करारा जवाब दिया जाना चाहिए।

यदि भारत के खिलाफ किसी देश का एजेंडा है और वह दुष्प्रचार की साजिशें रच रहा है, तो उसके स्वदेशी दलालों, गद्दारों के खिलाफ भी आपराधिक मामले चलने चाहिए। यह अखबार भारत का हमदर्द भी नहीं है। हमारे देश के खिलाफ बहुत कुछ प्रकाशित होता रहा है, लेकिन अब चीन को नंगा करने वाले आलेख और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी के निष्कर्षों में बहुत कुछ समानताएं हैं, लिहाजा चीन का एजेंडा हमारा चिंतित सरोकार है। छापे की कार्रवाई फरवरी, 2021 में की थी। छापे लगातार 5 दिन तक चले थे और कंपनी के 10 ठिकानों पर छापे मारे गए थे, जिनमें 38 करोड़ रुपए से अधिक की फंडिंग का खुलासा हुआ था। कुछ पैसा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के जरिए आया और अधिकांश राशि हवाला के जरिए भेजी गई। वेबसाइट के संस्थापक एवं संपादक प्रबीर पुरकायस्थ से भी करीब 11 घंटे तक पूछताछ की गई थी। तब वामदलों और कांग्रेस सरीखे दलों ने मीडिया कंपनी का बचाव किया था और ईडी की कार्रवाई को स्वतंत्र मीडिया और अभिव्यक्ति की आजादी पर हमला करार दिया था।

अंग्रेजों के शासनकाल के दौरान अपनाए गए हथकंडों को भारत में लागू कर भारत में शांति को भंग करने का प्रयास करते दिखाई दे रहे

भारत की आर्थिक प्रगति को प्रभावित करने के लिए चल रहे विदेशी षड्यंत्रों को समझना होगा

प्रह्लाद सबनानी

भारत पर आउट्लुक को बढ़ाकर 'ओवरवेट' कर दिया है। मॉर्गन स्टैनली का मानना है कि भारत में जारी आर्थिक सुधार कार्यक्रम का असर देश की बढ़ती विकास दर पर दिखाई देने लगा है। मैक्रो-स्टेबिलिटी, मजबूत पूंजीगत व्यय और वित्तीय संस्थानों की बढ़ती लाभप्रदता भारत की अर्थव्यवस्था और अधिक मजबूती प्रदान करती दिखाई दे रही है। ओवरवेट रेटिंग का आशय यह है कि फर्म को उम्मीद है कि भारत की अर्थव्यवस्था भविष्य में और अधिक बेहतर प्रदर्शन करेगी। फर्म ने कहा है कि भारत के मैक्रो संकेतक लचीले बने हुए हैं और वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारतीय अर्थव्यवस्था (सकल घरेलू उत्पाद) 6.2 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल कर लेगी। अब जब कुछ अन्य देशों की रेटिंग घट रही है और भारत की रेटिंग बढ़ रही है तो इससे कुछ देश भारत को अपनी प्रतिस्पर्धा में खड़ा होता देख नहीं पा रहे हैं।

भारतीय सनातन संस्कृति की अपनी कुछ विशेषताएं हैं, जिनके पालन से भारत आर्थिक क्षेत्र में चंहुमुखी विकास करता दिखाई दे रहा है। परंतु, कुछ देश भारत की आर्थिक प्रगति को प्रतिस्पर्धा के नजरिए से देखते हुए इसे पचा नहीं पा रहे हैं क्योंकि आज भारत की विकास दर इन देशों से कहीं आगे निकल गई है जबकि इन देशों की न केवल विकास दर लगातार कम हो रही है बल्कि इन देशों की अर्थव्यवस्थाएं मंदी की चपेट में आती दिखाई दे रही हैं। आज पूरे विश्व में भारतीय सनातन संस्कृति सबसे पुरानी संस्कृति मानी जा रही है, अतः वैश्विक स्तर पर कुछ देश एवं संस्थान मिलाकर भारतीय सनातन संस्कृति पर लगातार प्रहार करते दिखाई दे रहे हैं ताकि न केवल भारत के सामाजिक तानेबाने को छिन्न भिन्न किया जा सके बल्कि भारत की आर्थिक विकास दर को भी प्रभावित किया जा सके। हाल ही में, भारत के मणिपुर एवं हरियाणा जैसे राज्यों में हो रहे दंगे भी सम्भवतः इसी साजिश का परिणाम दिखाई देते हैं। हाल ही में, अंतरराष्ट्रीय रेटिंग संस्थान "फिच" ने अमेरिका की रेटिंग को AAA से घटाकर AA+ कर दिया है। किसी भी देश की क्रेडिट रेटिंग के कम होने का आशय यह है कि निवेशक उस देश में निवेश करने के बारे में पुनर्विचार करने लगते हैं क्योंकि उस देश में निवेश करने में जोखिम बढ़ जाता है अतः उस देश को निवेश आकर्षित करने के लिए निवेशकों को अधिक ब्याज की दर का प्रस्ताव देना होता है। इस प्रकार, अमेरिका में विदेशी निवेश विपरीत रूप से प्रभावित हो सकता है। साथ ही, अंतरराष्ट्रीय ब्रोकरेज संस्थान ₹मॉर्गन स्टैनली₹ ने चीन, ताइवान और ऑस्ट्रेलिया पर आउटलुक को घटा दिया है। जबकि, भारत पर आउट्लुक को बढ़ाकर 'ओवरवेट' कर दिया है। मॉर्गन स्टैनली का मानना है कि भारत में जारी आर्थिक सुधार कार्यक्रम का असर देश की बढ़ती विकास दर पर दिखाई देने लगा है। मैक्रो-स्टेबिलिटी, मजबूत पूंजीगत व्यय और वित्तीय संस्थानों की बढ़ती लाभप्रदता भारत की अर्थव्यवस्था और अधिक मजबूती प्रदान करती दिखाई दे रही है। ओवरवेट रेटिंग का आशय यह है कि फर्म को उम्मीद है कि भारत की अर्थव्यवस्था भविष्य में और अधिक बेहतर प्रदर्शन करेगी। फर्म ने कहा है कि भारत के मैक्रो संकेतक लचीले बने हुए हैं और वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारतीय अर्थव्यवस्था (सकल घरेलू उत्पाद) 6.2 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल कर लेगी। अब जब कुछ अन्य देशों की रेटिंग घट रही है और भारत की रेटिंग बढ़ रही है तो इससे कुछ देश भारत को अपनी प्रतिस्पर्धा में खड़ा होता देख नहीं पा रहे हैं। अंग्रेजों ने भारत पर अपने 200 वर्षों के शासनकाल में भारतीय सनातन संस्कृति पर आक्रमण करते हुए इसको तहस नहस करने का भरपूर प्रयास किया था, हालांकि उनके प्रयास पूर्ण रूप से सफल नहीं हुए

थे। परंतु, कुछ हद तक तो उन्हें सफलता मिली ही थी, जिसके चलते भारतीय नागरिक अपने 'स्व' के भाव को भूलकर पश्चिमी सभ्यता की ओर आकर्षित हुए थे और ऐसा सोचने लगे थे कि पश्चिम से आई हुई कोई भी चीज वैज्ञानिक एवं आधुनिक है। जिसका परिणाम देश आज भी भुगत रहा है। जबकि ब्रिटेन, जापान, इजराइल, जर्मनी, अमेरिका जैसे देशों ने तो अपने नागरिकों में 'स्व' के भाव को जगाकर ही अपने आप को विकसित देशों की श्रेणी में शामिल करने में सफलता पाई थी। अंग्रेजों ने उस खंडकाल में अपनी नीतियां ही इस प्रकार की बनाई थीं कि भारतीय नागरिक आपस में जाति और पंथ के नाम पर लड़ते रहें ताकि उन्हें भारत पर शासन करने में आसानी हो। जबकि आज विश्व भर में स्थिति यह है कि सनातन भारतीय संस्कारों को वैज्ञानिक माना जा रहा है, एवं कई वैश्विक समस्याओं के हल हेतु भारत की ओर आशाभारी नजरों से देखा जा रहा है। परंतु, आज पुनः कुछ देश, अंग्रेजों के शासनकाल के दौरान अपनाए गए हथकंडों को भारत में लागू कर भारत में शांति को भंग करने का प्रयास करते दिखाई दे रहे हैं। अभी हाल ही में मणिपुर एवं हरियाणा में पनपे दंगे इसी नीति का परिणाम दिखाई देता है। मणिपुर में जहां विस्तारवादी चर्च की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता है तो वहीं हरियाणा में आतंकवादी संगठनों का हस्तक्षेप हो सकता है। कुल मिलाकर, ऐसा आभास हो रहा है कि जैसे विस्तरवादी चर्च, आतंकवादी संगठनों, नक्सलवादियों एवं कुछ विदेशी संस्थानों ने आपस में हाथ मिला लिया हो एवं यह सब मिलकर कुछ भारतीय नागरिकों को साथ लेकर भारत में अशांति फैलाने का प्रयास कर रहे हों। भारतीय संस्कृति पर हमला करते हुए "माई बॉडी माई चोईस"; "हमको भारत में रहने में डर लगता है"; "दीपावली पर पटाखे जलाने से पूरे विश्व का वायुमंडल प्रभावित होता है"; होली पर्व पर गुलाल एवं रंग बिखेरने से पानी की बर्बादी होती है" आदि नरेटिव स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है। वाशिंगटन पोस्ट एवं न्यूयॉर्क टाइम्ज लम्बे लम्बे लेख लिखते हैं कि भारत में मुसलमानों पर अन्याय हो रहा है। कोविड महामारी के दौरान भी भारत को बहुत बदनाम करने का प्रयास किया गया था। वर्ष 2002 की घटनाओं पर आधारित एक डॉक्युमेंटरी को बीबीसी आज समाज के बीच में लाने का प्रयास कर रहा है। अडानी समूह, जो कि भारत में आधारभूत संरचना विकसित करने के कार्य का प्रमुख खिलाड़ी है, उसकी तथाकथित वित्तीय अनियमितताओं पर अमेरिकी संस्थान "हिंडनबर्ग" अपनी एक रिपोर्ट जारी करता है ताकि इस समूह को आर्थिक नुक्सान हो और यह समूह भारत की आर्थिक प्रगति में भागीदारी न कर सके। हैपीनेस इंडेक्स एवं हंगर इंडेक्स में भारत की स्थिति को झूठे तरीके से पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान जैसे देशों से भी बदतर हालात में बताया जाता है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा, भारतीय मुसलमानों की स्थिति के बारे में तब विपरीत बात करते हैं जब भारतीय प्रधानमंत्री अमेरिका के दौरे पर होते हैं। ऐसा आभास होता है कि भारत के विरुद्ध यह अभियान कई संस्थानों एवं देशों द्वारा मिलाकर चलाया जा रहा है। दूसरी ओर कुछ देश, विशेष रूप से चीन, भारत के बाजारों को चीन में उत्पादित सस्ते मूल्य की वस्तुओं से पाट देना चाहता है। कुछ वर्ष पूर्व तक चीन को अपनी इस रणनीति में सफलता भी मिली थी और भारत का चीन के साथ व्यापार घाटा लगातार बढ़ता जा रहा था और भारत का लघु उदयोग लगभग समाप्त होने के कगार पर पहुंच गया था। इस सम्बंध में एक महत्वपूर्ण उदाहरण का उल्लेख यहां किया जा सकता है। फोलिक एसिड नामक एक दवाई भारत में ही बनाई जाती थी, इस दवाई को भारतीय कम्पनियां 6,000 रुपए प्रति किलोग्राम की दर पर बेचती थीं, परंतु चीन ने भारत में यह दवाई 4000 रुपए प्रति किलोग्राम की दर पर बेचना शुरू कर दिया था। इस दवाई का भारत में निर्माण करने वाली कम्पनियों को इससे घाटा होने लगा और उन्होंने भारत में इस दवाई का उत्पादन बंद कर दिया। जब भारत में चीन के लिए इस दवाई की प्रतिस्पर्धा समाप्त हो गई तो कालांतर में चीन इसी दवाई को भारत में 50,000 रुपए प्रति किलोग्राम की दर पर उपलब्ध करने लगा। इस कार्य को उत्पाद की "डम्पिंग" का नाम भी दिया जाता है। परंतु, भारत अब अन्य देशों के इन हथकंडों को पहिचान चुका है और उत्पादों की डम्पिंग को रोकने के लिए इन उत्पादों के आयात पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय लेने लगा है। अभी हाल ही में भारत सरकार ने देश में लैपटॉप, टैबलेट, ऑल-इन-वन पर्सनल कंप्यूटर, अल्ट्रा स्मॉल फॉर्म फैक्टर कंप्यूटर आदि के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया है। विदेश व्यापार महानिदेशालय द्वारा जारी अधिसूचना में कहा कि शोध एवं विकास, परीक्षण, बेंचमार्किंग और मूल्यांकन, मरम्मत और वापसी तथा उत्पाद विकास के उद्देश्य से प्रति खेप अब 20 वस्तुओं तक आयात लाइसेंस की छूट रहेगी।

आपदा से पहले कहां थी प्रदेश की तैयारी

डैम के गेट खोलने की कवायद के लिए गाइडलाइंस रिव्यू कर उसे सही तरीके से लागू किया जाना चाहिए। बिपरजोय तूफान के प्रबंधन से सबक लेना चाहिए था, लेकिन हिमाचल सरकार पुख्ता चेतावनी के बाद भी सोई रही, पूर्व योजना के अभाव में आपदा में जान-माल का नुकसान ज्यादा हुआ। आपदा के बाद सक्रियता फोटोशूट व छवि प्रबंधन की अधिक रही और उसके बाद केंद्र सरकार से मिली 400 करोड़ की राहत राशि का शुक्रिया करने से भी सरकार कतराती रही। हद तो तब हुई जब चहेतों को एक लाख रुपए नकद राहत राशि राहत मैन्युअल के खिलाफ बांटी गई।

आठ जुलाई 2023 लगभग 2 बज कर 18 मिनट हर हिमाचल वासी के मोबाइल में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का एक मैसेज आता है जिसका सार अग्रलिखित है : 'अगले 24 से 48 घंटों के दौरान हिमाचल प्रदेश में बिलासपुर, चंबा, हमीरपुर, कांगड़ा, कुल्लू और मंडी जिलों में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी बारिश के साथ भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है। किसी भी सहायता के लिए कृपया हेल्पलाइन नंबर 1070/1077 पर संपर्क करें।' उसके अगले दिन हिमाचल में भयंकर आपदा आती है। विपाशा का रौद्र रूप, शामती (सोलन) की आपदा, पहाड़ों के दरकने के साथ रास्तों का गायब हो जाना, हिमाचल ने चन्द्रताल व कुल्लू में फंसे पर्यटक भी देखे। आपदा के बाद सरकार को धीरे-धीरे ही सही, पर सक्रिय होते हिमाचल ने देखा। मैं तो बस यही कहूंगा हजूर आते आते बहुत देर कर दी। 2013 में उत्तराखंड में आपदा क्यों आई थी, क्योंकि पश्चिमी विक्षोभ और मानसून दोनों ने एक साथ दस्तक उत्तराखंड में एक साथ दी थी। वहीं इस बार हमें स्पष्ट दिख रहा था कि दक्षिणी पश्चिमी मानसून, दक्षिणी पूर्वी मानसून और पश्चिमी विक्षोभ एक साथ सक्रिय होते हुए 8, 9 और 10 जुलाई को हिमाचल में दस्तक देंगे। कराची में 6 व 7 जुलाई की भारी, बहुत भारी बारिश पश्चिमी विक्षोभ के कारण थी जो शिवालिक की पहाडियों से बढ़ते हुए धौलाधार और पीर पंजाल तक जा रही थी। इसीलिए चेतावनी भी समय रहते आम जन को राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने दे दी थी। परंतु हमें चेतावनी मिलने के बाद भी सरकारी व सामाजिक स्तर पर कहां कमी रह गयी। आखिर बांधों के गेट पहले क्यों नहीं खोले गए। आखिर नदी किनारे जाने से रोकने की चेतावनी क्यों नही दी गयी। आखिर खनन की बात आपदा के 10-15 दिन तक ही क्यों होती है। नदी के प्रवाह की मैपिंग से छेड़छाड़ क्यों होने दी गयी। पहाड़ों में सडक़ निकालने के लिये पहाड़ काटने को ही क्यों सोचा गया, उससे निकली गाद को फैंकने के लिये कोई ठोस योजना क्यों नहीं बनाई, ये प्रश्न हिमाचल के अस्तित्व से लेकर आज तक सब के ऊपर हैं और रहेंगे। हम सब इस विकास की परिपाटी के दोषी हैं। लेकिन वर्तमान आपदा की आहट के ध्यान में आने के बाद भी हिमाचल सरकार क्यों सोई रही। जब 6 जुलाई को मालूम चल गया था कि पश्चिमी विक्षोभ कराची (सिंध) से होता हुआ पंजाब के रास्ते हिमाचल के विभिन्न स्थानों में बारिश करेगा, वहीं बिपरजोय तूफान के कारण पूर्वी और पश्चिमी मानसून उसी दौरान हिमाचल में अति सक्रिय होगा तो सरकार सोई क्यों रही? क्या मुख्यमंत्री को नादौन में उनके घर में कोई जानकारी विभाग ने नहीं दी या हिमाचल में मौसम पर नजर रखने के लिये समर्पित अधिकारियों की टीम ही नहीं है। उधर गुजरात में बिपरजोय तूफान को देखते हुए वहां की सरकार ने युद्धस्तर की तैयारियां की थी। वहां 150 किलोमीटर की रफ्तार से बारिश के साथ तूफान आया, लेकिन जान का नुकसान हुआ ही नहीं। वहां गुजरात में भी तीन दिन पहले हालात मालूम हो गए थे, यहां हिमाचल में भी 6 जुलाई को सबको अंदेशा था सिवाए सरकार के। आपदा से पहले प्रबंधन शून्य था और आपदा के बाद आप सबके सामने है। श्रेय लेना, फोटोशूट, वीडियो शूट करना आपके लिए आवश्यक होगा, लेकिन जिनका आशियाना बिछड़ा है, जिनके रोजगार छिन गए हैं, वो आपदा से पहले के शून्य प्रबंधन के लिये वर्तमान सरकार को ही दोषी मान रहे हैं। बिपरजोय से लडऩे की गुजरात जैसी जिजीविषा होती तो हिमाचल आज सामान्य हो जाता। मानसून से पहले नदियों के तटों पर आवश्यक उपाय वैज्ञानिक ठंग से हर वर्ष होने चाहिए। आपदा से पहले पर्यटकों व स्थानीय वासियों के लिए सुरक्षित स्थान, भोजन सामग्री व अन्य जरूरी प्रबन्ध पहले करने चाहिए। आपदा में सबसे अधिक क्षति पानी के स्रोतों को होती है। वैकल्पिक प्रबंधन के बारे में गहनता से सोचना चाहिए। वर्तमान सरकार को इस हेतु वित्तीय प्रबंधन जल जीवन मिशन से हो सकता है, परंतु इसके लिए राजनीतिक कारणों से जल जीवन मिशन को कोसना बंद कर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट बना कर केंद्र से करोड़ों रुपये का धन केवल इसी परियोजना से मिल जाएगा। इसके साथ ही पालमपुर और बिलासपुर में दो गांव हैं- बन्दला यानी बारिश की बूंदें लाने वाला दर्रा, क्या यहां पर मौसम वेधशाला नहीं खोली जा सकती। क्या सुरक्षा की दृष्टि से जो राडार लगे हैं, वैसे ही राडार पश्चिमी विक्षोभ को मापने, उसकी तीव्रता को समझने के लिए हिमाचल में नहीं लग सकते? नदियों के रखरखाव का वार्षिक कैलेंडर नहीं बनाया जा सकता? डैम के गेट खोलने की कवायद के लिये गाइडलाइंस रिव्यू कर उसे सही तरीके से लागू किया जाना चाहिए। बिपरजोय तूफान के प्रबंधन से सबक लेना चाहिए था, लेकिन हिमाचल सरकार पुख्ता चेतावनी के बाद भी सोई रही, पूर्व योजना के अभाव में आपदा में जान-माल का नुकसान ज्यादा हुआ। आपदा के बाद सक्रियता फोटो शूट व छवि प्रबंधन की अधिक रही और उसके बाद केंद्र सरकार से मिली 400 करोड़ की राहत राशि का शुक्रिया करने से भी सरकार कतराती रही।

कुछ अलग

वाया भगेड़-घुमारवीं

भूगोल के नए अर्थों में हिमाचल में बढ़ती कनेक्टिविटी ने पांव पसारने शुरू किए हैं और अगर अगले दो साल में तमाम परियोजनाएं लक्ष्यों की काफी हद तक प्राप्ति कर लें, तो परिदृश्य की आर्थिक मजबूती भी न॰र आएगी। कीरतपुर से नेरचौक तक फोरलेन की शुरुआत ने ही अगर 37 किलोमीटर कम कर दिए, तो कल समस्त रास्तों में कम होती दूरियां हिमाचल की प्रगति को नए पैमानों से मापेंगी। आपस में जुड़ते फोरलेन प्रोजेक्ट प्रदेश के यात्रा चक्र को भी बदलेंगे। मसलन कीरतपुर से नेरचौक आती फोरलेन सडक़ का मटौर से शिमला को जोड़ती फोरलेन से मिलन भगेड़ को सारे रथ सौंप देगी। यानी कल कांगड़ा व हमीरपुर की ओर से तय होती चंडीगढ़-दिल्ली की मंजिलें वाया भगेड़-घुमारवीं भी जुड़ सकती हैं। पाठकों को याद होगा कि हमने इन्हीं कालमों में बार-बार कहा था कि हिमाचल को जोडऩे के लिए हमीरपुर के पास सबसे बड़ा संपर्क पैदा होगा, तो हवाई यात्राओं के लिए कांगड़ा एयरपोर्ट सबसे सक्रिय माध्यम बनेगा। प्रदेश की सुक्खू सरकार ने जिस गति से इस हवाई अड्डे को विस्तार देने की इच्छा शक्ति जाहिर की है, निश्चित रूप से अगले कुछ सालों में हवाई यात्रा का आयाम बदल जाएगा। हमने यह भी कहा था कि प्रदेश में रेल संपर्क केवल ऊना ट्रेन परियोजना के मार्फत होगा और अंब-अंदौरा केंद्रीय भूमिका में आ सकता है। आज जब देश के 508 रेलवे स्टेशनों में अंब-अंदौरा पर भी 20.74 करोड़ व्यय होने जा रहे हैं, तो रेल विस्तार का सपना अगले कुछ सालों में जरूर पूरा होने का विश्वास दिलाता है। भले ही सांसद एवं केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर की हमीरपुर रेल परियोजना पर अभी सन्नाटा है, लेकिन हिमाचल में रेल विस्तार की संभावना ऊना रेल परियोजना का रुख, मंदिरों और छावनियों की परिक्रमा की ओर मोडक़र ही पूरा होगा। जैसा कि हम कहते रहे हैं अंब-अंदौरा से ज्वालाजी तक अगर केंद्र सरकार की रेल परियोजना को प्राथमिकता नहीं मिल रही, तो इसे राज्यों को पचास-पचास प्रतिशत के सहयोग से मंदिर रेल परियोजना के तहत पूरा करना चाहिए। अंब-अंदौरा से ज्वालाजी तक आते-आते यह परियोजना चिंतपूर्णी को भी जोड़ देगी, जबकि आगे चल कर एक हमीरपुर की दिशा में दियोटसिद्ध और दूसरी ब्रांच कांगड़ा, चामुंडा और बैजनाथ के मंदिरों को जोड़ देगी। ज्वालाजी के केंद्र बिंदु से मंडी और रिवालसर जैसे धार्मिक स्थल भी जुड़ जाएंगे। मंदिर रेल परियोजना की आधी लागत अदा करने में मंदिरों की आय का एक बड़ा हिस्सा, कोंकण रेल परियोजना की तरह वित्तीय पोषण कर सकता है, जबकि भविष्य में इसी के माध्यम से मंदिरों की आय कई गुना बढ़ जाएगी। हिमाचल में कनेक्टिविटी के तमाम माध्यमों से पर्यटन, आईटी सेक्टर तथा कृषि-बागबानी उत्पादों की आर्थिक क्षमता का निश्चित रूप से विस्तार होगा। इतना ही नहीं, हिमाचल के लोक निर्माण विभाग को पर्वतीय आर. एंड डी. की प्रमुख संस्था बनते हुए वैकल्पिक परिवहन माध्यम की रूपरेखा सशक्त करनी होगी। प्रदेश में रज्जुमार्गों के विस्तार से कई पर्वतीय विडंबनाओं पर पार पाया जा सकता है। पहले ही सुक्खू सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग बढ़ाने के मानचित्र व प्रोत्साहन तक कर दिए हैं। यह सरकार अगर तमाम बाधाओं के बीच कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार कर पाती है, तो यह परियोजना आने वाली कई सदियां बदल देगी। इसी तरह की इच्छा शक्ति से अगर अंब-अंदौरा से ज्वालामुखी तक मंदिर रेल परियोजना का श्रीगणेश कर दिया जाए, तो ऊना, कांगड़ा, हमीरपुर से मंडी तक रेल विस्तार का नक्शा उभर जाएगा, वरना केवल केंद्र पर निर्भर होकर आने वाली कई सदियां यूं ही इंतजार में गंवानी पड़ेंगी।

देश दुनीया से

लाइसेंस राज की वापसी बनाम डिजिटल इंडिया अभियान की बाधाएं

पिछले हफ्ते केंद्र सरकार ने कंप्यूटर, सर्वर और कुछ अन्य वस्तुओं के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया था, जिसका भारतीय अर्थव्यवस्था पर मिला-जुला असर पड़ सकता है। लेकिन सरकार ने इस फैसले को फिलहाल स्थगित कर दिया है और अब यह फैसला आगामी एक नवंबर से लागू होगा। कई अन्य देशों की तरह भारत भी कंप्यूटर और उससे जुड़े उपकरणों का आयात करता है, जो कई क्षेत्रों और लोगों के कामकाज के लिए महत्वपूर्ण हैं। आजकल कार्यस्थल पर लोगों को लैपटॉप उपलब्ध कराना एक मानक बन गया है। बाइक, बस, मेट्रो और हवाई अड्डों के सुरक्षा काउंटरों पर लोगों को लैपटॉप लेकर जाते हुए देखा जा सकता है। और हमारे आसपास जितनी मात्रा में डाटा संबंधी लेन-देन एवं गतिविधियां होती हैं, वे सर्वर को हमारे कामकाज का अभिन्न अंग बनाती हैं। इसके अलावा, कोविड के लॉकडाउन के दिनों से कामकाज, शिक्षा और यहां तक कि मनोरंजन के लिए कंप्यूटर स्क्रीन का लोगों के जीवन में महत्व बढ़ गया है। इसलिए कंप्यूटर के आयात पर प्रतिबंध लगाए जाने पर दीर्घकालीन असर पड़ेगा। सरकार के फैसले में कहा गया कि उसने आयात लाइसेंसिंग का प्रस्ताव रखा है, जिसके तहत जो कंपनियां कंप्यूटर, डाटा प्रोसेसिंग मशीन और सर्वर जैसी सामग्रियां आयात करना चाहती हैं, उन्हें लाइसेंस लेना होगा। यह एक नियमित कागजी कार्रवाई जैसी लगती है, जो बड़ी कंपनियों को लाइसेंस के लिए आवेदन करने और अपना नियमित व्यवसाय जारी रखने की अनुमति देगी। हालांकि बड़े ब्रांडों को इस नई जरूरत को पूरा करने में परेशानी नहीं हो सकती है, लेकिन कम ज्ञात ब्रांडों को, जो बड़े पैमाने पर बाजार के निचले स्तर की जरूरतें पूरी करते हैं, चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। कंप्यूटर और उसके उपकरणों का बाजार कीमत के लिहाज से बहुत संवेदनशील है और कुछ हजार रुपये का अंतर भी खरीदारों एवं उनकी जरूरतों को प्रभावित कर सकता है। इसका मतलब यह होगा कि डिजिटल इंडिया अभियान से जुड़ने में लोगों के सामने बड़ी बाधाएं हो सकती हैं। छोटे शहरों और यहां तक कि गांवों में जो छात्र अपनी शिक्षा के लिए लैपटॉप या टैबलेट का खर्च उठा सकते हैं, उन्हें भी पढ़ाई और रोजगार के अवसरों तक पहुंचने में मुश्किल हो सकती है। लेकिन एक ऐसा वर्ग भी है, जो इस आयात प्रतिबंध से खुश है और वह है कंप्यूटर एवं लैपटॉप का घरेलू निर्माता वर्ग। वे इस कदम को आईटी हार्डवेयर के लिए सरकार की हालिया नवीनीकृत उत्पादन-संबद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना को बढ़ावा देने के रूप में देखते हैं। सरकारी तंत्र का मानना है कि यह कदम बड़े ब्रांडों को तैयार कंप्यूटर, लैपटॉप और सर्वर आयात करने के बजाय पीएलआई से लाभ उठाने के लिए भारत में निर्माण करने और स्थानीय स्तर पर बेचने के लिए प्रेरित करेगा। यह इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में घरेलू उत्पादन को मजबूत करने का एक उपाय हो सकता है, लेकिन इसका फायदा मिलने में काफी समय लग सकता है। सरकार के इस कदम को इस तरह से भी देखा जा सकता है कि वह चीन से कंप्यूटर, टैबलेट और सर्वरों के कल-पुर्जों पर निर्भरता को सीमित करना चाहती है। सरकार ने बार-बार चीन में बने उपकरणों का उपयोग करते समय सुरक्षा खतरों का हवाला दिया है। इसके अलावा, यह भारत में लैपटॉप एवं कंप्यूटर जैसे इलेक्ट्रॉनिक्स वस्तुओं के आयात को प्रतिबंधित कर सकता है, जो हाल के वर्षों में बढ़ा है। उदाहरण के लिए, इस वर्ष अप्रैल-जून के दौरान इलेक्ट्रॉनिक्स वस्तुओं का आयात एक वर्ष पहले की अवधि के 4.73 अरब डॉलर से बढ़कर 6.96 अरब डॉलर हो गया, जिसकी कुल आयात में चार से सात फीसदी की हिस्सेदारी है। और भारत के पर्सनल कंप्यूटर और लैपटॉप के आयात में चीन की हिस्सेदारी लगभग 70 से 80 फीसदी है। यह आयात बिल भारत के निर्यात की तुलना में बहुत कम है, जो काफी हद तक आईटी और आईटी-सक्षम सेवाओं के माध्यम से सॉफ्टवेयर और प्रौद्योगिकी पर निर्भर है। इससे हार्डवेयर की तत्काल आपूर्ति प्रभावित नहीं हो सकती, लेकिन कुछ समय बाद मौजूदा स्टॉक की कमी इनकी कीमतों को प्रभावित कर सकती है, जो अधिकतम खुदरा मूल्य की तुलना में काफी कम कीमत पर बेचे जाते हैं।

हाल ही में केंद्र सरकार ने कंप्यूटर के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया था, जिसे फिलहाल लागू नहीं किया गया है, पर इसका हमारी अर्थव्यवस्था पर मिला-जुला असर पड़ सकता है। इससे जहां डिजिटल इंडिया अभियान को झटका लग सकता है, वहीं आयात करने वाली कंपनियों को लाइसेंस लेना पड़ सकता है।

दृष्टिकोण

'अंग्रेजो भारत छोड़ो' की याद में...

जब महात्मा गांधी ने 'अंग्रेजो भारत छोड़ो' का आह्वान किया था तब भारत के राजनैतिक क्षितिज पर कैसा परिदृश्य था, इस पर विचार करना चाहिए। देश में हिन्दू-मुस्लिम तनाव चरम पर था। मुस्लिम लीग ने पाकिस्तान बनाने का ध्येय 1940 के अंत में घोषित कर दिया था। सावरकर के नेतृत्व में हिन्दू कट्टरपंथियों का एक धड़ा, जिसका प्रभाव बंगाल और सिंध में था, दो राष्ट्र के सिद्धांत से सहमत था और द्वितीय विश्वयुद्ध में ब्रिटेन का साथ देने सेना में भर्ती अभियान चला रहा था। हिंदुत्ववादी राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की सोच थी कि अंग्रेज तो स्वतः ही भारत छोडक़र चले जाएंगे, इसके लिए प्रयास क्यों करना। संघ का विश्वास गांधीजी के अहिंसक अस्त्रों- सत्याग्रह, उपवास, रचनात्मक कार्यक्रम में नहीं था। अंग्रेजी हुकूमत ने सितंबर 1939 में द्वितीय विश्वयुद्ध के बादलों के मंडराते ही भारतीय नेताओं से परामर्श किए बगैर देश को युद्ध में शामिल कर दिया था। कांग्रेस इसके खिलाफ थी। वह चाहती थी कि अंग्रेजी हुकूमत युद्ध और शांति के अपने उद्देश्यों को, विशेष रूप से भारत के संदर्भ में स्पष्ट करे। इस पर वायसराय ने गोल-मोल जवाब दिया। वे न तो युद्ध के लक्ष्य बताने के लिए सहमत हुए और न भारत की स्वतंत्रता को लेकर कोई आश्वासन दे पाए। कांग्रेस कार्यसमिति इस जवाब से संतुष्ट नहीं थी, फिर भी उसने देश के नागरिकों से सविनय अवज्ञा भंग जैसे कदम जल्दबाजी में नहीं उठाने का आग्रह किया। युद्ध के समय कांग्रेस असमंजस में भी थी। उसकी सहानुभूति ब्रिटेन जैसे मित्र राष्ट्रों के साथ थी और वह युद्ध प्रयत्नों में बाधा नहीं डालना चाहती थी। दूसरी ओर, गांधीजी युद्ध के ही खिलाफ थे। वे अहिंसा के अपने मूल सिद्धांत को त्यागने के लिए तैयार नहीं थे। गांधीजी ब्रिटिश हुकूमत को सशस्त्र और हिंसात्मक युद्ध में व्यावहारिक सहायता देने के पक्ष में नहीं थे, लेकिन वे नैतिक समर्थन देने के पक्ष में थे। आम जनता में अंग्रेजी हुकूमत के प्रति गुस्सा तो था, पर वह सरकार का विरोध करने के मूड में भी नहीं थी। कांग्रेस और गांधीजी में असहयोग आंदोलन शुरू करने को लेकर भी तीव्र मतभेद थे। कांग्रेस ने गांधीजी की सलाह के विरुद्ध, अंग्रेज हुकूमत से, युद्ध के बाद स्वतंत्रता दिए जाने के आश्वासन पर सशर्त सहयोग का प्रस्ताव रखा, लेकिन जब बात नहीं बनी तो वह पुनः गांधीजी की शरण में मार्गदर्शन के लिये आ गई। गांधीजी ने व्यक्तिगत सत्याग्रह शुरू किया और विनोबा भावे की गिरफ्तारी प्रथम सत्याग्रही के रूप में 21 अक्टूबर 1940 को हुई। सभी सत्याग्रहियों को सरकार ने गिरफ्तार तो किया, पर जैसे ही जापान ने लड़ाई में हिस्सा लिया और उसकी जीत का सिलसिला शुरू हुआ तो सत्याग्रही जेल से छोड़ दिए गए। युद्ध भूमि में जापानी हवाई जहाज भारतीय सीमा के आसपास चेन्नई से बंगाल तक मंडरा रहे थे। यह स्थिति सरकार और कांग्रेस के लिए चिंता का विषय थी। अंतरराष्ट्रीय जगत, खासकर अमेरिका के अखबारों में ब्रिटेन की भारत नीति की कटु आलोचना हो रही थी। तभी 1942 में ब्रिटिश सरकार ने सर क्रिप्स के नेतृत्व में वार्ताकारों का एक दल भारत में कांग्रेस व मुस्लिम लीग के नेताओं से बातचीत के लिए भेजा। कांग्रेस को क्रिप्स मिशन के प्रस्ताव स्वीकार नहीं थे क्योंकि इसमें भारतीयों को तत्काल उत्तरदायित्व सौंपने को लेकर कोई विचार नहीं था। गांधी जी ने क्रिप्स मिशन को 'दिवालिया बैंक का पोस्ट डेटेड चेक' कहा था। जब जापान तेजी से आगे बढ़ रहा था, अंग्रेज फौज देश की सीमाओं की सुरक्षा कर पाने में असमर्थ थी। सीमावर्ती इलाकों को जबरदस्ती खाली कराया जा रहा था। गांधीजी ने यह महसूस किया कि यदि जापानी सेना भारत में घुस आती है तो अंग्रेजों से त्रस्त जनता उन्हें अपना मुक्तिदाता मान बैठेगी और भारत अंग्रेजों की दासता से मुक्त होकर जापानियों का गुलाम बन जाएगा। गांधीजी के अनुसार अंग्रेजों के पास एक ही सम्मानजनक रास्ता बचा था, वे शांतिपूर्वक भारत को जनता के भरोसे छोडक़र चले जाएं, जनता स्वयं जापानियों से मुकाबला कर लेगी। ऐसी परिस्थितियों में एक बार फिर कांग्रेस कार्यसमिति सक्रिय हुई और उसकी बैठक 27 अप्रैल 1942 को इलाहाबाद में गांधीजी की अनुपस्थिति में हुई।

चीन ने जापान के संवेदनशील रक्षा नेटवर्क को किया हैक, अमेरिकी अखबार ने किए कई चौंकाने वाले खुलासे

टोक्यो (जापान)।

चीनी सेना ने 2020 के अंत में जापान के गोपनीय रक्षा नेटवर्क से छेड़छाड़ किया। अमेरिकी मीडिया ने यह जानकारी दी। रिपोर्ट के मुताबिक, पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीपीए) के साइबर जासूसों ने जापान के सबसे संवेदनशील कंप्यूटर सिस्टम में अपनी पैठ बना ली थी। तीन पूर्व वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी, जो साक्षात्कार लिए गए एक दर्जन वर्तमान और पूर्व अमेरिकी और जापानी अधिकारियों में से एक थे, ने कहा कि हैकर्स के पास रहस्यपूर्ण और लगातार पहुंच थी और ऐसा प्रतीत होता है कि वे किसी भी चीज के पीछे लगे हुए थे, जो उनके हाथ लग सकती थी जैसे- योजनाएं, क्षमताएं और सैन्य कमियों का आकलन। एक पूर्व अमेरिकी सैन्य अधिकारी को याद करते हुए उन्होंने कहा कि यह बहुत बुरा और चौंकाने वाला था। उन्होंने कहा कि पूर्व अमेरिकी सैन्य अधिकारी को उस घटना के बारे में जानकारी दी गई थी, जिसकी पहले रिपोर्ट नहीं की गई। जापान अपने नेटवर्क को मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। लेकिन उन्हें अभी भी बीजिंग की चुभती नजरों से पर्याप्त रूप से सुरक्षित नहीं माना जा सकता है। अधिकारियों का कहना है कि यह पेंटागन और बीजिंग के रक्षा मंत्रालय के बीच अधिक खुफिया जानकारी साझा करने में बाधा उत्पन्न कर सकता है। वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 2020 की घुसपैठ इतनी परेशान करने वाली थी कि एनएसए और अमेरिकी साइबर कमांड के प्रमुख जनरल पॉल नाकासोन और मैथ्यू पोटिंगर, जो उस समय व्हाइट हाउस के उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार थे, जापान के रक्षा मंत्री को इसकी जानकारी देने के लिए टोक्यो दौड़ पड़े थे, वे इतने चिंतित थे कि उन्होंने स्वयं प्रधानमंत्री को सचेत करने की व्यवस्था की। जब यह सब हुआ तो जापानी हैरान रह गए, लेकिन उन्होंने संकेत दिया कि वे इस मामले को देखेंगे। उस समय वॉशिंगटन राष्ट्रपति जो बाइडन की जीत का गवाह बन रहा था। जब बाइडन प्रशासन काम करने लगा, तो साइबर सुरक्षा और रक्षा अधिकारियों को एहसास हुआ कि समस्या बढ़ गई है। चीनी अभी भी टोक्यो के नेटवर्क में शामिल थे। वाशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, तब से अमेरिकी जांच के तहत, जापानियों ने घोषणा की है कि वे नेटवर्क सुरक्षा बढ़ा रहे हैं। अगले पांच वर्षों में साइबर सुरक्षा बजट को दस गुना बढ़ा रहे हैं और अपने सैन्य साइबर सुरक्षा बल को चार गुना बढ़ाकर 4,000 कर रहे हैं। इससे पहले, पिछले साल चीनी हैकरों ने कथित तौर पर देश की सुरक्षा प्रणालियों पर महत्वपूर्ण डाटा प्राप्त करने के लिए 23 मार्च को रूस के कई सैन्य अनुसंधान और विकास संस्थानों में वैज्ञानिकों और इंजीनियरों को मैलवेयर लिंक के साथ ईमेल भेजे थे।

न्यूज ब्रीफ

जी-20 समिट में यूक्रेन युद्ध मुख्य विषयों में शामिल, अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता का दावा

वाशिंगटन। यूक्रेन-रूस युद्ध अब वैश्विक चिंता का विषय बन गया है। इस वजह से भारत में होने वाले जी-20 समिट में युद्ध पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। अमेरिका के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा कि जी-20 शिकर सम्मेलन के दौरान सहयोगियों और साझेदारों के साथ बैठक और बातचीत में हम यूक्रेन युद्ध पर चर्चा करना चाहते हैं। यह हमारी बातचीत के मुख्य विषयों में से एक होगा और इसमें मुझे कोई संदेह नहीं है। मैथ्यू मिलर ने कहा कि अगले महीने भारत में होने वाले जी20 शिखर सम्मेलन में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के लिए यूक्रेन में संघर्ष पर चर्चा करना सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। यह पूछे जाने पर कि जहां तक रूस-यूक्रेन संघर्ष का सवाल है, क्या जी-20 शिखर सम्मेलन से कुछ निकलने वाला है। मैथ्यू मिलर ने मीडियाकर्मियों से कहा, मैं कहूंगा कि दुनिया भर के सहयोगियों और साझेदारों के साथ हमारी सभी बातचीत में हम यूक्रेन में युद्ध पर चर्चा करना जारी रख हुए हैं। उन्होंने कहा, यह हमेशा से उन मुख्य विषयों में से एक है जो हमारी सभी बातचीत में सामने आता है और मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि ऐसा जी-20 में भी होगा। गौरतलब है कि रूस-यूक्रेन युद्ध तब शुरू हुआ जब यूक्रेन ने नाटो सदस्यता के लिए पेशकश की और उसने इसे अस्वीकार कर दिया। यूक्रेन से अलग होने की मांग कर रहे दोनेत्सक और लुहांस्क को स्वतंत्र गणराज्य के रूप में मान्यता देने के बाद रूस ने 24 फरवरी, 2022 को अपना विशेष सैन्य अभियान शुरू किया था। रूस ने तब से यह कहना जारी रखा है कि उसके अभियानों का उद्देश्य देश को विसैन्यीकरण और नाजीकरण से दूर रखना है।

इटली में चीज में दबने से हुई व्यक्ति की मौतः 40 किलो के हजारों चीज व्हील्स ऊपर गिरे; 12 घंटे बाद मिला शव

लोम्बार्डी। इटली में चीज के नीचे दबने से 74 साल के एक व्यक्ति की मौत हो गई। इटली के लोम्बार्डी इलाके में जियाकोमो कियापारिनि नाम के एक व्यक्ति अपनी चीज फैक्ट्री में थे। इस फैक्ट्री में 40-40 किलो वजन के 25 हजार चीज व्हील्स मेटल की अलमारियों में रखे हुए थे। अचानक से एक अलमारी टूटी और चीज व्हील्स नीचे गिरने लगे। कुछ ही समय में जियाकोमो हजारों चीज व्हील्स के नीचे दब गए। रेस्क्यू टीमों ने रात भर चीज के ढ़ेर में उनकी तलाश की। टीम को अपने हाथ से चीज और अलमारियों को हटाना पड़ा। 12 घंटे बाद रेस्क्यू टीमों को उनका शव मिला। हादसे में जान गंवाने वाले व्यक्ति के प्लांट में हर साल ग्राना पडानो चीज के 15 हजार व्हील्स बनते हैं। ग्राना पडानो एक तरह का कठोर चीज होता है, जो इटली में बहुत फेमस है। चीज व्हील्स फैक्ट्री में 33 फीट की ऊंचाई तक रखे हुए थे। इस हादसे में लगभग 7 मिलियन यूरो, यानी 63.60 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ।

अमेरिका में तूफानः दस लाख घरों-प्रतिष्ठानों की बिजली गुल, पांच करोड़ लोग प्रभावित; 1000 से अधिक उड़ानें निरस्त

वाशिंगटन। पूर्वी अमेरिका फिलहाल भारी तूफान और बवंडर की चपेट में है। इस वजह से न्यूयॉर्क से अलबामा तक लगभग दस लाख घरों और व्यवसायों की बिजली गुल हो चुकी है। भारी तूफान के कारण हजारों उड़ानें भी रद्द हो चुकी हैं। करीब पांच करोड़ लोग तूफान के कारण परेशान हैं। अग्निशमन विभाग के प्रमुख ने बताया कि उत्तरी कैरोलिना में 1,00,000 लोग, पेंसिल्वेनिया में 95,000 और वहीं मैरीलैंड में 64,000 लोग अब भी बिजली न होने से परेशान हैं। 1000 से ज्यादा उड़ानों में देरी हुई है। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) ने न्यूयॉर्क, फिलाडेल्फिया, अटलांटा और वाशिंगटन डीसी में हवाईअड्डों के लिए ग्राउंड स्टॉप जारी किए गए हैं। दक्षिण कैरोलिना के एंडरसन में तूफान के दौरान इवाना क्रिस्टोफर किनले (15) अपने दादा के घर गया था। इस दौरान जैसे ही वह कार से बाहर निकला वैसे ही वह एक बार पेड़ से टकरा गया, जिससे उसकी मौत हो गई। वहीं फ्लोरेंस में 28 साल के एक व्यक्ति पर बिजली गई, जिससे उसकी भी मौत हो गई। मौसम विभाग का कहना है कि अमेरिका में बिजली गिरने से मौत होना दुर्लभ है। अमेरिका में हर साल औसतन केवल 20 लोगों ही बिजली गिरने से मारे जाते हैं। मौसम विभाग ने तूफान को सबसे प्रभावशाली गंभीर मौसम घटनाओं में से एक को चेतावनी दी थी। इस दशक में पहली बार मौसम विभाग ने डीसी शहर में चार-पांच स्तर का जोखिम जारी किया था। मौसम विभाग की चेतावनी के अनुसार, सरकारी कर्मचारियों को जल्दी घर भेज दिया था।

इमरान की गिरफ्तारी के बाद तोशाखाना गिफ्ट नीलाम होंगे

पाकिस्तान पीएम शाहबाज बोले- नीलामी की रकम से गरीबों की मदद की जाएगी

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान सरकार तोशाखाना (सरकारी खजाने) में रखे गिफ्ट्स को नीलाम करेगी। प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने इसकी घोषणा की है। उन्होंने कहा कि इन गिफ्ट्स की नीलामी से जो पैसे जमा होंगे उनका इस्तेमाल गरीबों और जरूरतमंदों की मदद के लिए किया जाएगा।

तोशाखाना मामले में पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद ये फैसला लिया गया है। खान ने प्रधानमंत्री रहते हुए अलग-अलग देशों से मिले गिफ्ट को बेच दिया था। उन्होंने तोशाखाने से इन सभी गिफ्ट्स को 2.15 करोड़ रुपए में खरीदा था, बेचने पर उन्हें 5.8 करोड़ रुपए मिले थे। बाद में खुलासा हुआ कि यह रकम 20 करोड़ से ज्यादा थी। पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक, पीएम शाहबाज शरीफ ने कहा- हमने तोशाखाना गिफ्ट्स को नीलाम करने का फैसला किया है। इससे जो पैसे जमा होंगे उनसे अनाथ बच्चों, अस्पतालों, एजुकेशन इंस्टीट्यूट, वेलफेयर ऑर्गेनाइजेशन और जरूरतमंदों की मदद की जाएगी।

तोशाखाना केस में इमरान को 3 साल की जेल

5 अगस्त को इस्लामाबाद की ट्रायल कोर्ट ने तोशाखाना मामले में खान को 3 साल की सजा सुनाई थी। कोर्ट ने पूर्व पाकिस्तानी पीएम पर एक लाख पाकिस्तानी रुपए का जुर्माना भी लगाया। इसके बाद लाहौर पुलिस ने चेयरमैन को उनके जमान पार्क स्थित घर से अरेस्ट किया था। बाद में उन्हें इस्लामाबाद लाया गया था।

अब तोशाखाना केस को तफ्सील से समझिए

चुनाव आयोग के सामने सत्ताधारी पाकिस्तानी डेमोक्रेटिक मूवमेंट ने तोशाखाना गिफ्ट मामला उठाया था। कहा था कि इमरान ने अपने कार्यकाल के दौरान विभिन्न देशों से मिले गिफ्ट को बेच दिया था। करीब दो साल पहले अबरार खालिद नाम के एक पाकिस्तानी शख्स ने इन्फॉर्मेशन कमीशन में एक अर्जी दायर की थी। कहा- इमरान को दूसरे देशों से मिले गिफ्ट्स की जानकारी दी जाए। जवाब मिला- गिफ्ट्स की जानकारी नहीं दी जा सकती। खालिद भी जिद्दी निकले। उन्होंने इस्लामाबाद हाईकोर्ट में याचिका दायर कर दी। इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने इमरान से पूछा था- आप तोहफों की जानकारी क्यों नहीं देते इस पर खान के वकील का जवाब था- इससे मुल्क की सलामती यानी सुरक्षा को खतरा है। दूसरे देशों से रिश्ते खराब हो सकते हैं। इसलिए अवाम को दूसरे देशों से मिले तोहफों की जानकारी नहीं दे सकते।

तोशाखाना का नियम क्या है

पाकिस्तान की पत्रकार आलिया शाह के मुताबिक पाकिस्तान में प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति या दूसरे पद पर रहने वालों को मिले तोहफों की जानकारी नेशनल आर्काइव को देनी होती है। इन्हें तोशाखाना में जमा कराना होता है। अगर तोहफा 10 हजार पाकिस्तानी रुपए की कीमत वाला होता है तो बिना कोई पैसा चुकाए इसे संबंधित व्यक्ति रख सकता है। तोहफे की अनुमानित कीमत अगर 10 हजार से ज्यादा है तो 20प्रतिशत कीमत देकर गिफ्ट अपने पास रखा जा सकता है। अगर 4 लाख से ज्यादा का गिफ्ट है तो इसे सिर्फ वजीर-ए-आजम (प्रधानमंत्री) या सदर-ए-रियासत (राष्ट्रपति) ही खरीद सकता है। अगर कोई नहीं खरीदता तो नीलामी होती है। इमरान ने यहां भी खेल कर दिया। 2 करोड़ का तोहफा कहीं 5 लाख तो कहीं 7 लाख का बता दिया। इसी कीमत पर इन्हें खरीदा और फिर ओरिजिनल कीमत से भी कई गुना ज्यादा पर बेच दिया। यह काम जुल्फी बुखारी और बुशरा बीबी की दोस्त फराह खान उर्फ फराह गोगी ने किया था। एक और खास बात यह है कि फराह गोगी उसी दिन (10 अप्रैल 2022) पाकिस्तान से एक प्राइवेट जेट से फरार होकर दुबई पहुंच गई थीं, जिस दिन इमरान खान की सरकार गिरी थी।

पत्नी बुशरा भी आरोपी

तोशाखाना केस दो तरह से चल रहा है। इसमें इमरान की सुनवाई अदालत में हो रही है। इसके अलावा उनकी पत्नी बुशरा बीबी को एंटी करप्शन एजेंसी पूछताछ के लिए बुला रही है, क्योंकि तोशाखाना के करोड़ों रुपए के तोहफे बुशरा ने ही बेचने के लिए दिए थे। बुशरा बीबी को भी जांच एजेंसी के सामने पेश होना है। अब तक कुल 13 बार बुशरा को जांच एजेंसी ने पेश होने के लिए नोटिस दिया है, लेकिन वो एक भी बार पेश नहीं हुईं। इसके बाद जांच एजेंसी ने अखबारों में एक इश्तिहार निकलवाया और कहा कि अगर बुशरा बीबी पेश नहीं हुईं तो उनके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया जाएगा। इसके बाद इमरान ने एक पिटीशन लाहौर हाईकोर्ट में दायर की थी। कहा- मेरी पत्नी घरेलू महिला हैं और उनका सियासत से कोई ताल्लुक नहीं है। लिहाजा, उन्हें पूछताछ से राहत दी जाए। दूसरी तरफ, इसी रिपोर्ट में कहा गया है कि इमरान के खिलाफ बेहद पुख्ता सबूत हैं और यही वजह है कि वो किसी न किसी बहाने से सुनवाई को लंबे वक्त तक लटकाना चाहते हैं।

अधिकारियों का गायब होना नहीं कोई संयोग! चीन कर रहा अपनी रणनीति में बदलाव

बीजिंग।

चीन में लगातार बड़े -बड़े रैंकों के अधिकारी गायब हो रहे हैं। ऐसे में यह स्पष्ट हो गया है कि चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) अपनी रणनीति में बदलाव कर रही है। हालांकि, पीपुल्स लिबरेशन आर्मी रॉकेट फोर्स (पीएलएआरएफ) के शीर्ष दो जनरलों को बदलने व विदेश मंत्री किन गैंग के लापता होने पर सीसीपी के अध्यक्ष शी जिनपिंग ने अभी तक कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया है। ऐसे में अधिकारियों का गायब होना चीन में भ्रष्टाचार के आरोपों का एक पुराना पैटर्न दर्शाता है। गौरतलब है, किन को आखिरी बार 25 जून को देखा गया था। इसके बाद अभी तक उनका कुछ पता नहीं लगा है। ऐसे में, राष्ट्रपति शी ने 25 जुलाई को आधिकारिक तौर पर किन को विदेश मंत्री के पद से हटा दिया। चीन के 57 वर्षीय पूर्व विदेश मंत्री किन गैंग को एक महीने से अधिक समय से सार्वजनिक रूप से नहीं देखा गया है। कुछ लोगों का मानना है कि गैंग का टीवी एंकर फू शियाओटियन के साथ अफेयर चल रहा है। उनका एक बच्चा भी है। अफवाह है कि जब से मंत्री गायब हैं, तब से ही यह दोनों लोग भी लापता हैं। शादीशुदा किन ने दिसंबर 2022 में चीन के विदेश मंत्री का पद संभाला था। वह अपने जवाब देने और कूटनीतिज्ञ के रूप में जाने जाते हैं। गैंग ने 10 साल तक विदेश मंत्री रहे वांग यी का स्थान लिया था। बता दें, अब गैंग के गायब होने के बाद एक बार फिर वांग को वापस विदेश मंत्री नियुक्त किया गया है। गैंग चीन के सबसे कम समय तक रहने वाले विदेश मंत्री हैं। उन्होंने मात्र 207 दिन ही विदेश मंत्री के रूप में काम किया। हालांकि, चीन के अलावा पूरी दुनिया किन गैंग के बारे में जानना चाहती है। एक सर्च इंजन पर जुलाई के मध्य में केवल एक सप्ताह में गैंग की खोज में 5 हजार प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई थी। कहा जा सकता है कि चीन को किन से ज्यादा पीएलएआरएफ के भीतर हो रही उथल-पुथल की चिंता सता रही है। बता दें, पीएलएआरएफ चीन के परमाणु-मिसाइल शस्त्रागार के लिए जिम्मेदार बल है। एक दशक से पीएलए के लोगों को लगातार गायब होते देखा जा रहा है। पहले कमांडर जनरल ली युचाओ और राजनीतिक कमिश्नर जनरल लियू गुआंगबिन को कई महीनों तक नहीं देखा गया। फिर बाद में उन्हें पदों से हटा दिया गया था। एक बार फिर लोगों के बीच चर्चा तब उठी, जब जून के अंत में शी की अध्यक्षता में आयोजित एक पदोन्नति समारोह में जनरल ली को नहीं देखा गया।

यूक्रेन के बढ़ते हमलों के बीच चौकन्ना हुआ रूस, मॉस्को की तरफ आते दो ड्रोन मार गिराए

मॉस्को।

रूस और यूक्रेन युद्ध को डेढ़ साल से ज्यादा होने के बावजूद अब तक इस संघर्ष का कोई नतीजा नहीं निकला है। खासकर युद्धक्षेत्र में भारी नुकसान के बावजूद दोनों देश पूरी ताकत लगा रहे हैं। रूस की ओर से यूक्रेन की जमीन-बंदरगाह कब्जाए जाने के बाद कीव की ओर से भी रूस में घुसकर हमले करने की घटनाएं सामने आई हैं। इनमें क्रीमिया और मॉस्को जैसे रूस के अहम केंद्रों पर यूक्रेनी ड्रोन से कथित हमले भी शामिल हैं। इस बीच इन हमलों को देखते हुए रूस की तरफ से सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। बताया गया है कि रूस ने मॉस्को की तरफ आ रहे दो ड्रोन्स मार गिराए। मॉस्को के मेयर सर्गेई सोबयानिन ने खुद दावा किया है कि दो ड्रोन्स यूक्रेन की तरफ से मॉस्को में घुसने की कोशिश कर रहे थे। इस दौरान शहर के बाहर लगे मिसाइल डिफेंस सिस्टम ने उन्हें मार गिराया। उन्होंने अपने टेलीग्राम चैनल पर बताया कि एक ड्रोन डोमोदेदोवो इलाके में गिरा, जबकि दूसरा ड्रोन मिंस्कोए हाईवे के करीब गिरकर ध्वस्त हो गया। इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। इस घटना के कुछ देर बाद ही रूस के रक्षा मंत्रालय ने बयान जारी कर ड्रोन्स के मॉस्को में घुसने की कोशिश असफल किए जाने की जानकारी दी। रक्षा मंत्रालय ने इसे यूक्रेन की ओर से अंजाम दी जा रही आतंकी घटना करार दिया।

रूस पर आक्रामक है यूक्रेन

एक दिन पहले ही यूक्रेन ने रूस के एक मुखबिर को गिरासत में लिया था। दावा था कि यह मुखबिर यूक्रेन पर हवाई हमले की फिराक में था। विदेशी मीडिया के मुताबिक, यूक्रेनी सुरक्षा सेवा (एसबीयू) ने बताया कि एक रूसी मुखबिर को हिरासत में लिया गया है। आरोपी राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की की मायकोलाइव क्षेत्र की यात्रा के दौरान हवाई हमले की फिराक में थी। कथित मुखबिर यूक्रेनी राष्ट्रपति की यात्रा से पहले खुफिया जानकारी इकट्ठा कर रही था। महिला यात्रा के सभी मार्गों और इलाकों का दौरा कर वहां की जानकारी इकट्ठा कर रही थी। यूक्रेन की एसबीयू का कहना है कि वह दक्षिणी यूक्रेन के ओचकोव शहर में रहती थी।

ट्रम्प बोले- हमारे देश पर हमला हो रहा: 5 महीने में दूसरी बार कहा-सत्ता में आया तो सबसे बड़ा डिपोर्टेशन ऑपरेशन चलाऊंगा

वॉशिंगटन।

अमेरिका के पूर्व प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रम्प का कहना है कि अगर वो सत्ता में वापस आए तो सबसे बड़ा डिपोर्टेशन ऑपरेशन चलाएंगे। ट्रम्प न्यू हैम्पशायर शहर में सभा को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा- हमारे देश पर हमला हो रहा। अगर मैं सत्ता में आया तो सभी जरूरी स्टेट, लोकल, फेडरल और मिलिट्री रीसोर्सेस का इस्तेमाल करके अमेरिकी इतिहास का सबसे बड़ा डिपोर्टेशन ऑपरेशन चलाऊंगा।

डिपोर्टेशन ऑपरेशन का दूसरी बार जिक्र

ट्रम्प ने दूसरी बार सबसे बड़े डिपोर्टेशन ऑपरेशन चलाने का जिक्र किया है। इसके पहले 5 मार्च को उन्होंने स- मैक्सिको बॉर्डर के जरिए अवैध रूप से अमेरिका आने वाले प्रवासियों और बाइडेन एडमिनिस्ट्रेशन की गलत नीतियों को लेकर डिपोर्टेशन ऑपरेशन चलाए जाने की बात कही थी।

उन्होंने कहा था- 2022 में स-मैक्सिको बॉर्डर से लाखों की संख्या में अवैध प्रवासी अमेरिका में घुसे थे। अक्टूबर 2021 से सितंबर 2022 के बीच अमेरिकी अधिकारियों ने मैक्सिको सीमा पर रिकॉर्ड 22 लाख प्रवासियों को पकड़ा था। ये बाइडेन एडमिनिस्ट्रेशन की प्रवासियों को रोकने की नाकाम नीति है।

ट्रम्प ने कहा था- अवैध प्रवासियों को ढूंढकर बाहर निकालेंगे

ट्रम्प ने कंजर्वेटिव पॉलिटिकल एक्शन कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा था- हम बॉर्डर पर डिपोर्टेशन ऑफिसर तैनात करेंगे। एक-एक अवैध प्रवासी को ढूंढकर उन्हें वापस भेजेंगे। हम बॉर्डर पर दीवार बना देंगे। गैरकानूनी इमिग्रेशन हमेशा से ट्रम्प का चुनावी मुद्दा रहा है। 2016 के चुनाव कैंपेन में भी ट्रम्प ने यही मुद्दा उठाया था।

मैंने आप लोगों के लिए बलिदान दिया है : ट्रम्प

न्यू हैम्पशायर में सभा को संबोधित करते हुए ट्रम्प ने ये दिखाने की कोशिश की कि उन्होंने अमेरिका के लोगों के लिए बलिदान दिया है। ट्रम्प ने कहा- मुझे आपके लिए दोषी ठहराया गया है। वो मेरी आजादी छीनना चाहते हैं, क्योंकि में उन्हें आपकी आजादी कभी छीनने नहीं दूंगा। वो मुझे चुप कराना चाहते हैं, क्योंकि में उन्हें आपको चुप कराने नहीं दूंगा।

ट्रम्प पर 5 महीने में तीन क्रिमिनल केस

ट्रम्प पर 5 महीनों में तीन क्रिमिनल दर्ज किए गए हैं। पहला- पूर्व प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रम्प पर 2020 चुनाव परिणामों को पलटने का प्रयास करने के मुकदमे में दायर चार्जशीट में ट्रम्प पर चार आरोप लगे हैं। इनमें देश को धोखा देने की कोशिश, सरकारी कामकाज में बाधा डालने की साजिश और जनता के अधिकारों के खिलाफ साजिश रचने जैसे आरोप हैं। दूसरा- ट्रम्प पर पोर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल को पैसे देकर चुप कराने और इलेक्शन कैंपेन के दौरान बिजनेस रिकॉर्ड में हेराफेरी करने के केस चल रहा है। इस मामले में उन पर मैनहैटन की कोर्ट में 34 आरोप तय किए गए हैं।

मिस यूनिवर्स इंडोनेशिया सेक्स स्कैंडल

6 कंटेस्टेंट्स बोलीं- ऑर्गनाइजर्स ने 20 लोगों के सामने टॉपलेस किया; पुलिस ने कहा- कुछ सबूत मिले

जकार्ता।

मिस यूनिवर्स इंडोनेशिया कॉम्पिटिशन में शिरकत के लिए विनर चुनते वक्त ऑर्गनाइजर्स पर 6 लड़कियों को टॉपलेस करने का आरोप लगा है। विक्टिम्स ने एकजुट होकर पुलिस और फेडरल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी के पास इसकी शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने भी माना है कि उसे इस घटना से जुड़े कुछ सबूत मिल चुके हैं और जांच तेजी से की जा रही है। यह ब्यूटी पेजेंट राजधानी जकार्ता में 29 जुलाई से 3 अगस्त के बीच कराया गया था। इसमें हिस्सा लेने वाली 6 लड़कियों का आरोप है कि उन्हें एक अलग कमरे में ले जाया गया और वहां 20 लोगों के सामने टॉपलेस होने को कहा गया। उनके फोटो लिए गए और वीडियो बनाए गए। यह मामला सामने आने के बाद इंडोनेशिया की सियासत में भी बवाल होना तय माना जा रहा है। इंडोनेशिया की आबादी करीब 28 करोड़ है। यह दुनिया की चौथी सबसे बड़ी आबादी वाला मुल्क है। इंडोनेशिया में ही दुनिया के सबसे ज्यादा मुसलमान रहते हैं।

फिजिकल एग्जामिनेशन तो बहाना था

इंडोनेशियाई मीडिया के मुताबिक मिस यूनिवर्स इंडोनेशिया ब्यूटी कॉन्टेस्ट में हिस्सा लेने वाली 6 लड़कियों का आरोप है कि ऑर्गनाइजर्स ने फिजिकल एग्जामिनेशन को बहाना बनाया। उनसे कहा गया कि टॉपलेस होकर ब्यूटी चेक करवाना होगा। इसके लिए उन्हें एक अलग कमरे में ले जाया गया। यहां 20 लोग मौजूद थे। इनमें से ज्यादातर पुरुष थे। पांच लड़कियों को एक ही बार में टॉपलेस होने को कहा गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक इन पांचों लड़कियों को टॉपलेस होना पड़ा और ऑर्गनाइजर्स ने बाद में इनके फोटोग्राफ भी लिए। उस कमरे में मौजूद एक महिला ने इसकी पुष्टि भी की है। अब यह फोटोग्राफ कुछ मीडिया हाउस के हाथ लग चुके हैं और इन्हें फेस ब्लर करने के बाद जारी भी किया गया है।

ऑर्गनाइजर्स ने चुप्पी साधी

यह मामला सामने आने के बाद इस इवेंट के ऑर्गनाइजर्स का जवाब जानना चाहा। हालांकि, उनकी तरफ से किसी सवाल का जवाब नहीं दिया गया। इस इवेंट को इंडोनेशियाई कंपनी पीटी केपेला कर्या ने ऑर्गनाइज किया था। इसके फाउंडर का नाम पॉपी केपेला है। पॉपी तो चुप रहे ही, उनकी कंपनी के स्पोक्सपर्सन ने भी चुप्पी साध ली। दूसरी तरफ, मिस यूनिवर्स ऑर्गनाइजेशन ने भी इस बारे में फिलहाल कुछ भी कहने से इनकार कर दिया है। हालांकि, एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ऑर्गनाइजेशन इस मामले की जांच कर रहा है।

ब्यूटी कॉन्टेस्ट का विरोध करते रहे हैं मुस्लिम संगठन

मामले की गंभीरता को देखते हुए जकार्ता पुलिस इसकी तेजी से जांच कर रही है। उसके प्रवक्ता ट्रुनोयदो बिष्णु अंदिको ने कहा- यह बात सही है कि इस इवेंट में शिरकत करने वाली लड़कियों ने लिखित शिकायत की है। मामले की जांच की जा रही है। इंडोनेशिया दुनिया में सबसे ज्यादा मुस्लिम आबादी वाला मुल्क है। यहां के कई धार्मिक संगठन ब्यूटी कॉन्टेस्ट्स का विरोध करते रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले साल मुल्क के सेलिब्रिटी मीडिया टायकून और ट्रांसजेंडर राइट्स एडवोकेट जेकपोंग ने मिस यूनिवर्स इंडोनेशिया कॉन्टेस्ट कराया था। इस पर करीब 20 लाख डॉलर खर्च हुए थे।

अल सल्वाडोर में होगा मिस यूनिवर्स

जिस इवेंट को लेकर इंडोनेशिया और अब धीरे-धीरे दुनिया में बवाल मच रहा है, वो पहले ही काफी विवादों में रहा है। यही वजह है कि इंडोनेशिया का एक बड़ा वर्ग इस तरह के ब्यूटी पेजेंट्स के खिलाफ आवाज उठाता है।

पंजाब में निकल रहा है कानून व्यवस्था का जनाजा : सुनील जाखड़

कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष समेत कई नेता भाजपा में शामिल

चंडीगढ (हिंस)। प्रदेश भाजपा प्रधान सुनील जाखड़ ने कहा है कि हजारों युवाओं को सम्मानजनक रोजगार देने का दावा करने वाली पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार का सही चेहरा सामने आ गया है। होशियारपुर में सीवरमैन और सफाई कर्मचारी के रूप में रोजगार हासिल करने के लिए 160 किलोमीटर की दूरी तय करके पहुंचे युवाओं में एक सिविल इंजीनियर और एमसीए तक शिक्षित युवक शामिल हैं। सुनील जाखड़ बुधवार को प्रदेश मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सफाई कर्मचारी हमारे भाई हैं और काम कोई छोटा नहीं है। लेकिन इतनी उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बावजूद उन्हें यदि योग्यता के अनुसार रोजगार नहीं मिलता तो यह हमारे सिस्टम के माथे पर कलंक है। अब भी सीवरमैन व सफाई कर्मचारी कई स्थानों पर सीवर हॉल में दाखिल

होकर सफाई करने पर मजबूर हैं। उन्हें समुचित उपकरण और सुविधाएं उपलब्ध नहीं करवाये जा रहे। यदि लाखों खर्च कर उच्च शिक्षा के मुकाम तक पहुंचने वाले युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा तो मुख्यमंत्री भगवंत मान को झूठा दावा और प्रचार करने से परहेज करना चाहिये। प्रदेश भाजपा प्रधान ने कहा कि दिल्ली में लेफ्टिनेंट गवर्नर से टकराव का जो रास्ता अपनी खामियों पर पर्दा डालने के लिए आम आदमी पार्टी की सरकार ने अपनाया उसी का अनुकरण पंजाब में करने की तैयारी चल रही है। जो दुर्भाग्यपूर्ण है। संविधान की धज्जियां उड़ाने का किसी भी पार्टी को कोई अधिकार नहीं है। राज्यपाल से टकराव की बजाय पंजाब सरकार को प्रदेश में बेरोजगारी व कानून-व्यवस्था जैसी प्रमुख चुनौतियों से निपटने पर ध्यान देना चाहिए। इस अवसर पर पंजाब ब्राह्मण सभा और अखिल भारतीय ब्राह्मण फैडरेशन के पूर्व अध्यक्ष किशोर चंद शर्मा के पौत्र राजवीर शर्मा अमृतसर, फाजिल्का जिला कांग्रेस के सबसे कम उम्र वाले पूर्व प्रधान रंजन कामरा, पिछड़ी जाति आयोग के पूर्व वरिष्ठ उप प्रधान सुखविन्द्र सिंह काका कंबोज आदि ने भाजपा में शामिल होने का ऐलान किया। इस अवसर पर फाजिल्का भाजपा के जिला प्रधान राकेश धुरिया, अमृतसर जिला भाजपा के प्रधान हरविंदर सिंह सिद्धू व पूर्व संसदीय सचिव जगदीप नकई भी उपस्थित थे।

कांग्रेस विधायक दल की बैठक अगले सप्ताह चंडीगढ़ में

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा विधानसभा के मानसून सत्र से पहले कांग्रेस ने विधायक दल की बैठक बुलाई है। बैठक में पार्टी प्रभारी दीपक बाबरिया विशेष रूप से मौजूद रहेंगे। बाबरिया चार दिन के लिए चंडीगढ़ आ रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा भी 16 अगस्त से चंडीगढ़ में रहेंगे। हरियाणा कांग्रेस की तरफ से पहले बुधवार को विधायक दल की बैठक बुलाई गई थी। नूंह दंगों की वजह से दक्षिण हरियाणा के कई विधायकों ने आज चंडीगढ़ पहुंचने में असमर्थता जाहिर की तो बैठक को रद्द कर दिया गया। बताया जा रहा है कि कांग्रेस प्रभारी दीपक बाबरिया के हस्तक्षेप पर यह बैठक स्थगित हुई है। बाबरिया 16 से 21 अगस्त तक चंडीगढ़ में चार लोकसभा क्षेत्रों की बैठक करेंगे। बाबरिया ने स्वयं भी कांग्रेस विधायक दल की बैठक में शामिल होने की इच्छा जाहिर की है। विधानसभा का मानसून सत्र 25 अगस्त से है। ऐसे में कांग्रेस की यह बैठक 16 या 17 अगस्त को होने की संभावना है।

मोक्ष के लिए योग आवश्यक : डॉ. मोक्षराज

जयपुर (हिंस)। योग केवल आसनों की विभिन्न मुद्राओं का ही नाम नहीं है, बल्कि योग मनुष्य का सर्वांगीण विकास करता है। अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य तथा अपरिग्रह आदि सद्व्यवहार प्रकृति तथा समाज के संतुलन के लिए आवश्यक हैं। योग ही मोक्ष का साधन है। यह विचार महर्षि दयानंद सरस्वती की 200वीं जयंती के क्रम में आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान एवं आर्यसमाज आदर्शनगर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित योग-स्वाध्याय-सेवा शिविर में योग सिखा रहे डॉ. मोक्षराज ने आर्यसमाज आदर्शनगर में व्यक्त किए। अमेरिका स्थित भारतीय राजदूतावास में नियुक्त रहे प्रथम सांस्कृतिक राजनयिक एवं भारतीय संस्कृति शिक्षक डॉ. मोक्षराज ने कहा कि हम योगाभ्यास एवं सदाचार के द्वारा ही मोक्ष पा सकते हैं। योग के अंतर्गत आसन, प्राणायाम व ईश्वर के ध्यान का विषय महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं आर्यसमाज आदर्श नगर जयपुर के कार्यकारी प्रधान रवि नय्यर ने दीप प्रज्वलित कर योग शिविर का शुभारंभ किया। उन्होंने पंच दिवसीय योग स्वाध्याय सेवा शिविर के लिए अपनी शुभकामनाएं व्यक्त की। इस अवसर पर ब्रह्मचारी सोम ने मंत्रोच्चारण किया। योगगुरु डॉ. मोक्षराज यज्ञ के बाद सुबह शाम योगदर्शन, श्रीमद्भावगतगीता एवं ईशोपनिषद की कथा भी कह रहे हैं।

पंजाब में चल रहे गैर कानूनी ट्रैवल एजेंटों पर होगी कार्रवाई : धालीवाल

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब सरकार राज्य में गैर कानूनी ढंग से काम कर रहे ट्रैवल एजेंटों, संस्थाओं और एजेंसियों पर सख्त कार्रवाई करेगी। पंजाब के एनआरआई मामले और शासन सुधार मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल ने कहा है कि जिलों में लाइसेंसों और अन्य जरूरू मंजूरियां आदि की चेकिंग की जा रही है। धालीवाल ने बुधवार को विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक के बाद बताया कि अब तक 7179 ट्रैवल एजेंटों, एजेंसियों, दफ्तरों की जानकारी एकत्रित की गई है, जिनमें से 3547 की चेकिंग की जा चुकी है। उन्होंने बताया कि चेकिंग के दौरान 271 संस्थाएं गैर कानूनी पाई गई हैं और 25 पर एफआरआई दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि कुल 609 शिकायतों में से 588 का निपटारा हो चुका है और बकाया 21 मामले कार्रवाई अधीन हैं।

नदी भूमि में बसे लोगों के आवास तोड़ने पर रोक, मांगा जवाब

जयपुर (हिंस)। राजस्थान हाईकोर्ट ने झुंझुनूं की गुढा तहसील के गांव मेनपुरा की नदी भूमि में बसे लोगों के आवास तोडने पर अंतरिम रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने प्रमुख राजस्व सचिव, झुंझुनूं कलेक्टर और गुढा तहसीलदार को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस इंद्रजीत सिंह की एकलपीठ ने यह आदेश तारा चंद व अन्य की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में अधिवक्ता निखिल सैनी ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता अपने परिवार के साथ कई सालों से मेनपुरा गांव में रहते हैं। राजस्व रिकॉर्ड में 1.49 हेक्टर इस भूमि को गलती से नदी भूमि के रूप में दर्ज कर दिया गया है। जबकि वास्तव में नदी यहां से करीब डेढ़ किलोमीटर दूर है। याचिका में कहा गया कि स्थानीय तहसीलदार ने याचिकाकर्ताओं को यहां से अपने निर्माण हटाने के लिए नोटिस जारी कर रखा है। जबकि सच्चाई यह है कि इस भूमि को राजस्व रिकॉर्ड में गलती से नदी भूमि के रूप में दर्शा रखा है। इस भूमि के आसपास की सारी भूमि आबादी भूमि के तौर पर दर्शायी गई है और नदी का बहाव क्षेत्र इतनी छोटी जमीन पर नहीं हो सकता। इसके अलावा राजस्व रिकॉर्ड में सुधार के लिए उपखंड अधिकारी के समक्ष दावा भी लंबित चल रहा है। याचिका में गुहार की गई है कि राजस्व रिकॉर्ड की गलती के कारण याचिकाकर्ताओं को उनके स्थान से नहीं हटाया जाए और उनके पक्के निर्माण को तोड़ने के संबंध में की जा रही कार्रवाई को भी रद्द किया जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी करते हुए निर्माण तोड़ने की कार्रवाई पर अंतरिम रोक लगा दी है।

पंजाब में युवाओं के सशक्तिकरण के लिए जल्द लाई जाएगी नई यूथ पॉलिसी : मीत हेयर

शहीद भगत सिंह राज्य पुरस्कार प्रणाली तर्कसंगत बनाई जाएगी

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के युवा सेवाएं मंत्री गुरमीत सिंह मीत हेयर ने कहा कि नौजवानों की ऊर्जा को सही दिशा देने और उनमें लीडरशिप के गुण और आत्म विश्वास पैदा करने के लिए नयी यूथ पॉलिसी लाई जा रही है। मुख्यमंत्री भगवंत मान के निर्देशों पर यूथ क्लबों के लिए पहली बार अवार्ड शुरू किया जा रहा है। इसी तरह नौजवानों को दिए जाने वाले शहीद भगत सिंह राज्य युवा पुरस्कार के लिए चयन प्रणाली को तर्कसंगत बनाया जाएगा। बुधवार को पंजाब सिविल सचिवालय में विभाग की समीक्षा बैठक करते हुए मीत हेयर ने कहा कि गांवों में सामाजिक भलाई के काम, नशों के खिलाफ जागरुकता, खेल और सांस्कृतिक आदि गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए यूथ क्लब आगे आएं। उन्होंने कहा कि राज्य की 40 प्रतिशत से अधिक जनसंख्या नौजवानों की है, इसलिए उनके सशक्तिकरण के लिए व्यापक यूथ पालिसी बनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि पिछले साल की तरह इस बार भी पंजाब राज्य अंतर यूनिवर्सिटी युवा मेला बनाया जाए, जिससे नौजवानों की भीतरी प्रतिभा निखर कर सामने आए। मीत हेयर ने कहा कि विभाग में सहायक निदेशक के खाली पदों को तुरंत भरने के लिए दूसरे विभागों से काबिल अधिकारियों को डैपूटेशन पर लाने की योजना बनाई जाए और साथ ही पंजाब लोक सेवा कमीशन को खाली पद भरने के लिए भी लिखा जाए। उन्होंने कहा कि युवा भवन के निर्माण का काम मुकम्मल किया जाए।

गोपाल कांडा के कई ठिकानों पर ईडी की रेड

गुरुग्राम (हिंस)। एयरहोस्टेस आत्महत्या केस से बरी हुए सिरसा के विधायक गोपाल कांडा पर अब ईडी ने शिकंजा कस दिया है। ईडी ने बुधवार को गोपाल कांडा के सिरसा तथा गुरुग्राम आवास व दफ्तरों में छापेमारी की। बुधवार की सुबह छह बजे ही ईडी की टीम ने विधायक गोपाल गोयल कांडा के सिरसा व गुरुग्राम सिविल लाइन स्थित आवास और ओल्ड ज्यूडिशियल कॉम्पलेक्स स्थित एमडीएलआर कार्यालय में दस्तक दी। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था भी पुख्ता रही। घंटों तक ईडी की टीम ने उनके दोनों ठिकानों पर फाइलों की जांच-पड़ताल की। एयरहोस्टेस केस में बरी होने के बाद गृह नगर सिरसा पहुंचने पर गोपाल कांडा का भव्य स्वागत हुआ था। उन पर पुष्प वर्षा की गई थी। एक तरह से उनके लिए बरी होना राजनीतिक रूप से मजबूत होना माना गया। बिजनेस के लिहाज से उनका संकट अब ईडी की छापेमारी से बढ़ गया है। गीतिका सुसाइड केस के चलते गोपाल कांडा की हुड्डा सरकार में गृह राज्य मंत्री की कुर्सी तक चली गई थी।बरी होने के बाद एक बार फिर से गोपाल कांडा दिल्ली में मुख्यमंत्री मनोहर लाल से मुलाकात करने पहुंचे। कांडा सरकार से सिरसा में कई विकास परियोजनाओं के लिए अनुदान भी ले चुके हैं। बुधवार को ईडी की यह कार्रवाई सिरसा व गुरुग्राम में कई घंटे तक चली। बताया जाता है कि गोपाल कांडा अपनी एयरलाइन एमडीएलआर का काम तो बंद कर चुके हैं लेकिन उसके नाम से तीन जहाज अभी भी कांडा के कब्जे में हैं। इसके अलावा उनका कथित तौर पर एक होटल चेन व कैसीनो कारोबार में भी हिस्सा है। इन सब कार्यों की जांच के लिए ईडी ने आज सर्च की है।

बीएसएफ का पश्चिमी सरहद पर कल से 17 अगस्त तक ऑपरेशन अलर्ट

जैसलमेर (हिंस)। सीमा सुरक्षा बल राजस्थान फ्रंटियर ग्यारह से सत्रह अगस्त तक सरहद पर ऑपरेशन अलर्ट शुरू करेगा। स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर किसी भी प्रकार की घुसपैठ या तस्करी की आशंका को देखते हुए बल बीएसएफ भारत-पाकिस्तान अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर अपनी नियमित गश्त और चौकसी बढ़ाएगा। बीएसएफ सूत्रों के अनुसार ग्यारह अगस्त से शुरू यह ऑपरेशन सत्रह अगस्त तक चलेगा। बॉर्डर पर तारबंदी के नजदीक जवानों के साथ उनका हौसला अफजाई करने अधिकारी भी तैनात रहेंगे और कड़ी निगरानी रखी जाएगी। ऑपरेशन अलर्ट के चलते बीएसएफ की सभी विंग एक्टिव रहेगी। अलर्ट के दौरान सरहद पर नफरी बढ़ाई जाएगी। ऑपरेशन के दौरान तारबंदी में गैप पर भी ज्यादा नजर रखी जाएगी। ज्यादा से ज्यादा

डिजीटल गैजेट्स का उपयोग किया जाएगा। इसके अलावा सीमावर्ती गांवों पर भी नजर रखी जाएगी। बीएसएफ के जवान अत्याधुनिक हथियारों से लैस होकर गश्त करेंगे। चौकसी के लिहाज से सबसे दुरूह और दुर्गम मानी जाने वाली सीमा पर तारबंदी के निकट बीएसएफ के अधिकारी व्हिकल, कैमल व फुट पेट्रोलिंग के माध्यम से दिन रात लगातार पेट्रोलिंग करेंगे। इस दौरान बढ़ी हुई पेट्रोलिंग आम दिनों में होने वाली पेट्रोलिंग व गश्त से अधिक होगी। ऑपरेशन अलर्ट में खुर्रा चैकिंग भी तेज कर दी जाती है। ऑपरेशन अलर्ट के दौरान सीमा पर बीएसएफ की इंटेलीजेंसी विंग भी सक्रिय रहती है। इसके अलावा अन्य खुफिया एजेंसियों व स्थानीय निवासियों और पुलिस से भी बीएसएफ का तालमेल रहता है।

मणिपुर हिंसा के विरोध में पंजाब बंद का मिला-जुला असर, मोगा में चली गोली

चंडीगढ़ (हिंस)। मणिपुर हिंसा के विरोध में आयोजित पंजाब बंद का मिला-जुला असर देखने को मिला है। बंद के दौरान राज्य के मोगा जिले में स्थिति तनावपूर्ण हो गई और दुकानदार ने गोली चला दी, जिससे एक प्रदर्शनकारी घायल हो गया। स्थिति बेकाबू होने के बाद भारी पुलिस बल को तैनात किया गया। पंजाब में बुधवार को दलितों तथा ईसाइयों के विभिन्न संगठनों ने मणिपुर हिंसा के विरोध में बंद का ऐलान किया था। प्रदेश के कई संगठन इसका समर्थन कर रहे हैं। बंद के दौरान मोगा जिले के कस्बा कोट इस्से खां में प्रदर्शनकारी दुकान बंद कराने गए। यहां मोबाइल शॉप चलाने वाले दुकानदार के साथ उनकी बहस हो गई। इसी दौरान दुकानदार ने गोली चला दी, जिससे एक प्रदर्शनकारी घायल हो गया। उसे इलाज के लिए अस्पताल लाया गया है। भड़के प्रदर्शनकारियों ने कोट इस्से खां चौक पर जाम लगा दिया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला। पुलिस ने गोली चलाने वाले दुकानदार के खिलाफ मामला दर्ज करके अगली कार्रवाई शुरू कर दी है। पंजाब में बंद को देखते हुए कई जिलों में आज स्कूलों को भी बंद रखा गया है। राज्य के जालंधर, बरनाला और गुरदासपुर में बंद का असर देखने को मिला है। जालंधर में लगभग सभी बाजार बंद रहे। यहां कई संगठनों द्वारा कुछ समय के लिए प्रदर्शन के दौरान जालंधर-दिल्ली मार्ग को रोका गया। बाद में पुलिस के हस्तक्षेप से प्रदर्शनकारी मुख्य मार्ग से हट गए और एक तरफ विरोध प्रदर्शन किया। लुधियाना में जालंधर बाइपास पर जाम लगाकर प्रदर्शन किया गया। इसके अलावा राज्य के अन्य जिलों में बंद का कोई खास असर नहीं मिला।

फिल्म अभिनेता जॉन अब्राहम जोधपुर में डॉग होम फाउंडेशन पहुंचे

जोधपुर (हिंस)। फिल्म अभिनेता जॉन अब्राहम इन दिनों जोधपुर में अपनी एक फिल्म की शूटिंग शेड्यूल पर है। शहर में घायल हुए एक डॉग को उन्होंने डॉग होम फाउंडेशन से संपर्क कर वहां पर पहुंचाया था। इस डॉग का हाल जानने के लिए बाद में वे खुद फाउंडेशन पर पहुंचे। फाउंडेशन के अध्यक्ष कुलदीप खत्री के अनुसार जॉन अब्राहम को घायल डॉग के बारे में इलाज की जानकारी दी गई। यह बता दें कि जॉन अब्राहम पशु प्रेम के कारण हमेशा चर्चा में रहते आए है। वे यहां फिल्म वेदा की शूटिंग में व्यस्त है। जॉन अब्राहम फाउंडेशन में जानवरों की सेवा कार्य को देखकर अभिभूत भी हुए। जॉन अब्राहम द्वारा फाउंडेशन को सहायता राशि भी प्रदान की गई।

मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम में किया शहीदों को नमन

फरीदाबाद (हिंस)। आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत मेरी माटी, मेरा देश के तहत बुधवार को गांव हीरापुर में शहीद जय भगवान शर्मा को पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इसके साथ साथ अमृत वाटिका में 75 पौधों लगाए गए। यह कार्यक्रम भारत सरकार के युवा एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत कार्य करने वाले विभाग नेहरू युवा केंद्र संगठन के दिशा निर्देश अनुसार जज्बा फाउंडेशन व युवा सेवा संगठन के द्वारा ग्रामपंचायत हीरापुर में किया गया। युवा सेवा संगठन प्रकृति की हरियाली के लिए लगातार कार्यरत है जो हमेशा पौधारोपण जैसे कार्यक्रम का आयोजन करता रहता है। इस मौके पर धीरज कौशिक ने बताया कि आज आजादी के अमृत महोत्सव मेरी माटी मेरा देश के तहत 75 पौधे लगाए गए हैं और यह मुहिम लगातार जारी रहेगी जिससे लोगों को स्वस्थ सांसे लौटाई जा सके। वही इस मौके पर गांव के रिटायर्ड फौजियों को सम्मानित किया गया व उनके हाथ से पौधारोपण भी कराया गया। मुख्य अतिथि के तौर पर इस प्रोग्राम में गांव के बुजुर्ग व रिटायर्ड फौजियों ने शिरकत की। वही गांव के सरपंच प्रतिनिधि गिर्राज शर्मा ने युवा सेवा संगठन की सहाना

की कहां युवा सेवा संगठन गांव को हरा हरा बनाने में बहुत ही अनूठी पहल कर रहा है। सरपंच प्रतिनिधि ने कहा कि युवाओं के साथ मिलकर बारिश के मौसम में जगह-जगह पौधा रोपण का यह कार्य लगातार जारी रहेगा आने वाले समय में युवा सेवा संगठन के साथ मिलकर गांव के विकास के नए आयाम पंचायत रचने वाली है। इस मौके पर मुख्य रूप से युवा सेवा शाखा हीरापुर के अध्यक्ष धीरज कौशिक, बृजमोहन, दीपक आजाद, धीरज कौशिक, डालचंद फौजी, भगवत दयाल फौजी, गिर्राज सरपंच, हुकम नंबरदार, इनामी मास्टर, मुकेश मास्टर, जज्बा फाउंडेशन चेयरमैन हिमांशु भट्ट, लवली कौशिक, सतीश, काशीराम, पन्नू, कृष्ण कौशिक, नन्नू नंबरदार आदि गणमान्य लोग मौजूद रहे। तिगरा महापंचायत में सीएम के खिलाफ बोलने पर की गई एफआईआर गुरुग्राम (हिंस)। नूंह हिंसा के चलते गुरुग्राम के सेक्टर-57 स्थित एक मस्जिद में आगजनी व इमाम की हत्या में गिरफ्तार किए गए युवाओं की रिहाई के लिए बुलाई गई महापंचायत में भड़काऊ भाषण देना भाजपा की पूर्व महिला पदाधिकारी और भाजपा के पूर्व नेता एवं सामाजिक कार्यकर्ता कुलभूषण भारद्वाज एडवोकेट को महंगा पड़ गया। इन दोनों के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज किया है। पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए युवाओं को लेकर तिगरा गांव में महापंचायत बुलाई गई थी। महापंचायत में विपक्षी दलों के नेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं ने शिरकत की थी। इस महापंचायत में समुदाय विशेष के खिलाफ भड़काऊ भाषण दिए गए। गुरुग्राम में धारा 144 के बीच यह महापंचायत आयोजित की गई। महापंचायत में भाजपा की पूर्व महिला मोर्चा प्रधान बबीता करहाना गुर्जर व हिंदू संगठन नेता एवं भाजपा के पूर्व नेता कुलभूषण भारद्वाज एडवोकेट ने सरकार, मुख्यमंत्री मनोहर लाल के खिलाफ खूब जहर उगला। कुलभूषण भारद्वाज ने तो यहां तक कह दिया कि हमें या तो योगी जैसे मुख्यमंत्री दें या फिर मेवात को यूपी में मिला दें। इन दोनों नेताओं द्वारा विवादित और भड़काऊ भाषण देने के आरोप में सेक्टर-56 थाना में केस दर्ज किया गया है। सेक्टर-56 थाना प्रभारी इंस्पेक्टर सतीश कुमार की शिकायत पर यह केस दर्ज किये गये हैं। गौरतलब है कि सेक्टर-57 स्थित मस्जिद में आगजनी और इमाम की हत्या के मामले में पुलिस ने गंभीरता से कार्रवाई करते हुए गांव तिगरा के 4 युवाओं को गिरफ्तार किया था। उन पर हत्या और हत्या के प्रयास के आरोप लगाए गए हैं। चारों को पुलिस ने अदालत में पेश किया था, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। युवाओं की रिहाई के लिए तिगरा गांव में महापंचायत बुलाई गई। महापंचायत में लोगों ने सरकार के खिलाफ खुलकर भाषणबाजी की। अपने खिलाफ दर्ज हुए केस पर हिंदू संगठन नेता कुलभूषण भारद्वाज एडवोकेट ने कहा कि एफआईआर की जानकारी उन्हें मीडिया के माध्यम से मिली है। वह इसके लिए तैयार हैं। अपने समाज की सेवा के लिए वह हमेशा तत्पर रहेंगे। अपने समाज के लोगों की आवाज को बिल्कुल भी दबने नहीं देंगे। फआईआर के बारे में भाजपा की महिला मोर्चा की पूर्व अध्यक्ष बबीता करहाना गुर्जर ने कहा कि अगर हेट स्पीच की जाती है तो सरकार को बड़ा अच्छा लगता है। बबीता ने कहा कि वह इतनी हिम्मत रखती हैं कि अपनी गिरफ्तारी के लिए खुद सीएम हाउस के बाहर जाकर सीएम से कहेंगी कि सीएम साहब मुझे गिरफ्तार कराइये। उन्होंने कोई भड़काऊ भाषण नहीं दिया।

महिला सम्मान सेविंग्स सर्टिफिकेट और बैंक एफडी : एक्सिस और बीओआई सहित कई बैंकों ने एफडी की ब्याज दरों में कटौती की

नई दिल्ली।

हाल ही में बैंक ऑफ इंडिया एक्सिस और इंडसइंड बैंक ने फिक्स्ड डिपॉजिट यानी एफडी पर मिलने वाले ब्याज की दरों में कटौती की है। ऐसे में अगर आप कोई ऐसी स्कीम की तलाश में हैं जहां आपको अपने निवेश पर ज्यादा ब्याज मिल सके तो आप महिलाओं के लिए स्पेशल स्कीम महिला सम्मान सेविंग्स सर्टिफिकेट स्कीम शुरू की है। इसमें 7.5प्रतिशत सालाना ब्याज दिया जा रहा है। इस स्कीम में 2 साल के लिए 2 लाख रुपए तक निवेश किया जा सकता है। हालांकि, इस योजना में सिर्फ महिला ही निवेश कर सकती है। हम आपको इस योजना से जुड़ी जरूरी बातें बता रहे हैं।

इसमें मिल रहा 7.5प्रतिशत ब्याज – इस स्कीम में 7.5प्रतिशत सालाना ब्याज दिया जा रहा है। इसमें कम से कम 1,000 रुपए से लेकर अधिकतम 2 लाख रुपए का निवेश किया जा सकता है। इसमें 2 साल के लिए निवेश करना होता है।

2 साल से पहले भी निकाल सकेंगे पैसा – कई खास परिस्थितियो में ये अकाउंट बंद 2 साल से पहले भी बंद किया जा सकता है। अकाउंट को 6 महीने बाद ही बंद किया जा सकता है। हालांकि, ऐसा करने पर आपको 7.5प्रतिशत की जगह 5.5प्रतिशत ब्याज दिया जाएगा। ये ब्याज आपके प्रिसिपल अमाउंट (मूलधन) पर दिया जाएगा। इसके अलावा आप 1 साल बाद 40प्रतिशत रकम निकाल सकते हैं।

बच्ची के नाम पर भी कर सकते हैं निवेश – इस स्कीम के तहत महिला खुद के लिए अकाउंट खुलवा सकती हैं। इसके अलावा मामा-पिता (गार्जियन) अपनी बेटी (नाबालिग) के नाम पर भी 'महिला सम्मान सेविंग्स सर्टीफिकेट' में निवेश कर सकते हैं। यानी इसमें नाबालिग लड़की के नाम पर भी निवेश किया जा सकता है। आप किसी भी डाकघर और अधिकृत बैंकों में एमएसएमई खाता खोल सकते हैं। खाता खोलने के लिए आपको इसके फॉर्म के साथ ही केवायसी डॉक्यूमेंट्स (आधार और पैन कार्ड), नए खाताधारक के लिए केवायसी फॉर्म और पे-इन-स्लिप जमा राशि या चेक जमा कराना होगा। इसमें 7.5प्रतिशत दिया जा रहा है जो फिक्स्ड डिपॉजिट की तुलना में ज्यादा है। देश का सबसे बड़ा बैंक एसबीआई इस समय 2 साल की एफडी पर 7प्रतिशत ब्याज दे रहा है।

अडाणी विल्मर में हिस्सेदारी कम कर सकती है अडाणी एंटरप्राइजेजः कोर बिजनेस में फोकस करना चाहता है ग्रुप, जून तिमाही में कंपनी को हुआ था घाटा

नई दिल्ली। अडाणी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडाणी एंटरप्राइजेज एफएमसीजी कंपनी अडाणी विल्मर में अपनी हिस्सेदारी कम कर सकती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, अडाणी एंटरप्राइजेज पिछले कुछ महीनों से अडाणी विल्मर की 44प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने की संभावना तलाश कर रही है। ग्रुप इससे मिलने वाले पैसों का इस्तेमाल अपने कोर बिजनेस में फोकस करने के लिए करेगा। हालांकि, अभी तक गौतम अडाणी या उनके ग्रुप ने इसके बारे में ऑफिशियल तौर पर कोई भी जानकारी नहीं दी है। अडाणी विल्मर लिमिटेड गौतम अडाणी की अडाणी एंटरप्राइजेज और सिंगापुर की विल्मर इंटरनेशनल लिमिटेड का जॉइंट वेंचर है, जिसकी वर्तमान में मार्केट वैल्यू 6.17 बिलियन डॉलर (करीब 51 हजार करोड़) है। गौतम अडाणी और उनका परिवार अडाणी विल्मर में अपनी हिस्सेदारी बरकरार रख सकते हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि अभी बातचीत शुरुआती दौर में है। हिस्सेदारी कम करने की खबर के बाद अडाणी विल्मर के शेयर में गिरावट और अडाणी एंटरप्राइजेज के शेयर में गिरावट देखने को मिल रही है। दोपहर 12: 15 अडाणी विल्मर का शेयर 3.80प्रतिशत की गिरावट के साथ 378 रुपए के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं, अडाणी एंटरप्राइजेज का शेयर 1.31प्रतिशत की तेजी के साथ 2,507.05 रुपए के स्तर पर कारोबार कर रहा है। अडाणी विल्मर को फाइनेंशियल ईयर 2024 की पहली तिमाही में 79 करोड़ रुपए का घाटा हुआ है। एक साल पहले में कंपनी को 194 करोड़ रुपए का प्रॉफिट हुआ था। इसके साथ ही जून तिमाही में कंपनी का सालाना आधार पर रेवेन्यू 12प्रतिशत गिरकर 12,928 करोड़ रुपए रहा। पिछले फाइनेंशियल ईयर की इसी अवधि में रेवेन्यू 14,724 करोड़ रुपए था। अडाणी विल्मर ने पिछले साल 2022 में आईपीओ के जरिए 3600 करोड़ रुपए जुटाया था। निवेशकों को 230 रुपए प्रति शेयर के हिसाब से शेयर इश्यू हुए थे। पिछले साल सितंबर में यह बीएसई पर एक साल के हाई 841.90 रुपए पर था।

भारत सरकार का बड़ा फैसला, सैन्य ड्रोन निर्माताओं को चीनी कल-पुर्जों के इस्तेमाल से रोका

नई दिल्ली। भारत ने हाल के महीनों में सुरक्षा जोखिमों के बारे में चिंताओं के कारण घरेलू सैन्य ड्रोन निर्माताओं को चीन में बने कल-पुर्जों का उपयोग करने से रोक दिया है। चार रक्षा और उद्योग अधिकारियों और दस्तावेजों के हवाले से यह दावा किया है। भारत ने यह कदम ऐसे समय उठाया है जब परमाणु-सशस्त्र पड़ोसी से तनाव के बीच वह सैन्य आधुनिकीकरण पर जोर दे रहा है। इसके तहत मानव रहित क्राडकॉप्टर, लंबी-टिकाऊ प्रणाली और अन्य स्वायत्त प्लेटफार्मों के अधिक उपयोग की परिकल्पना की गई है। रक्षा और उद्योग से जुड़ी शख्सियतों ने कहा कि भारतीय सुरक्षा नेतृत्व इस बात से चिंतित है कि ड्रोन के संचार कार्यों, कैमरों, रेडियो ट्रांसमिशन और ऑपरेटिंग सॉफ्टवेयर में चीन निर्मित कल-पुर्जे लगाए जाने से खुफिया सूचनाएं खतरे में पड़ सकती हैं। रायटर्स ने कहा कि दस्तावेजों से पता चलता है कि भारत का यह दृष्टिकोण, 2020 से निगरानी ड्रोन पर चरणबद्ध आयात प्रतिबंधों का पूरक है और इसे सैन्य निविदाओं के माध्यम से लागू किया जा रहा है।

ब्रिक्स स्टार्टअप मंच की शुरुआत करेगा भारत, पीयूष गोयल ने ब्रिक्स उद्योग मंत्रियों के साथ की बैठक

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बताया कि भारत निवेशकों, इनक्यूबेटरों और उद्यमियों के बीच सर्वोत्तम प्रथाओं और आपसी सहयोग को बढ़ावा देने के लिए इस साल ब्रिक्स स्टार्टअप मंच की शुरुआत करेगा। गोयल ने ब्रिक्स उद्योग मंत्रियों की सातवीं बैठक को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये संबोधित करते हुए कहा, स्टार्टअप इंडिया पहल से देश में लगभग एक लाख स्टार्टअप का गठन हुआ है। भारत इस क्षेत्र में ब्रिक्स सदस्यों की मदद कर सकता है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि बैठक में ब्रिक्स देशों के उद्योग मंत्रियों ने एक संयुक्त घोषणा को अपनाया, जिसमें ब्रिक्स देशों के बीच डिजिटलीकरण, औद्योगीकरण, नवाचार, समावेशन और निवेश को बढ़ावा देने की जरूरत पर सहमति जताई गई है। बता दें, दुनिया के पांच सबसे बड़े विकासशील देश ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका ब्रिक्स में शामिल हैं। ये सभी देश 41 फीसदी वैश्विक आबादी, 24 फीसदी वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद और 16 फीसदी वैश्विक व्यापार का प्रतिनिधित्व करते हैं। विदेश मंत्रालय ने बीते सप्ताह उन खबरों का खंडन किया, जिनमें दावा किया गया था कि भारत को ब्रिक्स के विस्तार से आपत्ति है और इसी वजह से पीएम मोदी दक्षिण अफ्रीका नहीं जा रहे हैं।

चंद्रयान-3 ने दूसरी बार अपनी कक्षा घटाई

अब इसकी चांद से सबसे कम दूरी 174 केएम और सबसे ज्यादा दूरी 1437 केएम रहेगी

बेंगलुरु।

इसरो ने दूसरी बार चंद्रयान-3 की ऑर्बिट घटाई है। अब चंद्रमा 174 केएम × 1437 केएम की ऑर्बिट में आ गया है। यानी ये ऐसी अंडाकार कक्षा में घूम रहा है, जिसमें उसकी चांद से सबसे कम दूरी 174 केएम और सबसे ज्यादा दूरी 1437 केएम है। अब चंद्रयान 14 अगस्त को 11: 30 से 12: 30 बजे की बीच फिर से अपनी ऑर्बिट बदलेगा। इससे पहले 6 अगस्त को रात करीब 11 बजे पहली बार चंद्रयान की ऑर्बिट घटाई गई थी। तब ये चंद्रमा की 170 केएम × 4313 केएम की ऑर्बिट में आया था। 22 दिन के सफर के बाद चंद्रयान 5 अगस्त को शाम करीब 7: 15 बजे चंद्रमा की कक्षा में पहुंचा था। तब यान चंद्रमा की ग्रैविटी में कैप्चर हो सके, इसके लिए उसकी स्पीड कम की गई थी। स्पीड कम करने के लिए इसरो वैज्ञानिकों ने यान के फेस को पलटकर थ्रस्टर 1835 सेकेंड यानी करीब आधे घंटे के लिए फायर किए। ये फायरिंग शाम 7: 12 बजे शुरू की गई थी।

चंद्रयान ने चांद की तस्वीरें कैप्चर कीं – चंद्रयान ने जब चंद्रमा की 164 केएम × 18,074 केएम की ऑर्बिट में प्रवेश किया था तो उसके ऑनबोर्ड कैमरों ने चांद की तस्वीरें कैप्चर की थीं। इसरो ने अपनी वेबसाइट पर इसका एक वीडियो बनाकर शेयर किया था। इन तस्वीरों में चंद्रमा के क्रेटर्स साफ-साफ दिख रहे हैं।

मैं चंद्रयान-3 हूं... मुझे चांद की ग्रैविटी महसूस हो रही है – मिशन की जानकारी देते हुए इसरो ने एक्स पोस्ट में चंद्रयान के भेजे मैसेज को लिखा था, मैं चंद्रयान-3 हूं... मुझे चांद की ग्रैविटी महसूस हो रही है। इसरो ने ये भी बताया था कि चंद्रयान-3 सफलतापूर्वक चंद्रमा की कक्षा में स्थापित हो गया है। 23 अगस्त को लैंडिंग से पहले चंद्रयान को कुल 4 बार अपनी ऑर्बिट कम करनी है। वो एक बार ऑर्बिट कम कर चुका है।

थ्रस्टर तब फायर किए जब ऑर्बिट में चंद्रमा के सबसे करीब था चंद्रयान – इसरो ने बताया था कि पेरिल्यून में रेट्रो-बर्निंग का कमांड मिशन ऑपरेशंस कॉम्प्लेक्स बेंगलुरु से दिया गया था। पेरिल्यून यानी वह पॉइंट जिस पर चंद्र कक्षा में एक

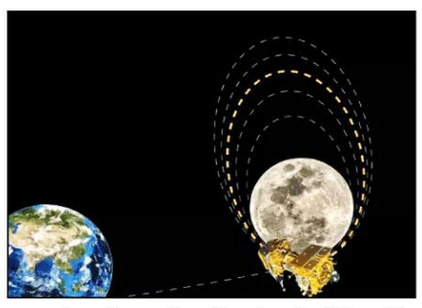

यान चंद्रमा के सबसे करीब होता है। रेट्रो-बर्निंग यान के थ्रस्टर को अपोजिट डायरेक्शन में फायर करने को कहा जाता है। यान की स्पीड धीमी करने के लिए अपोजिट डायरेक्शन में थ्रस्टर फायर किए जाते हैं। 1 अगस्त को चंद्रयान-3 पृथ्वी की कक्षा से चांद के लिए निकला था 1 अगस्त को रात करीब 12 बजे चंद्रयान-3 को पृथ्वी की ऑर्बिट से चांद की तरफ भेजा गया था। इसे ट्रांसलूनर इंजेक्शन कहा जाता है। इससे पहले चंद्रयान ऐसी अंडाकार कक्षा में घूम रहा था, जिसकी पृथ्वी से सबसे कम दूरी 236 केएम और सबसे ज्यादा दूरी 1 लाख 27 हजार 603 किलोमीटर थी। ये 23 अगस्त को चंद्रमा पर लैंड करेगा। ट्रांसलूनर इंजेक्शन के लिए इंजन को कुछ देर के लिए चालू किया था ट्रांसलूनर इंजेक्शन के लिए बेंगलुरु में मौजूद इसरो के हेडक्वार्टर से वैज्ञानिकों ने चंद्रयान का इंजन कुछ देर के लिए चालू किया था। इंजन फायरिंग तब की गई जब चंद्रयान पृथ्वी से 236 केएम की दूरी पर था। इसरो ने कहा- चंद्रयान-3 पृथ्वी के चारों ओर अपनी परिक्रमा पूरी कर चंद्रमा की ओर बढ़ रहा है। इसरो ने अंतरिक्ष यान को ट्रांसलूनर कक्षा में स्थापित कर दिया है।

चंद्रमा पर 14 दिन तक प्रयोग करेंगे लैंडर और रोवर – चंद्रयान-3 में लैंडर, रोवर और प्रोपल्शन मॉड्यूल हैं। लैंडर और रोवर चांद के साउथ पोल पर उतरेंगे और 14 दिन तक वहां प्रयोग करेंगे। प्रोपल्शन मॉड्यूल चंद्रमा की कक्षा में रहकर धरती से आने वाले रेडिएशन्स का अध्ययन करेगा। इस मिशन के जरिए इसरो पता लगाएगा कि चांद की सतह पर भूकंप कैसे आते हैं। यह चंद्रमा की मिट्टी का अध्ययन भी करेगा।

अब चंद्रयान मिशन से जुड़े 4 जरूरी सवालों के जवाब...

इस मिशन से भारत को क्या हासिल होगा – इसरो के एक्स साइंटिस्ट मनीष पुरोहित कहते हैं कि इस मिशन के जरिए भारत दुनिया को बताना चाहता है कि उसके पास चांद पर सॉफ्ट लैंडिंग करने और रोवर को वहां चलाने की काबिलियत है। इससे दुनिया का भारत पर भरोसा बढ़ेगा जो कॉमर्शियल बिजनेस बढ़ाने में मदद करेगा। भारत ने अपने हेवी लिफ्ट लॉन्च व्हीकल से चंद्रयान को लॉन्च किया है। इस व्हीकल की काबिलियत भारत पहले ही दुनिया को दिखा चुका है। बीते दिनों अमेजन के फाउंडर जेफ बेजोस की कंपनी ब्लू ओरिजिन ने इसरो के एलवीएम3 रॉकेट के इस्तेमाल में अपना इंटरेस्ट दिखाया था। ब्लू ओरिजिन एलवीएम3 का इस्तेमाल कॉमर्शियल और टूरिज्म पर्पज के लिए करना चाहता है। एलवीएम3 के जरिए ब्लू ओरिजिन अपने क्रू कैप्सूल को प्लान्ड लो अर्थ ऑर्बिट स्पेस स्टेशन तक ले जाएगा।

साउथ पोल पर ही मिशन क्यों भेजा गया – चंद्रमा के पोलर रीजन दूसरे रीजन्स से काफी अलग हैं। यहां कई हिस्से ऐसे हैं जहां सूरज की रोशनी कभी नहीं पहुंचती और तापमान -200 डिग्री सेल्सियस से नीचे तक चला जाता है। ऐसे में वैज्ञानिकों का अनुमान है कि यहां बर्फ के फॉर्म में अभी भी पानी मौजूद हो सकता है। भारत के 2008 के चंद्रयान-1 मिशन ने चंद्रमा की सतह पर पानी की मौजूदगी का संकेत दिया था। इस मिशन की लैंडिंग साइट चंद्रयान-2 जैसी ही है। चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास 70 डिग्री अक्षांश पर। लेकिन इस बार एरिया बढ़ाया गया है। चंद्रयान-2 में लैंडिंग साइट 500 मीटर एक्स 500 मीटर थी। अब, लैंडिंग साइट 4 किमी एक्स 2.5 किमी है। अगर सब कुछ ठीक रहा तो चंद्रयान-3 चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास सॉफ्ट-लैंडिंग करने वाला दुनिया का पहला स्पेसक्राफ्ट बन जाएगा। चंद्रमा पर उतरने वाले पिछले सभी स्पेसक्राफ्ट भूमध्यरेखीय क्षेत्र में, चंद्र भूमध्य रेखा के उत्तर या दक्षिण में कुछ डिग्री अक्षांश पर उतरे हैं।

न्यू जनरेशन मर्सिडीज-बेंज जीएलसी भारत में लॉन्च

6.2 सेकेंड में 0 से 100 की स्पीड पकड़ने का दावा, कीमत 73.5 लाख से शुरू

नई दिल्ली।

मर्सिडीज-बेंज इंडिया ने भारत में सेकंड जनरेशन जीएलसी को 73.5 लाख रुपए की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत पर लॉन्च कर दिया है। नई जीएलसी पुराने वर्जन से लगभग 11 लाख रुपए महंगी है। कंपनी ने कार को दो वैरिएंट-जीएलसी 300 और जीएलसी में पेश किया है, लेकिन इसके वैरिएंट को अब नए वैरिएंट से रिप्लेस किया गया है। कंपनी का दावा है कि ये कार 6.2 सेकेंड में 0 से 100 की स्पीड पकड़ सकती है। लक्जरी कार बनाने वाली जर्मन कंपनी ने एसयूवी सेगेमेंट की कार की बुकिंग शुरू कर दी है। बायर्स एसयूवी को देश भर में मर्सिडीज-बेंज इंडिया की डीलरशिप के साथ-साथ ऑफिशियल वेबसाइट पर 1.50 लाख रुपए की टोकन मनी देकर बुक कर सकते हैं। कंपनी का कहना है कि कार को 1500 बुकिंग मिल चुकी है और इसकी डिलीवरी 10 अगस्त से शुरू की जाएगी। लग्जरी एसयूवी में कई कॉस्मेटिक बदलाव किए गए हैं, साथ ही नए फीचर्स भी एड किए गए हैं। कंपनी ने सेकंड जनरेशन मर्सिडीज-बेंज जीएलसी के डायमेंशन में बदलाव किए हैं। इसकी लंबाई को 60एमएम बढ़ाकर 4716 किया गया है। व्हीलबेस को 15एमएम बढ़ाकर 2888एमएम किया गया है। कार की चौड़ाई पहले की तरह 2,075एमएम है, जबकि हाइट को 4एमएम घटाकर 1640एमएम किया गया है। इस बदलाव के बाद कार अब ओर भी स्पेशियस हो गई है। इसके बूट स्पेस को भी 70 लीटर बढ़ाकर 620 लीटर का कर दिया गया है। 2023 मर्सिडीज-बेंज जीएलसी के फ्रंट में एक रेडिएटर ग्रिल दी गई है, जिसमें एक बड़ा मर्सिडीज-बेंज लोगो लगा है। इसके दोनों ओर एलईडी हेडलैंप और गार्ड के नीचे क्रोम फिनिश मिलता है। रियर प्रोफाइल में थ्री-डायमेंशन लुक में एलईडी टेल लैंप, एक पावर्ड टेलगेट और गार्ड के नीचे क्रोम फिनिश मिलता है। एसयूवी में 19 इंच के 5-स्पोक अलॉय व्हील दिए गए हैं। नई मर्सिडीज-बेंज जीएलसी के इंटीरियर डिजाइन में मौजूदा मॉडल के मुकाबले कई बदलाव किए गए हैं। कार में अब पिनस्ट्रिप पैटर्न के साथ एक नया डैशबोर्ड दिया गया है।

आरडी में छोटे निवेश पर पाएं बड़ी सेविंगः आईडीएफसी फर्स्ट बैंक दे रहा 7.75प्रतिशत का ब्याज

नई दिल्ली।

बढ़ती महंगाई के दौर में आम लोगों के लिए अपने खर्चे के बाद एकमुश्त इन्वेस्टमेंट या सेविंग करना काफी मुश्किल हो गया है। ऐसे समय में आपके लिए रिकरिंग डिपॉजिट स्कीम काफी मुनाफा देने वाला हो सकता है। देश के बैंक आरडी पर 7.75प्रतिशत तक का ब्याज दे रहे हैं। इस स्कीम में आप हर महीने इन्वेस्ट कर के एक बड़ा फंड तैयार कर सकते हैं। हम आपको इस स्कीम के बारे में बता रहे हैं, ताकि आप अपनी जरूरत और फाइनेंशियल गोल के हिसाब से सेविंग कर सकते हैं।

क्या है रिकरिंग डिपॉजिट

रिकरिंग डिपॉजिट बैंकों में आपके लिए एक तरह का गुल्लक है, जिसमें हर महीने इन्वेस्ट कर के आप अगले कुछ सालों में बड़ी सेविंग इक्ट्ठा कर सकते हैं। मतलब, आप इसमें हर महीने एक निश्चित रकम डालते रहें और इसके मैच्योर होने पर आपके पास ब्याज के साथ एक बड़ी राशि होगी। यहां आपको हर क्वार्टर में इंटरेस्ट रेट कंपाउंड होकर मिलता है।

कहां ओपन कर सकते हैं आरडी अकाउंट

आरडी एक तरह की स्मॉल सेविंग्स स्कीम है। कोई भी

व्यक्ति बैंक या पोस्ट ऑफिस में अपना आरडी अकाउंट ओपन कर सकता है। आप जिस बैंक में अपनी आरडी करना चाहते हैं, उसमें आपका बैंक अकाउंट होना जरूरी है। इसके लिए नए सिरे से अकाउंट ओपन करने की जरूरत नहीं होती है।

कितने रुपए से शुरू कर सकते हैं निवेश

आरडी स्कीम में आप 100 रुपए की कम राशि से भी निवेश शुरू कर सकते हैं। इससे ज्यादा आप 10 के मल्टिपल यानी 500, 1000, 2000, 5000 या 10,000 रुपए का कोई भी निवेश कर सकते हैं। इसमें अधिकतम अमाउंट की कोई लिमिट नहीं हैं।

अब उत्तर प्रदेश परिवहन की बसों की होगी लाइव ट्रैकिंग, एनईसी कॉर्पोरेशन के तहत किए जाएंगे यह काम

नई दिल्ली।

उत्तरप्रदेश की बसों की सुरक्षा पुख्ता करने के लिए उत्तरप्रदेश परिवहन निगम ने एनईसी कॉर्पोरेशन इंडिया को चुना है। इससे बस की लाइव ट्रैकिंग की जा सकेगी। लाइव ट्रैकिंग के कारण यात्रियों सहित महिलाओं की सुरक्षा पुख्ता हो सकती है। परियोजना केंद्र की निर्भया फंड द्वारा समर्थित है। टेक कंपनी एनईसी कॉर्पोरेशन इंडिया ने बताया कि उत्तरप्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (यूपीएसआरटीसी) ने लाइव ट्रैकिंग-यात्री सूचना प्रणाली परियोजना के लिए मास्टर इंटीग्रेटर के रूप में चुना है।

- यह है परियोजना का उद्देश्य
- बसों में सुरक्षा बढ़ाना
- बसों की लाइव ट्रैकिंग करना
- महिलाओं की सुरक्षा को पुख्ता करना
- यूपीएसआरटीसी बसों में यात्रियों के अनुभव को बढ़ाना
- कंपनी ने कहा- बेहतर काम करेंगे यूपीएसआरटीसी महाप्रबंधक

(आईटी) यजुवेंद्र कुमार ने कहा कि एनईसी इंडिया ने भारत के अलावा मध्य पूर्व के भी कई देशों में बस परियोजनाओं को सफलतापूर्वक लागू किया है। वहीं, एनईसी इंडिया के महाप्रबंधक (परिवहन व्यवसाय) पंकज भाटिया ने कहा कि हम यूपीएसआरटीसी के भरोसे के कराण कृतज्ञ हैं। भारत सहित विश्व के कई शहरों से हमें जो विशेषज्ञता हासिल हुई है, उसके अनुसार हमें उम्मीद है कि हम बेहतर काम करेंगे।

राज्य के प्रमुख 100 बस अड्डों पर डिस्पले स्क्रीन भी लगाए जाएंगे

परियोजना के तहत बसों की लाइव ट्रैकिंग के साथ-साथ यूपीएसआरटीसी के अधितर बसों में एआईएस 140-आधारित वाहन स्थान ट्रैकिंग (वीएलटी) उपकरण और आपातकालीन सुरक्षा बटन भी लगाए जाएंगे। यात्रियों को जानकारी प्रदान करने के लिए राज्य के 100 बड़े और प्रमुख बसअड्डों पर बड़ी डिस्पले स्क्रीन भी लगाई जाएगी। लखनऊ स्थित यूपीएसआरटीसी मुख्यालाय में एक कमांड कंट्रोल सेंटर खोला जाएगा। इसके अलावा क्षेत्रीय मुख्यालयों में 20 दृश्य केंद्र भी स्थापित होंगे।

एनईसी कंपनी ने अहमदाबाद, सूरत और हुबली और धारवाड़ सहित देश के अन्य शहरो में सफलतापूर्वक कार्य किया है। भारत के अलावा कंपनी ने मक्का (सऊदी अरब), मोवासलाट (कतर) में भी इस तरह की परियोजना लागू की है।

वॉट्सऐप के दो नए फीचर रोलआउट

वीडियो कॉलिंग के दौरान स्क्रीन शेयर कर सकेंगे यूजर्स; लैंडस्केप मोड में भी ऐप चलाने की सुविधा

नई दिल्ली।

इंस्टेंट मैसेजिंग ऐप वॉट्सऐप ने वीडियो कॉल के लिए दो नए फीचर रोल आउट किए हैं। इसमें स्क्रीन शेयरिंग और लैंडस्केप मोड फीचर शामिल है। स्क्रीन शेयरिंग फीचर से यूजर्स वीडियो कॉलिंग के दौरान अपने डिवाइस की स्क्रीन को अन्य यूजर्स के साथ शेयर कर सकेंगे। यह फीचर यूजर को कॉन्टेक्ट लिस्ट में शामिल लोगों के साथ डॉक्युमेंट्स, फोटो और अपने शॉपिंग कार्ट को शेयर करने की परमिशन देता है। इसके साथ ही वीडियो कॉलिंग के दौरान मोबाइल को लैंडस्केप मोड पर भी इस्तेमाल किया जा सकेगा। इस फीचर के आने के बाद वॉट्सऐप माइक्रोसॉफ्ट मीट, गूगल मीट और जूम के साथ-साथ एपल के फेसटाइम सहित ट्रेडिशनल वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग ऐप को टक्कर दे रहा है। वॉट्सऐप की पेरेंट कंपनी मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने फेसबुक सहित अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्म के जरिए इसके बारे में जानकारी दी। जुकरबर्ग ने फेसबुक पर पोस्ट में बताया, हम वॉट्सऐप पर वीडियो कॉल के दौरान आपकी स्क्रीन शेयर करने के फीचर को ऐड कर रहे हैं। मार्क ने पोस्ट के साथ एक स्क्रीनशॉट भी शेयर किया है, जिसमें वे वीडियो कॉल पर दिखाई दे रहे हैं।

कैसे काम करेगा स्क्रीन शेयरिंग फीचर – यूजर्स को वॉट्सऐप का ये नया फीचर वीडियो कॉलिंग के दौरान कैमरा स्विच ऑप्शन के बगल में मिलेगा। यह फीचर तभी एक्टिव होगा, जब ऐप यूजर अपनी स्क्रीन शेयरिंग की परमिशन देंगे। इसके साथ ही यूजर्स कभी भी स्क्रीन शेयरिंग को रोक सकेंगे। जब आप वीडियो कॉल के दौरान स्क्रीन शेयरिंग वाले ऑप्शन पर टैप करेंगे तो वॉट्सऐप में एक वार्निंग मैसेज डिस्प्ले होगा। इसके बाद स्टार्ट नाउ बटन पर टैप करना होगा। अब आप अपनी स्क्रीन को दूसरे यूजर्स के साथ शेयर कर सकेंगे। इससे पहले अपनी

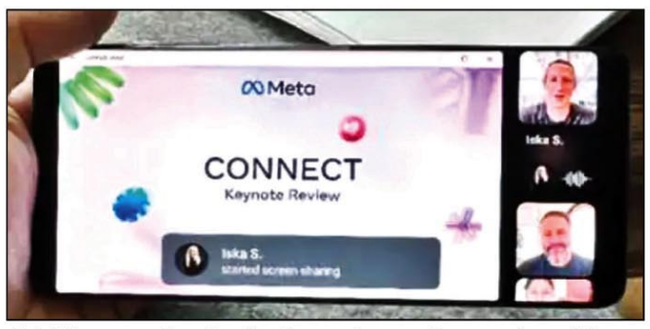

रिपोर्ट में बताया था कि, वॉट्सऐप बीटा वर्जन 2.23.11.19 में वीडियो शेयरिंग के दौरान स्क्रीन-शेयरिंग फीचर टेस्ट कर रहा है, जिसके जरिए वह कॉलिंग एक्सपीरिएंस को बेहतर करना चाहता है। स्क्रीन शेयरिंग फीचर यूज करने से एंड-टु-एंड एन्क्रिप्टेड नहीं रहेगी वीडियो कॉल खास बात यह है कि जो स्क्रीनशॉट शेयर किया है उसमें लिखा है कि इस फीचर को यूज करते समय जो भी जानकारी आप दूसरे यूजर्स के साथ शेयर करेंगे उसे वॉट्सऐप भी एक्सेस कर सकेगा। इसमें पासवर्ड, पेमेंट डिटेल, फोटो, मैसेज और ऑडियो शामिल हैं। यानी कि इस फीचर को यूज करने से वीडियो कॉलिंग एंड-टु-एंड एन्क्रिप्टेड नहीं रहेगी।

वीडियो मैसेज फीचर रोल आउट किया – वॉट्सऐप ने हाल ही में वीडियो मैसेज फीचर रोल आउट किया था। इस फीचर की मदद से यूजर्स शार्ट वीडियो मैसेज सेंड कर सकते हैं। वॉट्सऐप के इस फीचर के जरिए यूजर्स 60 सेकंड तक की रियल टाइम वीडियो को रिकॉर्ड करके भेज सकते हैं। कंपनी का दावा है कि ये मैसेज भी एंड-टु-एंड एन्क्रिप्टेड रहेंगे।

यूजर्स को ऐप में कहां मिलेगा वीडियो मैसेज फीचर – ऑडियो मैसेज ऑप्शन में टैप करके यूजर्स वीडियो मैसेज फीचर को यूज कर सकते हैं। जब यूजर ऑडियो मैसेज ऑप्शन पर एक बार टैप करेंगे तो वहां पर वीडियो मैसेज का ऑप्शन आ जाएगा, जिसके बाद उस ऑप्शन पर फिंगर होल्ड करके वीडियो रिकार्ड और सेंड कर सकते हैं।

वॉट्सऐप ग्रुप में नहीं दिखेगा आपका फोन नंबर – वॉट्सऐप में जल्द ही फोन नंबर प्राइवेसी फीचर मिलने वाला है। इस फीचर से वॉट्सऐप ग्रुप में कोई भी आपका नंबर नहीं देख पाएगा। कंपनी ने फिलहाल इस फीचर को सिर्फ कुछ बीटा यूजर्स के लिए अवेलेबल कराया गया है। टेस्टिंग के बाद जल्द ही इस फीचर को अन्य यूजर्स भी इस्तेमाल कर सकेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, फोन नंबर प्राइवेसी फीचर को दोनों ऑपरेटिंग सिस्टम के लिए रोल आउट किया है। अगर आप इस फीचर का इस्तेमाल करना चाहते हैं तो लेटेस्ट बीटा अपडेट को इंस्टॉल करना होगा। अपडेट के बाद यूजर्स को कम्यूनिटी में 'फोन नंबर प्राइवेसी' लेवल से का एक नया ऑप्शन शो हो जाएगा।

सिर्फ ये लोग ही देख सकेंगे आपका फोन नंबर – 'फोन नंबर प्राइवेसी' फीचर यूजर्स को वॉट्स ऐप कम्यूनिटी में अपने फोन नंबर छिपाकर प्राइवेसी बनाए रखने में मदद करता है। रिपोर्ट में बताया कि, इस फीचर को इनेबल करने के बाद यूजर्स का फोन नंबर सिर्फ कम्यूनिटी एडमिन और उन लोगों को दिखाई देगा, जिनके पास उसका नंबर कॉन्टैक्ट लिस्ट में सेव है।

फ्रीडम टू फीड का हिस्सा बनेंगी कई एक्ट्रेस

- नेहा धूपिया की इस पहल से जुडेंगी बिपाशा, सोहा और दीया

मुंबई (ईएमएस)। शिशुओं को स्तनपान कराने को लेकर एक्ट्रेस नेहा धूपिया ने प्रेरक पहल फ्रीडम टू फीड शुरू की है। स्तनपान विरोधी सोच से लड़ने के लिए उनकी इस पहल से बिपाशा बसु, सोहा अली खान और दीया मिर्जा भी जुड़ेंगी। एक्ट्रेस नेहा ने कहा, दो अद्भुत बच्चों गुरीक और मेहर की मां के रूप में मैंने व्यक्तिगत रूप से स्तनपान की चुनौतियों और खुशियों का अनुभव किया है। यह एक अविश्वसनीय रूप से सशक्त यात्रा है, लेकिन यह जानना भी आवश्यक है कि प्रत्येक मां की यात्रा अद्वितीय है और बिना किसी आलोचना या शर्म के इसे सेलिब्रेट किया जाना चाहिए।

उन्होंने आगे कहा, अपनी पहल फ्रीडम टू फीड के माध्यम से मेरा लक्ष्य मातृत्व के इस महत्वपूर्ण पहलू पर प्रकाश डालना और उन बाधाओं को तोड़ना है जो माताओं को इस नैसर्गिक प्रक्रिया को खुले तौर पर अपनाने से रोकती हैं। यह उद्देश्य अविश्वसनीय रूप से मेरे दिल के करीब है, और मैं शिक्षित करने, मिथकों को दूर करने और सभी माताओं के लिए अधिक सहायक और समावेशी वातावरण को बढ़ावा देने के लिए दृढ़ संकल्पित हूं। स्तनपान जागरूकता सप्ताह (अगस्त का पहला सप्ताह) और स्तनपान जागरूकता माह (अगस्त) के सम्मान में, नेहा माताओं के लिए शिक्षा, सहायता और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए फ्रीडम टू फीड के तहत पहल की एक श्रृंखला का नेतृत्व कर रही हैं। स्तनपान को सामान्य बात बनाने के विचार के रूप में शुरू की गई इस पहल से 55,000 से अधिक माताएं, माता-पिता और विशेषज्ञ जुड़ चुके हैं। यह पहल पालन-पोषण, सह-पालन-पोषण और ऐसे अन्य बच्चों के नेतृत्व वाले मुद्दों आदि के लिए एक आवाज बन गई है। गुरीक और मेहर के लिए एक समर्पित मां के रूप में नेहा धूपिया मातृत्व की चुनौतियों और खुशियों को गहराई से समझती हैं।नेहा धूपिया 7 अगस्त को एक व्यक्तिगत बातचीत की मेजबानी की योजना बना रही हैं। इस कार्यक्रम में सोहा अली खान और गीता फोगट जैसी प्रसिद्ध हस्तियां भी शामिल होंगी। नेहा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बिपाशा बसु, गौहर खान, मासूम मीनावाला और दीया मिर्जा सहित प्रमुख सेलिब्रिटी माताओं के साथ लाइव सेंशन की मेजबानी करेंगी। नेहा को कल्कि कोचलिन, काजल अग्रवाल, सुरवीन चावला, नीति मोहन और अन्य लोगों से समर्थन मिला है।

बालीवुड में सिर्फ 4 लडकियों को मिल रही फिल्में : नोरा

-हीरोइन का रोल न मिलने पर फूटा गुस्सा

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्ट्रेस नोरा फतेही के अंदर टैलेंट की कमी नहीं है, इसके बावजूद उन्हें लीड रोल्स देने में फिल्ममेकर्स अपने हाथ पीछे खींच लेते हैं। इस बात का जिक्र खुद एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू में किया है। नोरा फतेही ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि उनके डांस नंबर्स की वजह से फिल्ममेकर्स उन्हें लीड रोल में नहीं लेना चाहते। उन्होंने फिल्म निमार्ताओं पर चार लड़कियों से आगे न बढ़ने और केवल उन्हें ही अपनी फिल्मों में कास्ट करने का आरोप लगाया। नोरा फतेही ने साल 2020 में स्ट्रीट डांसर 3डी से अपने अभिनय की शुरूआत की थी। लेकिन उन्हें अभिनय से ज्यादा, फिल्मों में उनके डांस नंबरों के लिए जाना जाता है। उन्होंने बाटला हाउस में ओ साकी साकी तो थैंक गॉड में मानिके पर परफॉर्म किया था। सभी में उनसे मूव्स को जमकर सराहा गया था। नोरा फतेही ने किसी का नाम लिए बिना, इशारा किया कि उन्हें लीड रोल्स नहीं मिले। क्योंकि फिल्ममेकर्स एक दायरे के बाहर नहीं सोचते हैं। उन्होंने कहा कि सिर्फ चार लड़कियां बारी-बारी से फिल्में कर रही हैं और चारों को लगातार प्रोजेक्ट्स मिल रहे हैं।नोरा फतेही ने कहा, मुझे ऐसा नहीं लगता कि मैं डांस करती हूं इसलिए वो मुझे कास्ट नहीं करना चाहते। बॉलीवुड में कई ऐसी आइकॉनिक एक्ट्रेसेस हैं, जो बहुत खूबसूरती के साथ डांस करती हैं। और वो डांस नंबर्स में भी कमाल की हैं। तो ये एक अच्छी एक्ट्रेस बनने के लिए पैकेज का हिस्सा मात्र है। एक्ट्रेस के मुताबिक, शायद ये देखा जाता हो कि उनसे अच्छा कौन एक्ट कर सकता है, अच्छे से डायलॉग डिलीवर कर सकता है। किसमें भाषा को अच्छे से बोलने में काबिलियत है। जैसे ही मौका मिलता है, सब टूट पड़ते हैं। नोरा ने कहा कि आज के समय में इंडस्टी में कॉम्पटीशन बढ़ गया है। एक साल में कुछ ही फिल्में आई हैं। और फिल्ममेकर्स अपनी सोच के बाहर देख ही नहीं पाते हैं कि उनके सामने क्या मौजूद है। तो सिर्फ 4 लड़कियां हीं फिल्में कर रही हैं। उन्हें ही बारी-बारी से काम मिल रहा है। फिल्ममेकर्स को भी वही चार याद हैं। वो उसके बाहर सोचते ही नहीं हैं। तो आपका काम है कि उन चार को रोको और पांचवां बनो। साथ ही रोटेशन में भी शामिल हो। और हां, ये काम मुश्किल है लेकिन ऐसा हो रहा है। और मैं इसके लिए बहुत आभारी हूं। मुझे बस खुद को साबित करना है, ताकि मैं टिक सकूं। यह अगली चुनौती है। बता दें कि अपने डांस मूव्स और हुस्न से सबका ध्यान अपनी तरफ खींचने वाली नोरा फतेही, अक्सर चर्चा में बनी रहती हैं। उनका नाम विवादों में तो छाया ही रहता है। साथ ही वह सोशल मीडिया पर भी गदर काटती नजर आती हैं।

गदर-2 और ओएमजी-2 की एडवांस बुकिंग शुरू

-दोनों फिल्में 11 को होने जा रही है प्रदर्शित

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्टर सनी देओल और अक्षय कुमार की फिल्में गदर-2 और ओएमजी-2 की एडवांस बुकिंग शुरू हो चुकी हैं। दोनों फिल्म 11 अगस्त के मौके पर प्रदर्शित होने जा रही है। गदर-2 की एडवांस बुकिंग पिछली 31 जुलाई से शुरू हो गई थी। इस बारे में जयपुर गोलछा सिनेमा के प्रबन्धक सुधीर पुरी ने बताया कि फिल्म को लेकर दर्शकों में जबरदस्त क्रेज है। इस फिल्म की एडवांस बुकिंग की पूछताछ के लिए फिल्म देखने आने वाले दर्शकों से ज्यादा दर्शक आ रहे थे। सिनेमाघरों से निमार्ताओं का मिले फीड बैक के बाद फिल्म की एडवांस बुकिंग शुरू की गई थी, जिसे दर्शकों का बहुत अच्छा रिस्पांस मिल रहा है। वैसे भी फिल्म को स्वतंत्रता दिवस सप्ताह का 5 दिन का लम्बा वीकेंड मिल रहा है। इसके चलते उम्मीद है कि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त धमाका करेगी। वहीं दूसरी तरफ आज बुधवार 2 अगस्त से अक्षय कुमार की फिल्म ओएमजी-2 की एडवांस बुकिंग भी शुरू हो गई है। पिछले कई दिनों से सेंसर बोर्ड में अटकी फिल्म को कल सेंसर बोर्ड ने अ प्रमाण पत्र जारी किया। जिसके बाद निमार्ताओं ने आज से इसकी एडवांस शुरू करने की सिनेमाघरों को इजाजत दी। अक्षय कुमार इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म ओएमजी 2 को लेकर काफी सुर्खियों में हैं। अक्षय कुमार, पंकज त्रिपाठी और कृति सेनॉन स्टारर यह फिल्म लगातार विवादों में फंसी हुई है। दरअसल काफी लंबे समय से ओएमजी 2 सेंसर बोर्ड में अटकी हुई थी, फिल्म के कुछ सीन्स को लेकर सेंसर बोर्ड को आपत्ति थी, जिसके कारण फिल्म को रिवाइजिंग कमेटी के पास भेज दिया गया था। ओएमजी 2 का टीजर तो पहले ही रिलीज कर दिया गया था, जो दर्शकों को काफी पसंद भी आया। हालांकि विवादों के कारण फिल्म का ट्रेलर अभी तक रिलीज नहीं किया गया है। लेकिन अब इसी बीच खबर आ रही है कि ट्रेलर रिलीज से पहले ही ओएमजी 2 की एडवांस बुकिंग शुरू हो गई है।ओएमजी 2 की एडवांस बुकिंग शुरू होने की जानकारी खुद अक्षय कुमार ने दी है। अक्षय कुमार ने अपे इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म का एक नया पोस्टर रिलीज किया है। इस पोस्टर में अक्षय हाथ में त्रिशुल लिए खड़े नजर आ रहे हैं, साथ ही उन्होंने अपने माथे पर भस्म लगा रखी है।

कनिका मान को किआसा ने बनाया ब्रांड एम्बेसडर

गुड्डन के नाम से मशहूर अदाकारा कनिका मान को किआसा ब्रांड ने अपना नया एम्बेसडर बनाया है। इस नई साझेदारी का ऐलान करते हुए किआसा ने बताया कि वह उत्पादों और ब्रांड मूल्यों का प्रचार-प्रसार करेंगी। इस सहयोग से किआसा की ब्रांड वैल्यू बढ़ने और विस्तार होने की उम्मीद है। कनिका मान ने इस सम्बंध में एक बयान में कहा कि मैं बेहद खुशी अनुभव कर रही हूँ कि मुझे किआसा के ब्रांड एम्बेसडर के रूप में चुना गया है।

किआसा एक अच्छी और विश्वसनीय ब्रांड है और मैं उनके साथ इस सफलता की यात्रा में शामिल होकर खुश हूँ। मैं उम्मीद करती हूँ कि मैं अपने चाहने वालों को इन्हें उत्कृष्ट उत्पादों के बारे में बताकर बिक्री बढ़ाने में सफल रहूंगी।

फ्राइडे नाइट प्लान में देखने को मिलेगा भाई-बहन का प्यार

-प्यार और हंसी की अविस्मरणीय यात्रा है यह फिल्म

मुंबई (ईएमएस)। भाई-बहन का अटूट बंधन दर्शकों को आगामी फिल्म फ्राइडे नाइट प्लान में देखने को मिलेगा। प्यार और हंसी की इस अविस्मरणीय यात्रा का निर्देशन वत्सल नीलकांतन ने किया है और इसका निर्माण रितेश सिधवानी, कासिम जगमगिया और फरहान अख्तर, एक्सेल एंटरटेनमेंट द्वारा किया गया है। आगामी फिल्म, फ्राइडे नाइट प्लान का टीजर आज, 4 अगस्त को जारी किया गया। फिल्म में, बाबिल खान एक बेवकूफ बड़े भाई की भूमिका निभा रहे हैं, और उनके किरदार का पार्टनर-इन-क्राइम उनका शरारती छोटा भाई जयन है, जिसे अमृत ने शानदार ढंग से निभाया है। वे सर्वश्रेष्ठ जोड़ी हैं, जो वर्ष की सबसे शानदार, सबसे घटित होने वाली पार्टी को जीतने के लिए तैयार हैं - बेशक अपनी मां की अनुपस्थिति में, जूही चावला द्वारा अभिनीत। फ्राइडे नाइट प्लान काला के बाद बाबिल खान की नेटफ्लिक्स के साथ दूसरी प्रस्तुति होगी। इसके बारे में बोलते हुए, युवा अभिनेता ने कहा, वास्तविक जीवन में एक छोटा भाई होने के कारण, यह फिल्म मेरे लिए बहुत प्रासंगिक लगती है। यह एक दिल छू लेने वाली यात्रा है जो हमारे अपने दुस्साहस की यादें ताजा कर देती है। यह एक्सेल एंटरटेनमेंट के साथ मेरी पहली प्रस्तुति है और काला के बाद नेटफ्लिक्स के साथ मेरा दूसरा सहयोग भी है, और मैं इस परियोजना का हिस्सा बनकर अधिक रोमांचित नहीं हो सकता। एक्सेल एंटरटेनमेंट में हम इस दिल छू लेने वाली फिल्म को दुनिया के सामने पेश करते हुए बहुत खुश हैं! यह हमारी पहली हाई स्कूल फिल्म है और इस-के साथ आने वाली सभी मजेदार, शरारतें और बढ़ते दर्द हैं। बाबिल खान के नेतृत्व में तारकीय कलाकारों के साथ काम करना रोमांचक था। और हमें उम्मीद है कि हमारा प्यार नेटफ्लिक्स के साथ दूर-दूर के दर्शकों तक पहुंचेगा, फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी, निमार्ता, एक्सेल एंटरटेनमेंट साझा करते हैं। मेरी पहली फिल्म, फ्राइडे नाइट प्लान की घोषणा करना एक रोमांचकारी अनुभव है। यह प्यार, दोस्ती, भाईचारे और आत्म खोज की एक गर्म कहानी है जो सभी दर्शकों से बात करती है। मैं नेटफ्लिक्स और एक्सेल एंटरटेनमेंट को भागीदार के रूप में पाकर बहुत आभारी हूं। और मुझे उम्मीद है कि जिस प्यार के साथ हमने फिल्म बनाई है वह दुनिया भर के स्क्रीनों पर दिखाई देगी, निर्देशक वत्सल नीलकांतन बताते हैं। रुचिका कपूर शेख, निदेशक, ओरिजिनल फिल्म्स, नेटफ्लिक्स इंडिया, ने कहा, मिसमैच्ड और क्लास जैसे युवा वयस्क सामग्री के लिए अपार प्यार के बाद, हम इस उपन्यास के लिए एक रोमांचक, ताजा कलाकारों को एक साथ लाने के लिए रोमांचित हैं, जो दो भाइयों की आशाजनक कहानी है। निश्चित रूप से यह दर्शकों के साथ तालमेल बिठाएगा क्योंकि यह एक दुर्भाग्यपूर्ण शुक्रवार की रात को भाई-बहन के प्यार और दुस्साहस के सार्वभौमिक विषय का जश्न मनाता है। इस शैली के उस्तादों के साथ स-झेदारी करना, एक्सेल एंटरटेनमेंट एक वास्तविक आनंद रहा है!

विक्की के साथ रोमांटिक पलों को साझा किया कैटरीना ने

अपने अभिनेता-पति विक्की कौशल के साथ बिताए कुछ रोमांटिक पलों को अभिनेत्री कैटरीना कैफ ने साझा किया है। अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक्ट्रेस ने तस्वीरें पोस्ट कीं, जिनमें स्टार जोड़ी को अपने मुंबई आवास की समुद्र के सामने वाली बालकनी में कुछ क्वालिटी टाइम बिताते देखा जा सकता है। एक्ट्रेस ने दो तस्वीरें पोस्ट कीं। पहले में विक्की दृश्य देख रहे हैं और कैटरीना उसकी ओर इशारा करते हुए कैप्शन में हाय लिखा है। दूसरी तस्वीर में दोनों के बीच एक रोमांटिक पल दिखाया गया है। दोनों तस्वीरों में दोनों कैजुअल कपड़े पहने नजर आ रहे हैं। जहां विक्की ने बेसबॉल कैप के साथ स्लीवलेस काली टी-शर्ट पहनी थी, वहीं कैटरीना सादे सफेद टी-शर्ट में नजर आ रही हैं। उन्होंने इस दृश्य की एक तस्वीर भी पोस्ट की और इसे होम शीर्षक दिया। काम के मोर्चे पर कैटरीना टाइगर फ्रेंचाइजी की तीसरी किस्त में सलमान खान के साथ नजर आएंगी। उनके पास विजय सेतुपति के साथ मेरी क्रिसमस भी है, जो 15 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

चंदू चैम्पियन की तैयारी कर रहे हैं कार्तिक

आजकल एक्टर कार्तिक आर्यन चंदू चैम्पियन की तैयारी कर रहे है, जिस-का निर्देशन कबीर खान कर रहे हैं। कार्तिक आर्यन के करियर में दो फिल्में ऐसी रहीं जिन्होंने उनकी पूरी लाइफ ही चेंज कर दी। पहली सोनू के टीटू की स्वीटी जिसने उन्हें ए-लिस्ट एक्टर्स की कैटेगरी में लाकर खड़ा कर दिया और दूसरी भूल भुलैया 2 जिसने उनके करियर को और ऊंचाई दे दी। भुल भुलैया-2 के बाद उनकी शहजादा आई जो बुरी तरह फ्लॉप रही। यह फिल्म 2020 में रिलीज हुई सुपरहिट तेलुगु फिल्म अला वैकुंठपुरमलो की रीमेक थी। अपने हालिया दिए इंटरव्यू में कार्तिक ने इस फिल्म के फेलियर पर बात की और बताया कि उन्होंने इस फिल्म से क्या सीखा। एक्टर ने कहा कि यह फिल्म शायद इसलिए नहीं चली क्योंकि यह रीमेक थी। एक इंटरव्यू में कार्तिक ने कहा, ह्यइस फिल्म के फ्लॉप होने के बाद जो सबसे बड़ी सीख मुझे मिली वो यह थी कि अब मैं रीमेक नहीं करूंगा। यह पहली बार था जब मैंने किसी रीमेक में काम किया। मैं कुछ नया एक्सपीरियंस ले रहा था, मैं इसे कैमरे पर और स्क्रीन पर कर रहा था, तो यह एक अलग ही एक्सपीरियंस था।

फरहान अख्तर ने किया 'डॉन-3' का ऐलान, शाहरुख खान नहीं करेंगे फिल्म

बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही बॉलीवुड के किंग खान शाहरुख खान की फिल्म पठान के अगले भाग का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अब निर्देशक फरहान अख्तर ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट कर डॉन-3 की घोषणा कर दी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शाहरुख खान ने डॉन-3 में काम करने से साफ इनकार कर दिया है। शाहरुख खान फिलहाल ऐसी व्यावसायिक फिल्में करने में अधिक रुचि रखते हैं, जो वैश्विक दर्शकों को पसंद आए और चूंकि डॉन-3 एक ऐसी फिल्म है जो इस ढांचे में फिट नहीं बैठती है, इसलिए शाहरुख खान ने खुद को इस फिल्म से बाहर रखने का फैसला किया है। फरहान की पोस्ट पर कई फैंस कमेंट कर रहे हैं। फैंस ने कमेंट किया है कि शाहरुख खान के बिना डॉन-3 नहीं बन सकती। एक यूजर ने लिखा, आपको शर्म आनी चाहिए, आपने शाहरुख के साथ फिल्म क्यों नहीं की? वहीं दूसरे ने लिखा, नो एसआरके नो डॉन। एक यूजर ने लिखा, मुझे मेरा शाहरुख डॉन वापस दे दो। रिपोर्ट्स के मुताबिक डॉन-3 में लीड एक्टर के तौर पर रणवीर सिंह के नाम का ऐलान जल्द ही हो सकता है। संजय लीला भंसाली की फिल्म बैजू बावरा की शूटिंग खत्म करने के बाद रणवीर सिंह डॉन-3 की शूटिंग शुरू करेंगे। फरहान डॉन-3 के साथ निर्देशन में वापसी करेंगे। यह फिल्म 2025 में रिलीज होगी।

कर्टनी ने ब्लू शॉर्ट्स में फोटोशूट करा.... बड़ा सा बंप फ्लॉन्ट किया

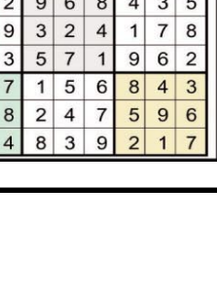

हॉलीवुड अभिनेत्री कर्टनी कार्दशियन इन दिनों अपने प्रेग्नेंसी फेज को एंजॉय कर रही हैं। वह जल्द ही पति ट्रैविस बार्कर के बच्चे को जन्म देंगी। इसके बाद वह अपने प्रेग्नेंसी डेज को खास बनाते हुए बिता रही हैं। हाल ही में कर्टनी ने ब्लू शॉर्ट्स में फोटोशूट करवाया, जिसकी तस्वीरें उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की हैं। उनकी ये तस्वीरें इंटरनेट पर आते ही वायरल हो गई हैं। इन तस्वीरों में 44 की कर्टनी ब्लू कलर के टू पीस में नजर आ रही हैं। लॉन्ग स्लीव क्रॉप जैकेट में एक्ट्रेस अपना बड़ा सा बंप फ्लॉन्ट कर रही हैं और मैचिंग मिनी स्कर्ट में उनकी लेग्स काफी हॉट लग रही हैं। इसके साथ उन्होंने सिल्वर हील पेयर की है और लो बन के साथ के साथ लुक को कंप्लीट किया है। अपने बेबी बंप को फ्लॉन्ट करती हुई कर्टनी कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक पोज दे रही हैं।

सूडोकु नवताल- 6518

सरल

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6517 का हल

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7

शब्दजाल - 7265

स	रा	जें	द्र	कु	मा	री	वा	ज	पे	यी	
द	स	ल	प्रे	व	जी	स	द	ह	कां	रा	
वि	स	रो	म	र	ज	नी	पा	ल	ख	म	
शा	स	स	जि	दि	वा	स	ध	चं	श	दु	
र	आ	र	ग	नी	ज	ना	तू	द्रा	झ	ला	
दा	ल	ला	र	दि	ना	उ	ती	व	घ	री	
मु	व	ग्रे	मी	या	प	य	ज	ती	व	सि	
ख	एं	वा	ई	द	ब	क	डू	ए	श	न्हा	
र्जी	ड	ल	कु	म	द	बे	न	जो	शी	आ	
क	गॉ	ल	प	लि	जी	शी	ला	कौ	ल	द	
वि	ज	य	ल	क्ष्मी	पं	डि	त	ब	प	म	

शब्द जाल में 10 महिला राज्यपालों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

सरोजिनी नायडू, विजयलक्ष्मी पंडित, शारदा मुखर्जी, कुमुदबेन जोशी, सरला ग्रेवाल, रामदुलारी सिन्हा, चंद्रावती, शीला कौल, राजेंद्रकुमारी वाजपेयी, रजनी पाल

शब्दजाल - 7264 का हल

अ	क	ल	इं	दि	रा	गां	धी	ई	ल	ज	
र	ट	ल	दे	व	गौ	ड़	इं	द्र	ट	वा	
त	स	ल	ल	र्म	छ	मो	रा	कु	ख	ह	
च	ज	ज	बि	पु	र	रा	प	मा	ली	र	
मे	र	दो	ग	हा	लं	र	तू	र	झ	ला	
न	क	ण	प	ह	री	जी	ना	गु	घ	ल	
मो	अ	स	सिं	या	प	दे	श	ज	ला	ने	
ह	ता	दा	ई	ह	ब	सा	फ	रा	श	ह	
न	बा	चे	न	ब्रा	जी	ई	री	ल	प	रु	
सिं	पा	ला	ल	ब	हा	दु	र	शा	स्त्री	ता	
ह	रा	जी	व	गां	धी	रा	बा	द	प	न	

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6218

	1		5		6	4
	39	6	33	4	33	
4		5	1		3	6
	36	4	28	1	29	7
6	4		5		2	
	29	1	33	6	32	2
1	7		4			3

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6217 का हल

2	7	5	6	3	1	4
1	32	6	29	2	32	7
3	7	1	2	4	6	5
5	38	7	29	1	29	3
6	5	4	3	7	1	2
4	35	2	35	5	30	6
7	4	3	5	6	2	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

मनोज तिवारी संन्यास से लौटे : पांच दिन पहले रिटायरमेंट लिया था, एक और साल रणजी ट्रॉफी खेलेंगे

कोलकाता।
क्रिकेटर मनोज तिवारी ने पांच ही दिन में अपने संन्यास के फैसले को वापस ले लिया है। कोलकाता में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में तिवारी ने संन्यास से वापस आने के फैसले का आधिकारिक तौर पर ऐलान कर दिया है।

तिवारी ने पिछले गुरुवार यानी 3 अगस्त को अपनी संन्यास की घोषणा की थी। वो बंगाल क्रिकेट के लिए खेलना चाहते हैं। बंगाल क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष स्नेहासिस गांगुली से चर्चा के बाद मनोज तिवारी ने रिटायरमेंट से वापसी का फैसला लिया।

तिवारी ने कहा, वो एक और साल रणजी ट्रॉफी खेलेंगे। बता दें, तिवारी की कप्तानी में बंगाल टीम पिछले साल रणजी ट्रॉफी के फाइनल में पहुंची थी। मनोज तिवारी ने अपने संन्यास वाला पोस्ट भी सोशल मीडिया से डिलीट कर दिया है।

उन्होंने रणजी ट्रॉफी की एक फोटो के साथ नया पोस्ट किया है। उन्होंने लिखा, कभी-कभी हमारा आखिरी मौका हमारी पहली सफलता बन जाता है। मैं अपने साथियों के साथ बंगाल क्रिकेट टीम को रणजी ट्रॉफी खेलने और जीतने के लिए एक और साल दे रहा हूं। इसलिए मैं वह खेल वापस खेल रहा हूं जो जीवन भर मेरा जुनून और प्यार रहा है। असुविधा के लिए खेद है।

घरेलू क्रिकेट करियर

बंगाल के लिए क्रिकेट खेलने वाले तिवारी ने फर्स्ट क्लास करियर में 141 मैच खेले, जिसमें 29 शतक और 45 अर्धशतकों की मदद से 9908 रन बनाए और 32 विकेट लिए। उन्होंने 169 लिस्ट ए मैचों में 6 शतक और 40 अर्धशतकों की मदद से 5581 रन बनाए, 63 विकेट झटके।

मनोज तिवारी का इंटरनेशनल करियर

मनोज तिवारी ने 2008 में एमएस धोनी की कप्तानी में अपना इंटरनेशनल डेब्यू किया था। भारत के लिए तिवारी ने 12 वनडे और तीन टी-20 इंटरनेशनल मैच खेले। वनडे में उन्होंने 26.09 की औसत से 287 रन बनाए है। जिसमें 1 शतक और एक अर्धशतक शामिल है।

आईपीएल में चार टीमों को हिस्सा रहे

इंडियन प्रीमियर लीग में मनोज तिवारी कोलकाता नाइट राइडर्स, राइजिंग पुणे सुपरजायंट, दिल्ली कैपिटल्स और किंग्स इलेवन पंजाब टीम का हिस्सा रहे हैं। इस दौरान उन्होंने 98 मैचों में 1,695 रन बनाए।

न्यूज ब्रीफ

अश्विन और प्रज्ञान बोले, तिलक को विश्वकप के लिए भारतीय टीम में शामिल करें

नई दिल्ली । युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण के बाद से ही शानदार प्रदर्शन किया है। तिलक ने जिस प्रकार वेस्टइंडीज दौरे पर जिम्मेदारी भरी पारियां खेली हैं उससे सभी प्रभावित हैं। तिलक ने यहां तीसरे टी20 में अर्धशतक लगाया है। दूसरे टी20 में भी इस बल्लेबाज ने अर्धशतक लगाया था जबकि पहले मैच में 39 रन बनाये हैं। इसी को देखते हुए अब अनभवी स्पिनर आर अश्विन ने पूर्व क्रिकेटर प्रज्ञान ओझा तक ने तिलक को एकदिवसीय विश्व कप में जगह दिए जाने की की मांग की है। तिलक ने आईपीएल में भी लगातार अच्छा प्रदर्शन किया था। इसके साथ ही घरेलू क्रिकेट में भी उन्होंने जमकर रन बनाये हैं। उनका अंतरराष्ट्रीय पदार्पण भी शानदार रहा है। उन्होंने परिपक्वता भी दिखाई है। टीम इंडिया के पास एकदिवसीय प्रारुप में एक भी बल्लेबाज शीर्ष क्रम में नहीं है। ऐसे में उन्हें शामिल करने से दाएं-बाएं का संयोजन विरोधी गेंदबाजों को मुश्किल में डाल सकता है। लिस्ट-ए क्रिकेट में हैदराबाद से घरेलू क्रिकेट खेलने वाले तिलक ने 25 पारियों में 5 शतक और 5 अर्धशतक लगाये हैं। पूर्व स्पिनर प्रज्ञान ओझा ने कहा कि एकदिवसीय में टीम इंडिया के लिए नंबर-4 समस्या बनी हुई है जिससे तिलक हल कर सकते हैं क्योंकि वह किसी भी क्रम पर बल्लेबाजी कर लेते हैं। प्रज्ञान ने कहा कि वह अच्छा दिख रहा है और उसने हर मैच में संयम भी दिखाया है। उनके आने से टीम को बाएं हाथ का बल्लेबाज भी मिल जाएगा। इससे पहले पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री ने भी कहा था कि टीम में बाएं हाथ का कम से कम एक बल्लेबाज होना चाहिये।

बंगाल में 16 को मनेगा खेला होबे दिवस, हर गली-मोहल्ले में होगा फुटबॉल मैच

कोलकाता । पश्चिम बंगाल में 16 अगस्त को 'खेला होबे दिवस' के रूप में मनाया जाएगा। इस दिन बंगाल के हर जिले और गांव में फुटबॉल मैच का आयोजन किया जाएगा। कोलकाता में भी फुटबॉल मैच का आयोजन किया जाएगा। कोलकाता में फुटबॉल मैच आयोजन के लिए कोलकाता नगर पालिका क्षेत्र के लिए 21 लाख 60 हजार रुपए आवंटित किए गए हैं। मेयर परिषद (खेल) देबाशीष कुमार ने कहा कि प्रत्येक वार्ड में फुटबॉल मैचों का आयोजन किया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक महिलाओं के लिए भी विशेष तैयारी चल रही है। उल्लेखनीय है कि पिछले महीने ही 21 जुलाई को शहीदी दिवस के मौके पर राज्य की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ने 16 अगस्त को खेला होबे दिवस मनाने का आह्वान किया था। इसकी तैयारी कोलकाता सहित राज्य के विभिन्न जिलों में शुरू हो चुका है। खेला होबे दिवस के तहत 16 को बंगाल के हर जिले और गांव में फुटबॉल मैच का आयोजन किया जाएगा। कोलकाता में भी फुटबॉल मैच का आयोजन किया जाएगा। कोलकाता में फुटबॉल मैच आयोजन के लिए कोलकाता नगर पालिका क्षेत्र के लिए 21 लाख 60 हजार रुपये आवंटित किए गए हैं। देवाशीष कुमार ने कहा, इसकी तैयारियां शुरू हो चुकी है। लोगों में इसे लेकर खासा उत्साह है। कई इलाके के पार्षद लोगों से मुलाकात कर रहे हैं।

स्टीव वा के नेतृत्व में शुरू हुआ था ऑस्ट्रेलिया का स्वर्णिम युग, पोंटिंग ने बढ़ाया कारवां

नई दिल्ली। स्टीव वा की कप्तानी में 1999 में ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को हराकर वनडे विश्व कप की ट्रॉफी जीती थी। यह दूसरी बार था जब ऑस्ट्रेलिया विश्व विजेता बना था, लेकिन स्टीव वा के नेतृत्व में ही टीम का स्वर्णिम युग शुरू हुआ था, क्योंकि इसके बाद ऑस्ट्रेलिया ने 2003 और 2007 में भी ट्रॉफी अपने नाम की थी। 1999 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। टीम ने अपना पहला मैच स्काटलैंड से जीता, लेकिन न्यूजीलैंड और पाकिस्तान के विरुद्ध अगले दो मुकाबलों में उसे हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद टीम ने बांग्लादेश के विरुद्ध मैच से जीत की राह पकड़ी और इसके बाद पीछे मुढ़कर नहीं देखा। लीग चरण के बाद सुपर-6 चरण में भारत, जिम्बाब्वे और दक्षिण अफ्रीका को हराकर ऑस्ट्रेलिया ने सेमीफाइनल में प्रवेश किया। सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया का सामना दक्षिण अफ्रीका से हुआ, लेकिन यह मुकाबला टाई रहा और ऑस्ट्रेलिया ने सुपर-6 चरण में दक्षिण अफ्रीका से बेहतर नेट रनरेट के कारण फाइनल में जगह बनाई।

वर्ल्ड कप का नया शेड्यूल...9 मैचों की तारीखें बदलीं

भारत-पाक मैच 14 अक्टूबर को ; इंग्लैंड-पाकिस्तान अब 11 नवंबर को कोलकाता में भिड़ेंगे

नई दिल्ली ।
इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने वनडे वर्ल्ड कप 2023 का नया शेड्यूल जारी कर दिया है। अपडेट शेड्यूल में 9 मुकाबलों की तारीखें बदली गई हैं। भारत-पाकिस्तान मैच अब 15 की जगह 14 अक्टूबर को अहमदाबाद में ही खेला जाएगा। वहीं 12 नवंबर को कोलकाता में शेड्यूल्ड पाकिस्तान-इंग्लैंड मैच अब 11 नवंबर को होगा। टीम इंडिया ग्रुप स्टेज में अपना आखिरी मैच 11 नवंबर को नीदरलैंड्स के खिलाफ खेलने वाली थी, लेकिन यह मैच अब 12 नवंबर को बेंगलुरु में होगा।

पाकिस्तान के 3, भारत के 2 मैच री-शेड्यूल हुए - वर्ल्ड कप में 9 मैच री-शेड्यूल किए गए हैं, लेकिन किसी भी मैच का वेन्यू चेंज नहीं किया गया। भारत-पाकिस्तान मैच की तारीख बदलने के चलते इंग्लैंड-बांग्लादेश और श्रीलंका-पाकिस्तान मैच को भी री-शेड्यूल करना पड़ा। अब 10 अक्टूबर को इंग्लैंड-बांग्लादेश और पाकिस्तान-श्रीलंका के मैच होंगे। ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के बीच बड़ा मुकाबला लखनऊ में 13 की जगह 12 अक्टूबर को खेला जाएगा। अपडेट शेड्यूल में पाकिस्तान के साथ बांग्लादेश और इंग्लैंड के भी 3-3 मैचों की तारीखें बदली गई हैं। ऑस्ट्रेलिया और भारत के 2-2 मैच री-शेड्यूल किए गए हैं, वहीं न्यूजीलैंड, साउथ अफ्रीका, श्रीलंका और नीदरलैंड का भी एक-एक मैच री-शेड्यूल करना पड़ा है।

वर्ल्ड कप के री-शेड्यूल मैच

मैच	तारीख	कहां	कब
ENG vs BAN	10 अक्टूबर	धर्मशाला	10:30 AM
PAK vs SL	10 अक्टूबर	हैदराबाद	2:00 PM
AUS vs SA	12 अक्टूबर	लखनऊ	2:00 PM
NZ vs BAN	13 अक्टूबर	चेन्नई	2:00 PM
IND vs PAK	14 अक्टूबर	अहमदाबाद	2:00 PM
ENG vs AFG	15 अक्टूबर	दिल्ली	2:00 PM
AUS vs BAN	11 नवंबर	पुणे	10:30 AM
ENG vs PAK	11 नवंबर	कोलकाता	2:00 PM
IND vs NET	12 नवंबर	बेंगलुरु	2:00 PM

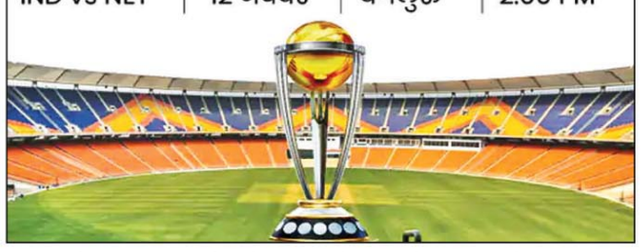

11 से 12 नवंबर के बीच 3 मुकाबले री-शेड्यूल करने पड़े - मैच री-शेड्यूल करने का मुद्दा 2 सप्ताह पहले शुरू हुआ, जब अहमदाबाद पुलिस ने कहा कि उन्हें भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबले की सिक्योरिटी देने में दिक्कतें आ सकती हैं क्योंकि 15 अक्टूबर को ही हिंदू त्योहार नवरात्रि भी शुरू हो रहा है, जिसके चलते पुलिस को एक साथ 2 जगह सिक्योरिटी प्लानिंग करनी पड़ जाएगी। सिक्योरिटी के कारण भारत और पाकिस्तान के बीच मैच अब 14 अक्टूबर को री-शेड्यूल किया गया। इसे मैनेज करने के चक्कर में 10 से 15 अक्टूबर के बीच 5 और मुकाबलों को भी री-शेड्यूल करना पड़ा। अहमदाबाद के बाद पिछले सप्ताह ही कोलकाता पुलिस ने कहा कि 12 अक्टूबर को कालीपूजा त्योहार के कारण उन्हें पाकिस्तान-इंग्लैंड मैच की सिक्योरिटी में दिक्कतें आ सकती हैं। जिसके चलते पाक-इंग्लैंड मैच अब 11 अक्टूबर को कोलकाता में ही खेला जाएगा। वहीं 12 अक्टूबर को अब भारत और नीदरलैंड के बीच मुकाबला बेंगलुरु में खेला जाएगा, जो पहले 11 नवंबर को खेला जाना था।

वर्ल्ड कप 5 अक्टूबर से होगा - भारत में अक्टूबर-नवंबर में 46 दिन तक वनडे वर्ल्ड होगा, जिसमें 48 मैच खेले जाएंगे। पहला मैच 5 अक्टूबर को पिछले वर्ल्ड कप की विजेता और उप-विजेता इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच अहमदाबाद में होगा। 12 नवंबर तक ग्रुप स्टेज के 45 मैच होंगे। 15 और 16 नवंबर को 2 सेमीफाइनल और 19 नवंबर को अहमदाबाद में फाइनल खेला जाएगा।

रोहित को विश्वकप में 2011 की सफलता दोहराने की उम्मीद

विश्वकप के सभी मैच भारत में ही होने का लाभ मिलेगा

नई दिल्ली ।
भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा को उम्मीद है इस बार उनकी टीम घरेलू धरती पर होने वाले एकदिवसीय विश्वकप को जीत सकेगी। भारतीय टीम पिछली बार विश्व कप में सेमीफाइनल चरण से आगे नहीं जा सकी थी पर इस बार उसे घरेलू मैदान का लाभ मिल सकता है।

रोहित के अनुसार उनकी टीम 2011 की सफलता को दोहरा सकती है। साल 2011 में भी भारत में ही विश्वकप हुआ था हालांकि उस टीम में रोहित को जगह नहीं मिली थी। आईसीसी क्रिकेट विश्व 2023 के ट्रॉफी टूर के दौरान रोहित ने भी ट्रॉफी के साथ तस्वीर खिंचाई। इसी दौरान उन्होंने कहा, हम इस साल फिर से घर वापस आ गए हैं, इसलिए उम्मीद है कि हम चीजों को बदल सकेंगे। इसका एक कारण ये भी है कि इस बार भारत में पूरा विश्वकप खेला जाएगा, जबकि 2011 के विश्व कप की मेजबानी भारत ने बांग्लादेश और श्रीलंका के साथ मिलकर की थी।

रोहित ने वर्ल्ड कप की योजना को लेकर कहा, अभी भी बहुत लंबा रास्ता तय करना है और हम जानते हैं कि आप एक या दो दिन में विश्व कप नहीं जीत सकते, आपको पूरे महीने, डेढ़ महीने अच्छा खेलना होगा और लगातार अच्छा प्रदर्शन करना होगा। हम यह तय करने के लिए अपने रवैये से हर संभव कोशिश कर रहे हैं कि हम उस विश्व कप के लिए तैयार हैं। विश्वकप के पिछले संस्करण में पांच शतक और 81 के औसत के साथ 648 रन बनाने वाले रोहित शर्मा ने कहा, तब मैं अच्छी मानसिक स्थिति में था।

विश्व कप से पहले हमने वास्तव में अच्छी तैयारी की थी और जब आप उस तरह के टूर्नामेंट में जा रहे हैं, तो आप बस अच्छी शुरुआत करना चाहते हैं तो आपको मानसिक रूप से और शारीरिक रूप से तरोताजा रहना होगा और फिर सब कुछ ठीक हो जाता है। रोहित ने टीम इंडिया के अभियान को लेकर कहा कि हमें हर जगह समर्थन मिलेगा, जिससे हमारे ऊपर अपेक्षाओं का दबाव भी रहेगा। उन्होंने कहा, मैं इस तथ्य के बारे में जानता हूं कि हम जिस भी मैदान या स्थान पर जाएंगे, हमें भारी समर्थन मिलेगा।

चिकित्सा सलाह के बाद ही विलियमसन के भारत जाने पर फैसला करेंगे : स्टीड

क्राइस्टचर्च।
न्यूजीलैंड के मुख्य कोच गैरी स्टीड ने केन विलियमसन की फिटनेस और रिकवरी को लेकर पर बड़ा अपडेट दिया है और कहा है कि वह चिकित्सा सलाह के बाद ही केन विलियम्सन के विश्व कप के लिए भारत जाने पर फैसला करेंगे। आईपीएल के 16वें सीजन में 31 मार्च को अहमदाबाद में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ गुजरात टाइटन्स के लिए खेलते समय विलियमसन चोटिल हो गए थे। तब से लेकर अब तक न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन ने कोई क्रिकेट नहीं खेला है। अप्रैल में उनकी सर्जरी हुई थी और हाल ही में उन्होंने नेट्स पर ट्रेनिंग और बल्लेबाजी शुरू की है। विलियमसन को इंग्लैंड में 8 सितंबर से शुरू होने वाली चार मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के लिए न्यूजीलैंड की 15-खिलाड़ियों की टीम में नामित नहीं किया गया है।

लेकिन वह इंग्लैंड की यात्रा करेंगे और अपने रिहैब को जारी रखते हुए टीम के साथ प्रशिक्षण लेंगे। विश्व कप के लिए अभी समय है, फिलहाल वो अपनी फिटनेस को लेकर कड़ी मेहनत कर रहे हैं। स्टीड ने कहा, हम यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव उपाय करेंगे कि हमें आवश्यक चिकित्सा सलाह मिले, इसके बाद ही हम यह तय करेंगे कि वह विश्व कप के लिए भारत जाएगा या नहीं। क्योंकि अभी कोई भी फैसला लेना जल्दबाजी होगी। कोच ने आगे कहा, केन अपनी फिटनेस प्रक्रिया पर बहुत काम कर रहा है और हम उसके साथ वास्तव में स्पष्ट और सावधान रहे हैं कि हम बहुत आगे के बारे में न सोचें, क्योंकि एसीएल इंजरी से जल्दी रिकवर करना आसान नहीं होता। विलियमसन वर्तमान में 5 अक्टूबर से शुरू होने वाले विश्व कप के लिए समय पर ठीक होने की दौड़ में हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या विलियमसन को नॉकआउट के लिए समय पर ठीक होने पर विश्व कप के बाद के चरणों के लिए चुना जाएगा, स्टीड ने कहा कि इस पर विचार चल रहा है लेकिन इसकी संभावना कम है। विलियमसन 2019 पुरुष एकदिवसीय विश्व कप में 82.57 की औसत से 578 रन के साथ अपनी टीम के लिए सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी थे, जिसमें दो शतक और इतने ही अर्द्धशतक शामिल थे।

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ को है लग्जरी कारों का शौक

राहुल की कुल नेटवर्थ 40 मिलियन डॉलर, भारतीय करेंसी में कुल संपत्ति है 320 करोड़

नई दिल्ली ।
भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ को लक्जरी कारों का बेहद शौक है। उनके पास कुल नेटवर्थ 40 मिलियन डॉलर है जिसे भारतीय करेंसी में कुल संपत्ति 320 करोड़ बताया जा रहा है। हालांकि वह अपने सौम्य और विनम्र स्वभाव से फैंस के दिलों पर राज करते हैं। यही कारण है कि क्रिकेट में राहुल द्रविड़ को मिस्टर भरोसेमंद, द वॉल के उपनाम के अलावा मिस्टर कूल के नाम से भी जाना जाता है। सिर्फ फैंस ही नहीं, विरोधी टीम के खिलाड़ी भी राहुल द्रविड़ की सौम्यता के दीवाने हैं। राहुल द्रविड़ एक खिलाड़ी के तौर पर टीम इंडिया के लिए 164 टेस्ट और 344 वनडे मैचों में मैदान पर उतरे। टेस्ट क्रिकेट में राहुल द्रविड़ में 13288 रन बनाए जबकि वनडे में उनके नाम 10889 रन दर्ज है। रनों के अलावा राहुल द्रविड़ के अनेक रिकॉर्ड ऐसी भी हैं जिन्हें फैंस जुबानी याद रखते होंगे। उनकी संपत्ति की बात करें तो एक रिपोर्ट के मुताबिक राहुल द्रविड़ की कुल नेटवर्थ 40 मिलियन डॉलर बताई गई है। भारतीय करेंसी में उनकी कुल संपत्ति को 320 करोड़ आंका गया है। अगर उनकी कमाई के बारे में बात करें तो वह हर महीने लगभग 1 करोड़ कमाते हैं जबकि उनका सालाना टर्नओवर 12 करोड़ है। उनकी यह इनकम कोचिंग के अलावा विज्ञापन आदि से होती है। राहुल द्रविड़ ने कैस्ट्रॉल, मैक्स लाइफ, रीबॉक और जिलेट जैसे ब्रांड के लिए विज्ञापन किए जिससे उनकी करोड़ों में कमाई हुई है। टीम इंडिया के मुख्य कोच बनने से पहले वह दो साल तक अंडर-19 टीम के मुख्य कोच भी रहे थे। इस दौरान उन्हें करीब 5 करोड़ सैलरी के रूप में मिलता था।

क्रिकेट के अलावा द्रविड़ को लेकर कहा जाता है कि वह लग्जरी गाड़ियों के शौकीन हैं। राहुल द्रविड़ के कार कलेक्शन में मर्सिडीज बेंज, बीएमडब्ल्यू 5 सीरीज, लैम्बोर्गिनी और ऑडी क्यू5 लग्जरी एसयूवी जैसी गाड़ियां हैं। इसके अलावा बेंगलुरु के इंदिरा नगर में उनका एक आलीशान घर भी है जिसकी कीमत करीब 4 करोड़ है। जूनियर टीम की कोचिंग के अलावा द्रविड़ नेशनल क्रिकेट एकेडमी के भी हेड रह चुके हैं। इस दौरान उन्हें 60 लाख रुपए महीना सैलरी मिलती थी। इसके अलावा द्रविड़ ने अपने क्रिकेटिंग करियर के दौरान बीसीसीआई के कॉन्ट्रैक्ट, मैच फीस और पुरस्कारों से पैसा कमाया। रिटायरमेंट के बाद वह आईपीएल टीम के कोच भी रहे, इसके अलावा उन्होंने कमेंट्री भी किया और इससे उनकी अच्छी कमाई की।

सूर्यकुमार यादव ने अपने वनडे फॉर्म के बारे में कहा :

ईमानदारी से कहूं तो, नंबर बिल्कुल खराब हैं और इसे स्वीकार करने में कोई शर्म नहीं

नई दिल्ली ।
वेस्टइंडीज को तीसरे टी-20 में भारत ने सात विकेट से हरा दिया। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान टीम इंडिया के उप कप्तान सूर्यकुमार यादव ने वनडे फॉर्म को लेकर कहा, ईमानदारी से कहूं तो, मेरे वनडे के नंबर बिल्कुल खराब हैं और इसे स्वीकार करने में कोई शर्म नहीं है। मैच में 44 गेंदों में 83 रन बनाने वाले सूर्या ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में मीडिया से बात के दैरान यह बात कही। हम सभी ईमानदारी के बारे में बात करते हैं और आपको होना भी चाहिए, लेकिन आप कैसे सुधार कर सकते हैं यह अधिक महत्वपूर्ण है। रोहित (शर्मा) और राहुल (द्रविड़) सर ने मुझसे कहा है कि यह वह फॉर्मेट है जिसमें मैं ज्यादा नहीं खेलता, इसलिए इसकी ज्यादा प्रैक्टिस करनी होगी और इसके बारे में सोचना होगा क्या कर सकते हो। थोड़ा टाइम लेने के बाद यदि आप अंतिम 10-15 ओवरों में बल्लेबाजी कर रहे हैं, तो आप खुद ही सोचें कि आप टीम के लिए क्या कर सकते हैं। अब यह मेरे हाथ में है कि जिम्मेदारी को अवसर में कैसे बदलना है।

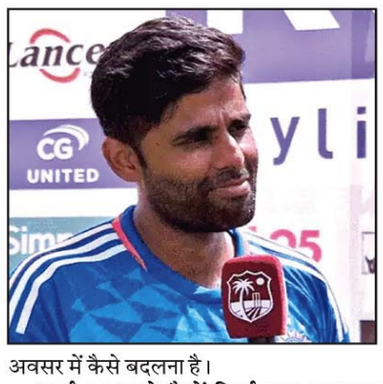

सूर्या 26 वनडे मैचों सिर्फ 511 रन बना सके - सूर्यकुमार ने टी-20 इंटरनेशनल के 51 मैचों की 49 पारियों में 45.64 की औसत और 174.33 की स्ट्राइक रेट से 1,780 रन बनाए हैं। उन्होंने इस फॉर्मेट में तीन शतक और 14 अर्द्धशतक लगाए हैं। उन्होंने अपने प्रदर्शन के लिए 2022 में आईसीसी प्लेयर ऑफ द ईयर का पुरस्कार भी जीता और इस फॉर्मेट में दुनिया के नंबर 1 बल्लेबाज भी हैं। हालांकि, सूर्या के वनडे आकड़ें कुछ खास नहीं हैं। उन्होंने 26 वनडे मैचों के 24 पारियों में 24.33 की औसत से दो अर्धशतकों की मदद से सिर्फ 511 रन बना सके हैं।

मुझे टी-20 की आदत हो गई है - उन्होंने आगे कहा, हम टी-20 फॉर्मेट इतना खेल रहे हैं कि मुझे इसकी आदत हो गई है। वनडे एक ऐसा फॉर्मेट है, जिसमें मैं ज्यादा नहीं खेलता हूं और मुझे यह सबसे चुनौतीपूर्ण फॉर्मेट लगता है। आपको अलग तरह से बल्लेबाजी करनी होगी, अगर कोई विकेट जल्दी गिर जाता है आपको टेस्ट क्रिकेट की तरह थोड़ी संभलकर बल्लेबाजी करनी होती है, फिर बीच-बीच में आपको तेजी लाने की कोशिश करनी होती और अंत में आपको टी-20 की तरह खेलना होता है। इसलिए इस फॉर्मेट के बारे में टीम मैनेजमेंट ने मुझसे जो कहा है मैं उसे लागू करने की कोशिश कर रहा हूं। मैं जरूरत के अनुसार वनडे में बल्लेबाजी करने की कोशिश करता हूं और फिर अंत खेलना चाहता हूं। मैं टीम मैनेजमेंट के विश्वास पर खरा उतरने की कोशिश करूंगा।

सूर्या ने कहा- तिलक वर्मा स्टार हैं - तीसरे मैच में तिलक वर्मा ने नाबाद 49 रन की पारी खेली। सीरीज में तिलक की बल्लेबाजी पर उन्होंने कहा, तिलक अपनी उम्र के हिसाब से गजब की मैच्योरिटी दिखा रहे हैं। उन्होंने जिस तरह से बल्लेबाजी की वह शानदार है। हमने मुंबई इंडियंस के लिए कई बार एक साथ बल्लेबाजी की है। उन्होंने वहां भी ऐसा ही किया है। पूरा श्रेय उसे ही जाता है क्योंकि उसने उतना हार्ड वर्क किया हुआ है। वह एक स्टार हैं।

हर मैच तैयारी का एक मौका है : बाबर आजम

पल्लेकेल । पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) में अपने समय पर विचार किया और बताया कि यह आगामी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों के लिए लॉन्चपैड कैसे होगा। आजम ने कहा, यह एक बहुत अच्छी लीग है; क्रिकेट बहुत प्रतिस्पर्धी रहा है। इसमें प्रतिभाशाली युवा और वरिष्ठ खिलाड़ियों का बहुत अच्छा मिश्रण है। लंका प्रीमियर लीग के बाद, हमें अफगानिस्तान के खिलाफ द्विपक्षीय श्रृंखला खेलनी है, जिसके बाद एशिया कप और विश्व कप होगा। मैं इसे श्रृंखला दर श्रृंखला ले रहा हूं, और हर मैच तैयारी का एक अवसर है। फिलहाल, मेरा पूरा ध्यान लीग पर है। कोलंबो स्ट्राइकर्स के स्टार बल्लेबाज ने भी ग्रीन कैप धारक बनने पर अपने विचार व्यक्त किए और कहा, मुझे चुनौती लेना पसंद है, और अगर टीम को मेरी ज़रूरत है, तो मैं मैदान पर अपना 100 प्रतिशत दूंगा। यह मेरी मानसिकता है ; इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि मैं कहां खेल रहा हूं, मैं हमेशा अपना 100 प्रतिशत देने और अपने क्रिकेट का आनंद लेने की कोशिश करता हूं।

पहला रियल वर्ल्ड गेम...

आज के दौर में वर्चुअल रियलिटी का क्रेज लोगो पर दिनों-दिन बढ़ता चला जा रहा है, नई जनरेशन हर एप्प को वर्चुअल रियलिटी में ही देखना चाहती है।

इसको देखते हुए एक नया गेम बनाया गया है जो रियल वर्ल्ड एक्सपीरियंस देता है। लैंड्स एंड गेम के को-डिजाइनर केन वोंग का कहना है कि जो लोग वर्चुअल रियलिटी को नहीं मानते उनको यकीन दिलवाने के लिए इसे बनाया गया है। इस गेम में कोई फिजिकल कंट्रोल्स नहीं दिए गए और आपको लुक पॉइंट्स पर फोकस कर इसे खेलना होगा। इस गेम को शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता क्योंकि गेम के मूविंग ऑब्जेक्ट और कनेक्ट पैटर्न्स आपको हैरत में डाल देगें और आप सोचने पर मजबूर हो जाएगे कि ऐसा हो कैसे रहा है।

क्या है खास

इस गेम की मोन्यूमेंट वैली में कोई टेक्स्ट और वॉइस नहीं दी गई जिससे आपको गेम खलते समय इंटरेक्शन करने से ही स्टोरी का पता चलता है। यह गेम 360-डिग्री लैंडस्केप पर खेली जाती है जिससे रियल वर्ल्ड एक्सपीरियंस देखने को मिलता है। इस गेम में चट्टानों पर चलना, पहेलियां और हवा में उड़ना आदि शामिल है।

सब कुछ रियल

इस गेम की स्टोरी को इस तरीके से बनाया गया है कि सब कुछ रियल लाइफ एक्टिविटीज की तरह यूजर को देखने को मिलती है। इसे डेवेलप करने के बाद इसे पार्टीज और फ्रेंड्स को गेम एक्सपीरियंस करने के लिए भेज दिया गया है।

ज्यादा सेल्फी लेने से हो सकता है त्वचा को नुकसान

लोगों में आजकल सेल्फी लेने का चलन जोरों पर है। सेल्फी के लिए लोगों की दीवानगी देखते ही बनती है। सेल्फी लेने के चक्कर में अपनी जान गंवाने वालों के बारे में तो आपने बहुत सुना ही होगा लेकिन आज हम आपको सेल्फी से होने वाले ऐसे नुकसान के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे सुनकर आप सेल्फी लेने से घबराने लगेंगे। जीं हां दुनिया के कई मशहूर डर्मटोलॉजिस्ट ने इस बात की चेतावनी जारी की है कि ज्यादा सेल्फी लेना आपकी त्वचा को नुक्सान पहुंचा सकता है।

ज्यादा सेल्फी लेने के नुकसान

त्वचा विशेषज्ञों का मानना है कि चेहरे पर लगातार स्मार्टफोन की लाइट और इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेडिएशन का जोखिम त्वचा को नुकसान पहुंचा सकती है। इससे उम्र बढ़ने के साथ चेहरे पर झुर्रियां भी बढ़ सकती है। ज्यादा सेल्फी लेने से आपकी त्वचा की उम्र तेजी से बढ़ने लगती है और आप समय से पहले बूढ़े लगने लगते हैं।

शोधकर्ताओं के अनुसार फ्लैश लाइट और स्क्रीन से चेहरे पर पड़ने वाली ब्लू लाइट त्वचा के लिए काफी नुकसानदायक है। इसी के साथ बताया कि ब्लॉगर्स और ज्यादा सेल्फी लेने वालों को अब जल्दी ही संभल जाना चाहिए।

त्वचा पर सेल्फी का असर

एक्सपर्ट्स के अनुसार इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेडियेशन आपकी त्वचा में मौजूद डीएनए पर बुरा असर डालता है। इस रेडियेशन के चलते शरीर की स्किन रिपेयरिंग की क्षमता पर भी काफी बुरा असर पड़ता है जिससे समय से पहले झुर्रियां दिखनी शुरू हो जाती हैं और माना जाता है कि किसी भी तरह की क्रीम या सनस्क्रीन इससे बचाव नहीं कर सकती। हालांकि एक अच्छा स्क्रब त्वचा के सेहत काफी अच्छी रख पाता है। त्वचा विशेषज्ञों का कहना हैं कि आप त्वचा को बाहर से हाइड्रेट नहीं कर सकते यानि उसकी पानी की जरूरत को बाहर से पूरा नहीं कर सकते। ये जरूरत अंदर से ही पूरी की जा सकती है।

हृदय में प्रेम का अंकुर जरूरी...

जिसके हृदय में सच्चा प्रेम होता है वही व्यक्ति ईश्वर का भक्त हो सकता है। जरूरत है बस प्रेम की चाहे वह पैसे से हो, किसी स्त्री से, बच्चे से या अन्य सांसारिक वस्तुओं से। अगर हृदय में प्रेम होगा ही नहीं तो ईश्वर क्या संसार में किसी चीज से लगाव हो ही नहीं सकता। भगवान से प्रेम करना वास्तव में उसी प्रकार है जैसा एक दिशाहीन गाड़ी को सही दिशा देना। जिसके हृदय में प्रेम का अंकुर होता है उस व्यक्ति को भक्ति की ओर प्रेरित किया जा सकता है, क्योंकि प्रेम का वृक्ष तभी उग सकता है जब प्रेम का बीज, प्रेम का अंकुर हृदय में मौजूद हो।

प्रेम शक्ति भी है और आसक्ति भी। जब व्यक्ति का प्रेम कामना रहित होता है तो यह शक्ति होती है और जब प्रेम में किसी चीज को पाने का लोभ रहता है तो यह आसक्ति बन जाती है। सच्चा प्रेम वह होता है जो प्रेम में किसी प्रकार का लोभ और किसी चीज को पाने की कामना नहीं रखता है। ऐसा व्यक्ति प्रेम में ऐसा कमाल कर जाता है कि बड़े से बड़े बलवान और धनवान उसके आगे घुटने टेक देते हैं। मीराबाई को दिया गया जहर असरहीन होना। प्रह्लाह का आग के शोलों में भी मुस्कुराते हुए रहना और तुलसीदास का उफनती नदी को पार कर जाना यह प्रेम की शक्ति का उदाहरण है। संतजन कहते हैं कि जिसके हृदय में सच्चा प्रेम होता है वही व्यक्ति ईश्वर का भक्त हो सकता है। जरूरत है बस प्रेम की चाहे वह पैसे से हो, किसी स्त्री से, बच्चे से या अन्य सांसारिक वस्तुओं से। अगर हृदय में प्रेम होगा ही नहीं तो ईश्वर क्या संसार में किसी चीज से लगाव हो ही नहीं सकता। भगवान से प्रेम करना वास्तव में उसी प्रकार है जैसा एक दिशाहीन गाड़ी को सही दिशा देना। जिसके हृदय में प्रेम का अंकुर होता है उस व्यक्ति को भक्ति की ओर प्रेरित किया जा सकता है, क्योंकि प्रेम का वृक्ष तभी उग सकता है जब प्रेम का बीज, प्रेम का अंकुर हृदय में मौजूद हो। बिना बीज के खेती भला कैसे हो सकती है। इस संदर्भ में एक कथा है कि एक बार संत श्रीगोसाई गोकुलनाथ जी के यहां एक धनवान व्यक्ति बहुत सारा धन लेकर शिष्य बनने की कामना से आया। गोसाईं जी ने उस व्यक्ति से पूछा कि क्या तुम्हारा कहीं किसी वस्तु पर ऐसा स्नेह है, जिसके बिना तुम्हारा मन व्याकुल हो जाता हो। उस व्यक्ति ने उत्तर दिया मेरा कहीं किसी वस्तु में तनिक भी स्नेह नहीं है। उत्तर सुनकर गोसाई जी ने कहा कि फिर तो हम तुम्हें दीक्षा कदापि नहीं दे सकते। तुम किसी और गुरू को ढूंढ लो। भक्ति मार्ग में प्रेम ही प्रधान है। जो प्रेम संसार से होता है, दीक्षा शिक्षा से उसी को पलटकर भगवान में लगा दिया जाता है। जब तुम्हारे हृदय में कहीं प्रेम है ही नहीं तो भगवान के प्रेम से भला कैसे सराबोर हो सकते है।

धर्म क्या है?

कुछ लोग कहते हैं कि प्रत्येक व्यक्ति का धर्म अलग है, जैसे राजा का धर्म है प्रजा का ध्यान रखना। सैनिक का धर्म है युद्ध लड़ना, व्यापारी का धर्म है व्यापार करना। जब हम धर्म की परिभाषा इस तरह से करते हैं तो सवाल उठता है कि क्या चोर का धर्म है चोरी करना? फिर तर्क दिया जा सकता है कि नहीं, जो नीति-नियम सम्मत आचरण है वही धर्म है। अर्थात नैतिकता का ध्यान रखा जाना जरूरी है, तो सिद्ध हुआ की नीति ही धर्म है? श्रेष्ठ आचरण ही धर्म है? यदि ऐसा है तो दांत साफ करना नैतिकता है, लेकिन दांत साफ करना हिंसा भी है, क्योंकि इससे हजारों किटाणुओं की मृत्यु हो जाती है। जो आपके लिए नैतिकता है वह हमारे लिए अनैतिकता हो सकती है। धर्म के लिए हजारों लोगों की हत्या भी कर दी जाए तो वह नीति है उसे आप धर्मयुद्ध कहते हैं। तब हम कैसे मान लें की नीति या नैतिकता ही धर्म है? या फिर आप नैतिकता के नाम पर जो-जो गलत है उसे अलग हटाइए। इस नजरिए से वैदिक ऋषियों का विचार सबसे ज्यादा उपयुक्त लगता है कि सृष्टि, धर्म और स्वयं के हित और विकास में किए जाने वाले सभी कर्म धर्म हैं।

धर्म का मर्म

रहस्य यह है कि सभी आध्यामत्मिक पुरुषों ने अपने अपने तरीके से आत्मज्ञान प्राप्त करने और नैतिक रूप से जीने के मार्ग बताए थे। वेद, पुराणों, सभी धर्म ग्रंथों के अनुसार असल में धर्म का अर्थ सत्य, अहिंसा, न्याय, प्रेम, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और मुक्ति का मार्ग माना जाता है। लेकिन समाज के ठेकेदारों ने धर्म के अर्थ को अधर्म का अर्थ बनाकर रख दिया है। आप लाख कितना ही किसी को भी समझाओं की दुनिया के सारे संप्रदाय एक ही तरह की शिक्षा देते हैं। उनका का इतिहास भी सम्मलित है, लेकिन फिर भी वे दूसरे के संप्रदाय से नफरत ही रखेंगे। इसका सीधा सा कारण है प्रत्येक अधार्मिक व्यवस्थाओं को धर्म मान लिया गया है। धर्म को परिभाषित करना उतना ही कठिन है जितना ईश्वर को। हिन्दू धर्म में धर्म को एक जीवन को धारण करने, समझने और परिष्कृत करने की विधि बताया गया है। धर्म ग्रंथो, पुराणो में व्याप्त कथाओं का अनुसरण कर ही हम अपने धर्म को भलीभांति जान सकते हैं। बहु-प्रचलित कथाओं के अनुसरण के आधार पर देखते हैं कि वह कथा हमें क्या शिक्षा देती है।

धर्म का अर्थ सत्य, अहिंसा, न्याय, प्रेम, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और मुक्ति का मार्ग माना जाता है। देव, दानव, मनुष्य, पशु, पक्षी, इस सृष्टि में व्याप्त प्राणी मात्र में प्रेम का भाव ईश्वरीय देन है। इस आधार पर प्रेम ही सत्य है, प्रेम ही शाश्वत है। सच्चे प्रेम में एक दूजे से सत्य बोलना और सच्चाई और ईमानदारी से अपने साथी का साथ निभाने का गुण होता है। यही उनके प्रेम की सत्यता को प्रमाणित करने का प्रथम आधार होता है। प्रेम तो बस प्रेम मांगता जिससे भी हम प्रेम

मुक्ति का मार्ग

करते है उसकी खुशी, उसका साथ चाहता है। प्रेम मे तो वह दिव्य शक्ति है, जो हिंसक को भी अहिंसक बना दे। प्रेम हिंसा का नहीं, अपितु अहिंसा का मार्ग है। प्रेम निश्चित रूप से सिर्फ और सिर्फ आपस में एक दूजे से प्रेम करने वाले, जीवन भर के लिए एक दूजे का साथ पाने की सुखद अनुभूतियों व सपनों को जीने की इच्छा रखने वाले दो प्रेमियों के जीवन को प्रभावित करता है। विरह की वेदना प्रेमियो को तोड़कर रख देती है। वही अपने प्रेम को पाने की खुशी उसे ऊर्जा व विश्वास से भर देती है। अपने प्रेम को पाना, अपने प्रेमी का साथ पाना किसी भी तरह से किसी के साथ अन्याय नहीं है। हम जिससे प्रेम करते है उसका साथ पाने के लिये किया गया हर कर्म अपने साथी के साथ न्याय है। इस आधार पर प्रेम न्याय है। अर्थात निश्चित रूप से दो प्रेम करने वालो को अलग करना अन्याय है।

प्रेम तो प्रेम है

प्रेम तो प्रेम ही है। बिना किसी दुर्भावना के निश्छलता के साथ अपने साथी की खुशी व साथ निभाने के लिये किया गया प्रेम ही वास्तविक प्रेम है। धर्म ग्रंथो में प्राणी मात्र के प्रति प्रेम व करुणा का भाव रखने की बात कही गई है। निश्चित रूप से आपका प्रेम भी इस सृष्टि का ही हिस्सा है। कुछ लोग कहेंगे कि यह तो ईश्वर के प्रति प्रेम के बारे में होगा। प्रेम तो प्रेम ही होता है। प्रेम तो हृदय से उत्पन्न भाव है। हृदय के भाव तो किसी के भी प्रति हो सकता है। ईश्वरीय प्रेम और मानवीय प्रेम में भेद नही किया जा सकता है। फिर प्राणीमात्र के प्रति समानता का भाव रखना भी तो धर्म ही है। सबसे महत्वपूर्ण तो बात यह है कि धर्मग्रंथों में व्याप्त कथाओं में कही भी केवल ईश्वर के प्रति प्रेम की बात नहीं कही गई। कथाओं में सती का शिव के प्रति हो या पार्वती का शिव के प्रति या फिर राधा का कृष्ण के प्रति या रुक्मिणी का गोविन्द के प्रति हर जगह प्रेम एक प्रेमिका का उसके प्रेमी के प्रति ही दर्शाया गया न कि भगवान के रूप में या भगवान के प्रति दर्शाया गया।

प्रेम सर्वोपरि

धर्म का व्यक्तिगत स्वतंत्रता वाला पहलु प्राणिमात्र को अपनी स्वेच्छा से जीवन जीने व अपना जीवनसाथी चुनने व प्रेम करने का अधिकार देता है। सत्य, अहिंसा, न्याय, प्रेम, व्यक्तिगत स्वतंत्रता के साथ प्रेम पूर्वक अपनों - परायों में भेद भाव न कर समानता से न्याय की बात करना। प्राणिमात्र के प्रति दया व करुणा का भाव रखते हुए। ईमानदारी के साथ हंसी खुशी अंतिम सांस तक जिंदादिली के साथ जीवन जीने पर ही मुक्ति का मार्ग प्रशस्त होता है।

धर्म ग्रंथो में प्रेम का स्थान सर्वोपरि बताये जाने को जितना जाना, समझा गया है उस आधार पर तो यही कारण नजर आता है। धर्म के हर पहलु को लिए हुए होने के कारण ही शिव-शक्ति, राधा-कृष्ण, श्याम-रुक्मणि, अनेक महापुरुषों और ऋषि मुनियों ने प्रेम का गुणगान किया ।

संत कबीर का दोहा भी प्रेम की इसी विशालता व सर्वोपरिता को दर्शाता है ।

पोथी पढ़ि पढ़ि जग मुआ, पंडित भया न कोय,
ढाई आखर प्रेम का, पढ़े सो पंडित होय।

यानी बड़ी बड़ी पुस्तकें पढ़ कर संसार में कितने ही लोग मृत्यु के द्वार पहुंच गए, पर सभी विद्वान न हो सके। कबीर मानते हैं कि यदि कोई प्रेम या प्यार के केवल ढाई अक्षर ही अच्छी तरह पढ़ ले, अर्थात प्यार का वास्तविक रूप पहचान ले तो वही सच्चा ज्ञानी होगा।

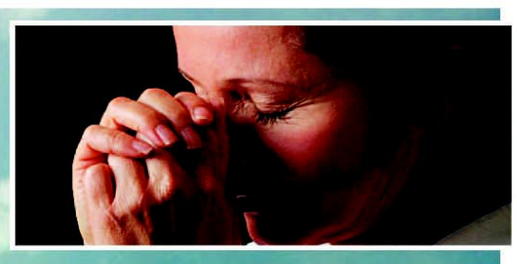

जहां ज्ञान हारा और भक्ति जीती...

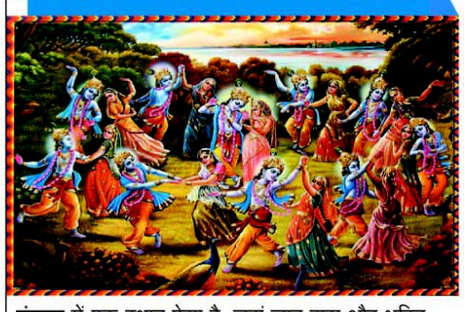

वृंदावन में एक स्थान ऐसा है, जहां ज्ञान हारा और भक्ति जीती। इस प्रसंग ने लोक मानस में यह बैठाया कि ज्ञानार्जन से अधिक ज्ञानानुभव महत्वपूर्ण होता है। बुद्धि से ज्यादा भावनाएं प्रमुख होती हैं। मस्तिष्क से अधिक दिल की बात सुननी चाहिए। इस स्थान को ज्ञान गूदड़ी कहते हैं। लोक में यह प्रसंग उद्धव-गोपी संवाद के रूप में जाना जाता है। भक्तिकालीन कवियों ने इस प्रसंग से यह स्थापित किया कि भगवान को पाने का सबसे सहज और सरल मार्ग भक्ति का है। शास्त्रों-पुराणों में यह प्रसंग नाम मात्र है। महाकवि सूरदास ने इस प्रसंग को विस्तार दिया। बात उस समय की है जब- कृष्ण गुरु संदीपन के यहां ज्ञानार्जन के लिए गये थे तब उन्हें ब्रज की याद सताती थी। वहां उनका एक ही मित्र था उद्धव, वह सदैव ज्ञान-नीति की, निर्गुण ब्रह्म और योग की बातें करता था। श्रीकृष्ण का उद्धव से परिचय मथुरा में हुआ। उद्धव हर संदर्भ में नीतियों का सहारा लेते। परिणामस्वरूप उनसे बात करने वाला निरुत्तर रह जाता। उनके गहन अध्ययन और विद से प्रभावित लोग उन्हें देवताओं के गुरु बृहस्पति का शिष्य मानते। पहले परिचय में ही उद्धव ने अपनी ज्ञानपूर्ण बातों से श्रीकृष्ण को प्रभावित किया। श्रीकृष्ण को यह अनुभूति थी कि उद्धव को ज्ञान का गर्व है। शंका निवारण के लिए श्रीकृष्ण ने युक्ति निकाली। एक दिन उन्होंने उद्धव से बात करते हुए कहा कि मैं मानता हूं कि ज्ञान का मार्ग सर्वोत्तम है। ज्ञान से व्यक्ति के मोहपाश खुल जाते हैं। माया के बंधनों से उसे मुक्ति मिल जाती है। इस तरह मोह-माया उसे दुःख नहीं पहुंचाते। उद्धव को अपनी बात गंभीरता से सुनते देख गंभीर लंबी सांस लेकर श्रीकृष्ण ने कहा- उद्धव जी, क्या यह संभव है कि आप ब्रज जाकर गोपियों को समझाएं। उन्हें बताएं कि दुनिया का सार ज्ञान है, प्रेम नहीं। ज्ञान से प्राप्ति होती है, भावनाओं से नहीं। ज्ञान से शांति मिलती है, जबकि प्रेम अशांत करता है। ज्ञान दुखों से ऊपर उठाता है और प्रेम दुखों में डुबोता है। ज्ञान समस्याओं का अंत है और प्रेम दुखों का आरंभ। श्रीकृष्ण की बात सुनकर उद्धव के भीतर ज्ञानजन्य गर्व हिलोरें लेने लगा। उन्होंने ब्रज जाकर गोपियों को समझाने की बात मान ली। उन्होंने श्रीकृष्ण को आश्वासन दिया कि वे गोपियों को समझाकर कुछ दिन में ही लौट आएंगे। श्रीकृष्ण का संदेश लेकर उद्धव वृंदावन पहुंचे। उद्धव के आगमन का समाचार पूरे ब्रज में फैल गया। नंद बाबा के घर कुछ समय बिताने के बाद उद्धव गोपियों से मिलने पहुंचे। उद्धव ने देखा गोपियां बेहाल हैं। उद्धव को यह सब विचित्र लगा। गोपियों की दशा पर वे मन ही मन मुस्कुरा उठे। ज्ञान गर्व पीड़ित हो उन्होंने आंखें मूंद लीं। आगे बढ़ने पर उन्हें सखियां से घिरी राधा दिखीं। अपूर्व सौंदर्य, सौंदर्य से अभिभूत उद्धव ने अपने को कृष्ण सखा बताकर राधा को प्रणाम किया। उद्धव ने बात आगे बढ़ाते हुए कहा कि मैं आपके लिए उनका संदेश लाया हूं। वह सोच रहे थे कि श्रीकृष्ण का संदेश सुनते ही गोपियां, मां यशोदा और नंदबाबा की तरह आनंद से भर उठेंगी। लेकिन राधा तो लगता है मद में हैं। उन्हें किसी की चिंता ही नहीं। उद्धव के अभिमान ने करवट ली। उनके मन ने कहा-अपने ज्ञान से वे कितने मूर्खों का जीवन बदल चुके हैं। फिर ये गोपियां क्या हैं? आखिर हैं तो स्त्रियां ही। प्रेम ने इनका मस्तिष्क दूषित कर दिया है। इनसे हार मानकर लौटना उचित नहीं। उद्धव ने एक बार फिर बात शुरू करने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि आपको श्रीकृष्ण के पास मथुरा कोई संदेश भेजना हो तो बताइए। इस पर राधा बोल पड़ीं- उद्धव जी हमारे हृदय प्रेम से भरे हैं। इसलिए हमें किसी संदेश या संदेशवाहक की आवश्यकता नहीं। प्रेम संदेश तो हृदय सुन लेता है। हम तो नित्य अपने मनमोहन को अपना संदेश सुनाती और उनका सुनती हैं। श्रीकृष्ण के प्रेम में गोपियां इस तरह डूबी हैं कि इन्हें संसार का ज्ञान ही नहीं रह गया। सांसारिक आचरण से यह ऊपर हो गई हैं। गोपियों के प्रेम के प्रति उद्धव के मन में आदरभाव पनप उठा। ज्ञान से बंजर हुए मस्तिष्क में प्रेम का अंकुर फूट पड़ा। ज्ञान की गूदड़ी में उन्हें प्रेम का हीरा मिल गया। उद्धव शांत हो गए। उन्हें लगा कि उन्होंने ज्ञानार्जन तो बहुत किया, लेकिन ज्ञानानुभव आज ही हुआ। उनका मन श्रद्धा से भर उठा। मस्तक वृंदावन की प्रेम भूमि पर नत हो गया।

नैतिकता से दूर दानव की राह...

नैतिक शिक्षा ही मानव को 'मानव' बनाती है क्योंकि नैतिक गुणों के बल पर ही मनुष्य वंदनीय बनता है। सारी दुनिया में नैतिकता अर्थात सच्चरित्रता के बल पर ही धन-दौलत, सुख और वैभव की नींव खड़ी है। प्रसंग बताता है कि 'इन्द्र ने ब्राह्मण का रूप धारण करके प्रह्लाद के पास जाकर पूछा- ''आपको तीन लोकों का राज्य कैसे मिला ?'' प्रह्लाद ने इसका कारण नैतिकता यानी शील को बताया। इन्द्र ने प्रह्लाद से वरदान में नैतिकता यानी शील को मांग लिया। शील के जाते ही धर्म, सत्य, सदाचार, बल, लक्ष्मी सभी चले गये।''भारत की नैतिकता इतनी ऊंची थी कि सारा संसार अपने चरित्र के अनुसार शिक्षा प्राप्त करे। ऐसी घोषणा यहां की जाती थी। नैतिकता के अंग हैं -सच बोलना, चोरी न करना, अहिंसा, दूसरों के प्रति उदारता, शिष्टता, विनम्रता, सुशीलता आदि। परन्तु आज ये शिक्षा ना तो बालक के माता-पिता, जिन्हें बालक की प्रथम पाठशाला कहा जाता है, ना ही विद्यालय दे पा रहा है। नैतिक शिक्षा के अभाव के कारण ही आज जगत में अनुशासनहीनता का बोल-बाला है। आज का छात्र कहां जानता है, बड़ों का आदर-सत्कार, छोटों से शिष्टता-प्यार, स्त्री जाति की सुरक्षा-सम्मान सत्कार। रही-सही कसर पूरी कर देता है हमारा फिल्मजगत और टेलिविजन प्रसारण। जो अश्लीलता की हर हदें पार कर चुका है और उसका मूल्य चुकाना पड़ता है समाज को, क्योंकि मनुष्य का स्वभाव है अनुकरण करना। वह अनुकरण से ही सीखता है।

सही सोच जरूरी

समाज में एक ज्वाला जली है हवस की। चारों तरफ, जहां पढ़ो, सुनो व देखने को मिलता है देश में महिलाओं के खिलाफ असामाजिक घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। दूसरी ओर यदि हम देखें तो साहित्य व सिनेमा जगत समाज का दर्पण होते हैं। जहां एक ओर वे गलत दिखाकर समाज को गलत राह पर ले जा रहे हैं, तो वहीं दूसरी ओर सही सोच, सही प्रदर्शन दिशा भ्रमित होने से बचा सकता है। इतिहास बताता है कि 'राजा जयसिंह अपनी नव विवाहिता के प्रेम प्यार में आबद्ध होकर राजकाज भूल गये थे। बिहारी कवि की एक श्रृंगारिक अन्योक्ति ने राजा को सचेत कर कर कर्तव्य पथ पर अग्रसर कर दिया- नहिं परागु नहिं मधुर मधु नहिं विकास इहिकाल। अलि कली ही सों बिंध्यौ, आगे कौन हवाल ।। इस दोहे ने राजा जयसिंह की आंखें खोल दी थी। यहां पूरे ही समाज का दायित्व हो जाता है कि हम अपने नैतिक मूल्यों का पुर्नस्थापन करें।

मार्ग को भूल गए

स्वामी विवेकानन्द ने कहा था कि भारत ही वह देश है जो जीवन के नैतिक मूल्यों के साथ अब तक पर्वत से भी अधिक दृढ़ भाव से खड़ा है। अफसोस! आज हम अपने पूर्वजों के दिखाए, बताये मार्ग को भूल गए हैं। पाश्चात्य सभ्यता, संस्कृति को अपनाते-अपनाते, ना तो हम खुद को ही पहचान पा रहे हैं, ना ही पाश्चात्य को। कुछ हम आजादी मिलने का अर्थ कुछ और ही ले रहे हैं। स्वामी विवेकानन्द ने कहा था कि किसी भी राष्ट्र की प्रगति का सर्वोत्तम थर्मामीटर वहां की महिलाओं की स्थिति है। नारी राष्ट्रीय व सामाजिक जीवनामृत का केन्द्र है। जो राष्ट्र समाज में स्त्रियों का आदर नहीं करना चाहते व कभी महान बन ही नहीं पाएंगे। देश के वर्तमान पतन का मुख्य कारण यही है कि हमने शक्ति की इन सजीव प्रतिमाओं के प्रति आदरभाव नहीं रखा। स्त्रियों के प्रति घृणित दृष्टि निन्दनीय है। माँ के रूप में, बहन-बेटी के रूप में महिलाओं को सुरक्षा, सुविधा, स्नेह व दुलार देना समाज का कर्तव्य है। नैतिकता और सदाचार ही राष्ट्रीय जीवन का आधार है।

सही मार्गदर्शन मिलें

आज समाज में इन्हीं नैतिक मूल्यों की स्थापना की सबसे अधिक जरूरत है। प्रत्येक बच्चे को सही मार्गदर्शन मिले, यह उचित शिक्षा ही कर सकती है। नैतिकता का पाठ पढ़ाया नहीं जा सकता, वरन् उसे चरित्र में उतारना है। गीता को कंठ से गाना ही नहीं होता वरन् उसका अक्स अपने हृदय में बसाना होगा तभी यह देश स्त्रियों, मासूम बच्चियों का आदर, सुरक्षा का दर्जा दे पायेगा। वरना मानव दानव का रूप धर चुका है तथा उसका रूकना कठिन ही नहीं नामुमकिन हो जाएगा।

जॉब छोड़ने के पहले क्या करें...?

क्या आप अपनी मौजूदा कंपनी छोड़ कर किसी अन्य कंपनी में नौकरी करने की तैयारी कर रहे हैं? अगर ऐसा है, तो जॉब छोड़ने की प्रक्रिया के दौरान कुछ खास बातों का ख्याल रखना चाहिए, ताकि कोई समस्या पैदा न हो। अगर आप कंपनी छोड़ रहे हैं, तो नोटिस या इस्तीफा देने से पहले बोनस आदि के नुकसान के बारे में जानकारी जुटा लें। अगर पेपरवर्क सही नहीं होगा, तो वित्तीय नुकसान भी उठाना पड़ सकता है। आपको कंपनी की अपेक्षाओं को समझने का प्रयास भी करना चाहिए।

बात पर कायम रहें: आपने अपनी पुरानी कंपनी से जो वायदा किया है, उसे निभाएं। आपकी पहचान आपके कमिटमेंट्स से होनी चाहिए। अगर आप किसी कंपनी को बीच में ही छोड़ते हैं, तो इससे कंपनी की योजनाओं पर नेगेटिव असर पड़ता है। सो, अपना प्रोजेक्ट पूरा करके ही कंपनी छोड़ें।

प्रोटोकॉल फॉलो करें: आपको कंपनी छोड़ने के बारे में एचआर या बॉस को सबसे पहले बताना चाहिए। ऐसा न हो कि दोस्तों और कलीग्स को इसके बारे में पहले पता लगे और बॉस को बाद में। अगर कंपनी के प्रति गुस्से को सबके सामने जाहिर करेंगे, तो गैर-पेशेवर माना जाएगा।

रेफरेंस तैयार करके जाएं: आपको आईटी, एचआर और बॉस को रेफरेंस, प्रूफ ऑफ सर्विस, सैलेरी सपोर्टिंग डॉक्यूमेंट आदि के लिए तैयारी करनी चाहिए। कई बार नई कंपनी लिखित में रेफरेंस मांगती है या मौजूदा बॉस से बात करवाने के लिए कहती है। इसलिए आपको प्रोफेशनल तरीके से इसका प्रबंध पहले ही कर लेना चाहिए।

दरवाजे खुले रखें: ध्यान रखें कि अगर नई कंपनी में आपकी चाहत के मुताबिक नहीं हुआ तो आपको कुछ महीने या सालभर बाद वापस अपनी पुरानी कंपनी में लौटना पड़ सकता है। इसलिए कंपनी छोड़ते समय कोई भी गलत व्यवहार नहीं करना चाहिए।

बात पते की: ज्यादातर लोग कंपनी छोड़ते वक्त सभी लोगों से मिल कर धन्यवाद कहना भूल जाते हैं। यह गलत असर डालता है। इसलिए सभी से मिल कर जाएं। इस्तीफा देने के बाद कई लोग कंपनी या बॉस के खिलाफ हर तरफ जहर उगलने लगते हैं। उनकी बुराई करने लगते हैं, यह गलती करने से बचें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**